महानगर नई दिल्ली रविवार 5 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

तबलीग के कारण कोरोना के बढ़ते कदम

देश भर में तबलीगी जमात से जुड़े 1,023 लोग संक्रमित।
कुल संक्रमितों में एक तिहाई केवल जमात से जुड़े हुए।
17 राज्यों में 22 हजार से अधिक लोगों को पृथक किया गया।
अकेले दिल्ली में 445 मामलों में से दो तिहाई जमात से जुड़े हुए।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

दिल्ली स्थित निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन से जुड़े 1,023 लोगों की कोरोना विषाणु संक्रमित के रूप में पहचान हुई है जो 17 राज्यों से हैं। यह संख्या देश में अब तक कुल संक्रमितों का एक तिहाई है। वहीं, सिर्फ दिल्ली में 445 मामलों में से 301 यानी दो तिहाई मामले जमात से जुड़े हुए हैं। तबलीगी जमात से संबंधित 22 हजार लोगों को देश भर में पृथक किया है। इनमें जमात के लोगों के अलावा उनके संपर्क भी शामिल हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने में हम अन्य देशों के मुकाबले बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे देश में मामलों की संख्या दोगुणा होने की दर अन्य देशों की तुलना में कम है। उन्होंने बताया कि चूंकि हमारा सामना एक संक्रामक बीमारी है तो ऐसे में एक दिन की विफलता भी हमें शून्य पर ला सकती है।

उन्होंने बताया कि संक्रमितों की संख्या में पिछले कुछ दिनों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें से अधिकतर तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन से जुड़े लोग हैं। उन्होंने बताया कि देश भर में अब तक 1,023 ऐसे संक्रमितों की पहचान हुई जो जमात से जुड़े हुए हैं। यह देश भर में अब तक सामने आए संक्रमण के बाकी पेज 8 पर

संक्रमितों में सबसे अधिक 21 से 40 साल के लोग

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि भारत में जिन लोगों को अब तक कोरोना का संक्रमण हुआ है, उनमें 41 फीसद से अधिक 21 से 40 साल के लोग हैं।

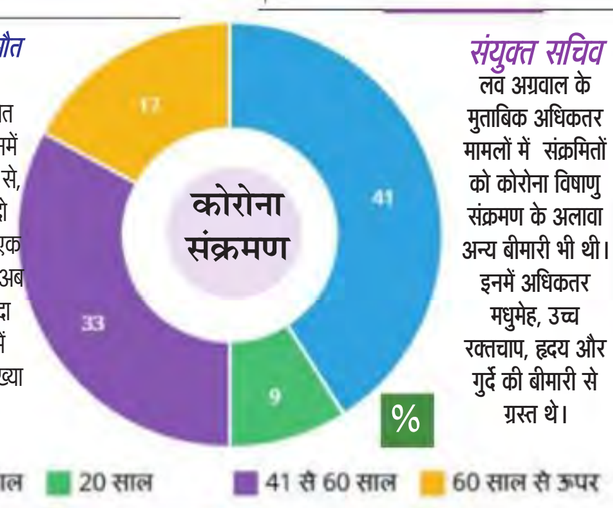

सबसे अधिक मौत महाराष्ट्र में
13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई जिनमें से आठ महाराष्ट्र से, दो दिल्ली से, दो गुजरात से और एक तमिलनाडु से है। अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या 24 है।

संयुक्त सचिव
लव अग्रवाल के मुताबिक अधिकतर मामलों में संक्रमितों को कोरोना विषाणु संक्रमण के अलावा अन्य बीमारी भी थी। इनमें अधिकतर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय और गुर्दे की बीमारी से ग्रस्त थे।

लापता साद ने कहा, मरकज खुलने के बाद देंगे जवाब

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज के प्रमुख मौलाना साद ने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को जवाब भेज दिया है।

साद ने पुलिस से कहा है कि वे खुद अभी पृथक केंद्र में हैं और मरकज जब खुलेगा तो पूछे गए 26 सवालों के जवाब दिए जाएंगे। मौलाना साद को उसके अन्य छह साथियों के साथ गुरुवार को एक नोटिस दिया गया था, जिसमें 26 सवालों के जवाब मांगे गए थे।

मार्च के दूसरे सप्ताह में मरकज में हुए कार्यक्रम में जुटी भीड़ से फैले कोरोना को लेकर मौलाना साद सहित सात लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इसके बाकी पेज 8 पर

11 दिन

ताला लगी मस्जिद में छिपे थे 11 तबलीगी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज में शामिल हुए तबलीगी जमात के सदस्यों की तलाश में अलग-अलग इलाकों में स्थित मस्जिदों के और मदरसों पर छापों के दौरान पुलिस ने पुल प्रहलादपुर इलाके में स्थित बाकी पेज 8 पर

बरेली दरगाह से 200 लोगों को बाहर निकाला

बरेली (उप्र) 4 अप्रैल (भाषा)।

बरेली की शहदाना वाली दरगाह में राजस्थान, मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों से आए कम से कम 200 लोगों को पुलिस ने यहां से हटाया। उन्हें चिकित्सकीय जांच के बाद घर भेजा गया और बाकी पेज 8 पर

आज देश भर में जलेंगे दीये

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर रविवार को देश में लोग आज रात नौ बजे अपने घरों की बालकनी में खड़े रहकर नौ मिनट तक मोमबत्ती, दीया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाएंगे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से यह भी कहा है कि ऐसा करने से पहले अपने पूरे घर की बत्तियां बुझा दें।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को अपील की थी कि कोरोना विषाणु को पराजित करने की देश की 'सामूहिक शक्ति' को प्रदर्शित करने के लिए लोग रोशनी जलाएं।

प्रधानमंत्री लोगों को दीये जलाने की बात याद दिलाने के मकसद से भाजपा के दिवंगत नेता अटल बिहारी वाजपेयी की एक वीडियो क्लिप शनिवार को साझा की जिसमें वे अपनी प्रसिद्ध कविता 'आओ फिर से दीया जलायें' सुनाते दिख रहे हैं। मोदी ने वीडियो के साथ ट्वीट किया, 'आओ दीया जलाएं।' इस छोटे वीडियो में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक मंच से अपनी प्रसिद्ध कविता 'आओ फिर से दीया जलाएं' सुना रहे हैं।

मोदी ने ट्रंप से की बात

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना विषाणु संक्रमण को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बाकी पेज 8 पर

कोरोना का कहर

चौबीस घंटे में 13 लोगों की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण से 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हुई है जबकि संक्रमण के मामलों में 525 की बढ़ोतरी हुई है। शनिवार शाम तक मृतकों की संख्या 75 और कुल संक्रमित लोगों की संख्या 3,072 पहुंच गई जिनमें 65 विदेशी शामिल हैं। देश में 2,784 लोगों का इलाज जारी है जिनमें से 58 मरीज गंभीर स्थिति में हैं जबकि 213 लोग ठीक हो गए हैं।

भारत में संक्रमितों की संख्या
शुक्रवार : 2,547
शनिवार : 3,072

दिल्ली में संक्रमितों की संख्या
445 तक पहुंची, मृतकों की संख्या छह हुई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार शाम छह बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटे में 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई जिनमें से आठ महाराष्ट्र से, दो दिल्ली से, दो गुजरात से और एक तमिलनाडु से है। अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या 24 है। इसके बाद गुजरात में 10, तेलंगाना में सात, मध्य प्रदेश में छह, दिल्ली में छह, पंजाब में पांच, कर्नाटक में तीन, पश्चिम बंगाल में तीन, जम्मू-कश्मीर में दो, उत्तर प्रदेश में दो, तमिलनाडु में दो और केरल में दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश, बिहार और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

देश में महाराष्ट्र में 490 के आंकड़े के साथ संक्रमित लोगों की संख्या सबसे अधिक है। इसके बाद बाकी पेज 8 पर

न्यूयॉर्क में हर ढाई मिनट में एक व्यक्ति की मौत

न्यूयॉर्क/मैड्रिड, 4 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में कोरोना वायरस से एक दिन में 562 लोगों की मौत हो गई जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इसका मतलब है कि लगभग हर ढाई मिनट में एक व्यक्ति की मौत हुई।

गवर्नर एंड्रयू क्योमो ने अधिक जरूरत वाले अस्पतालों में वेंटीलेटर और रक्षात्मक उपकरणों के पुनः वितरण करने की मंजूरी दी है। अमेरिका में इस वैश्विक महामारी के केंद्र रहे न्यूयॉर्क में कोविड-19 के मामलों की संख्या 100,000 का आंकड़ा पार कर गई और दो से तीन अप्रैल के बीच एक ही दिन में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई।

क्योमो ने बताया कि राज्य में अब तक 2,935 लोग जान गंवा चुके हैं। राज्य में कोरोना वायरस के पुष्ट मामलों की संख्या 1,02,863 है जो अमेरिका में सभी संक्रमित लोगों की लगभग आधी संख्या है। अकेले इस शहर में कोरोना वायरस के 56,289 मरीज हैं।

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' अखबार ने कहा, 'न्यूयॉर्क में मार्च के पहले 27 दिनों के मुकाबले पिछले 24 घंटे में अधिक लोगों की मौत हुई है। पिछले तीन दिन में राज्य में मृतकों की संख्या लगभग दुगुनी हो गई है।' गवर्नर ने राज्य में बढ़ रहे मामलों से निपटने में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की मदद के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की कमी पर भी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क में निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे कि मास्क, गाउन और

एक दिन में 562 लोगों की मौत हुई जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है।
अकेले न्यूयार्क शहर में कोरोना वायरस के 56,289 मरीज हैं।
दुनिया भर में कोरोना से संक्रमितों की संख्या 11 लाख के पार पहुंची
विश्व में मृतकों की संख्या 60000 से ज्यादा हो गई है।

चेहरे को ढकने वाले कवच का अभाव है। अमेरिका कोरोना वायरस महामारी के कारण विदेशों में फंसे अपने करीब 37,000 नागरिकों को स्वदेश ला चुका है और उसकी 22,000 और नागरिकों को लाने की योजना है जिनमें से ज्यादातर दक्षिण एशिया में फंसे हैं खासतौर से भारत में।

अमेरिकी दूतावास मामलों के प्रधान उप सहायक मंत्री इयान ब्राउनली ने पत्रकारों से कहा, 'हमने 400 से अधिक विमानों से 60 से अधिक देशों से अमेरिका के 37,000 नागरिकों को निकाला। इनमें अकेले पिछले हफ्ते स्वदेश लाए गए 20,000 से बाकी पेज 8 पर

बिजली बंदी से ग्रिड की स्थिरता को लेकर उठा विवाद

सरकार ने कहा, ग्रिड को लेकर पूरी तैयारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट तक बिजली बंद करने से बिजली ग्रिड की स्थिरता को लेकर जताई जा रही आशंका को खारिज किया है।

बिजली मंत्रालय का कहना है कि यह अपील घरों में थोड़े समय के लिए रोशनी बंद करके दिए आदि की रोशनी करने के लिए है और ऐसे में बाकी कामों के लिए बिजली की खपत बनी रहेगी। बिजली मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि देश की बिजली ग्रिड व्यवस्था मजबूत है और मांग में अंतर की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए हैं। बिजली सचिव संजीव नंद सहाय ने बाकी पेज 8 पर

महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री ने उठाए सवाल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

महाराष्ट्र सरकार के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने आशंका जताई है कि एक साथ नौ मिनट के लिए सभी बत्तियां बुझाने से कई राज्यों के ग्रिड धराशायी हो सकते हैं और पूरे देश में अंधेरा छा सकता है। राउत ने अपने बयान में लोगों से अपील की कि इस स्थिति से बचने के लिए रविवार को मोमबत्ती और दीए जलाने के दौरान घरों की जरूरी बत्तियों को बाकी पेज 8 पर

झारखंड में मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

रांची, 4 अप्रैल (भाषा)।

झारखंड के चाईबासा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस के साथ मुठभेड़ में शनिवार सुबह तीन माओवादी मारे गए और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता व पुलिस महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह ने बताया कि एक सूचना के आधार पर चाईबासा जिले की खूंटी से सटी सीमा पर गुदड़ी थाना क्षेत्र में चिरुनग्रेदा के जंगलों में सुबह लगभग साढ़े सात बजे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और स्थानीय पुलिस ने माओवादियों के एक गिरोह को घेर लिया। अपने को घिरा देखकर माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर बाकी पेज 8 पर

सुरक्षाबलों ने कुलगाम में चार आतंकी ढेर किए

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में शनिवार को हिजबुल मुजाहिदीन के चार आतंकवादी मार गिराए।

सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, सुरक्षाबलों को कुलगाम के हरमंद गुरी गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली, जिसके बाद शनिवार सुबह इलाके को घेर लिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया। प्रवक्ता के मुताबिक, मुठभेड़ स्थल से हथियार और युद्ध में इस्तेमाल आने वाली सामग्रियां बरामद हुई हैं। इन आतंकियों ने पिछले 12 दिनों में चार स्थानीय नागरिकों की हत्या कर दी थी।

मुठभेड़ में सेना के दो जवान घायल हुए हैं। प्रवक्ता के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के दमहल हांजीपोरा इलाके में ये चारों आतंकवादी स्थानीय निवासी गुलाम मोहम्मद लोन के घर में छिपे हुए थे। सेना की 34 आरआर बटालियन और पुलिस की एसओजी के जवानों ने सुबह पांच बाकी पेज 8 पर

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंत्रिपरिषद की बैठक लेंगे मोदी

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना संकट के कारण देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सोमवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। समझा जाता है कि देश के इतिहास में संभवतः यह पहला अवसर होगा जब केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री बुधवार, आठ अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ही जरिए लोकसभा और राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ संवाद करेंगे।

देशबंदी लागू होने के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंत्रिपरिषद की संभवतः पहली बैठक

बताते चलें कि 25 मार्च से देशव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बाद पहला बार केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक होने जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इसमें कोविड-19 से बाकी पेज 8 पर

दरअसल

कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए दिशा-निर्देश

परामर्श

सरकार के मुताबिक घर में बने मास्क सफाई में मददगार

घर पर बने मास्क का करें इस्तेमाल : सरकार

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने शनिवार को एक परामर्श जारी कर कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से 'घर पर बना मास्क' लगाने को कहा है, खास तौर पर तब जब वे घरों से बाहर निकलें।

'चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर के इस्तेमाल पर परामर्श' में सरकार ने कहा कि ऐसे मास्क के इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर समुदाय का बचाव होगा और कई देशों ने घर में बने मास्क के आम लोगों के लिए फायदेमंद होने का दावा किया है।

भारत सरकार ने अपने परामर्श में रेखांकित किया कि घर में बने मास्क निश्चित रूप से सफाई में मददगार हैं लेकिन इसके साथ ही चेताया भी कि 'घर में बनाए गए मास्क की अनुशंसा स्वास्थ्य कर्मियों अथवा कोविड-19 के मरीजों का इलाज या उनके संपर्क में रह रहे लोगों के लिए नहीं है। इन मास्क का इस्तेमाल मरीजों को भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इन श्रेणी के लोगों को बाकी पेज 8 पर

यह सुझाव दिया जाता है कि जो लोग किसी स्वास्थ्य विकार से ग्रस्त नहीं हैं या जिन्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं है वे घर में बने फिर से इस्तेमाल हो सकने वाले मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं खास तौर पर तब जब वे अपने घरों से बाहर निकल रहे हों।

ट्रंप का भी घर में बने मास्क पहनने का सुझाव

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी देशवासियों को कोरोना वायरस से लड़ने के वास्ते जन स्वास्थ्य उपाय के तौर पर स्वेच्छा से गैर-चिकित्सीय मास्क का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है।

अमेरिका के रोग नियंत्रण व रोकथाम केंद्र (सीडीसी) का हवाला देते हुए ट्रंप ने लोगों से स्कार्फ या घर पर बने कपड़े के मास्क से चेहरा ढकने लेकिन चिकित्सा वाले मास्क स्वास्थ्यकर्मियों के लिए छोड़ने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'सीडीसी चिकित्सा या सर्जिकल मास्क का इस्तेमाल करने की सिफारिश नहीं कर रही है। इनकी जरूरत अमेरिकियों की जान बचाने के लिए काम कर रहे चिकित्साकर्मियों को है। चिकित्सा रक्षा उपकरण अग्रणी मोर्चे पर काम कर रहे स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए रखे होने चाहिए जो महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं।' सीडीसी ने सिफारिश की है कि अमेरिकी बाकी पेज 8 पर

रविवारी
5 अप्रैल, 2020
रविवारी के स्तंभ आज पढ़ें
पेज 6 और 7 पर

www.readwhere.com

खुले हाथ से दान दे रहे समाजसेवी

बंगलुरु, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के राष्ट्रीय आपदा का रूप ले लेने के बाद कई समाजसेवियों और परोपकारी व्यक्तियों ने शहर में रहने वाले गरीबों खासकर शहर और कर्नाटक के अन्य हिस्सों के प्रवासी मजदूरों के भरण-पोषण के लिए खुले हाथ से दान करना शुरू कर दिया है।

इन व्यक्तियों ने प्रत्यक्ष या संगठनों के जरिए अपनी रसोइयों के दरवाजे खोल दिए हैं ताकि कोई भी इस संकट के वक्त में कोई भूखा नहीं सोएगा।

शहर के गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने की प्रमुख एजंसी, बृहत बंगलुरु महानगर पालिके ने जरूरतमंदों को भोजन की आपूर्ति के लिए इन संगठनों और व्यक्तियों की ओर से किए गए अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

बीबीएमपी के संयुक्त आयुक्त सरफराज खान ने बताया, 'हम अपनी इंदिरा कैंटीनों के जरिए भोजन देते थे जो हमने अब भी जारी रखा हुआ है। हालांकि कई समाजसेवी और कॉर्पोरेट जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए आगे आए हैं।' बीबीएमपी के मुताबिक, इंदिरा कैंटीन सामान्य दिनों में एक दिन में दो लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराती है।

देशबंदी के बाद से यह संख्या 50 फीसद तक बढ़ गई है। पालिके के एक अधिकारी ने बताया, 'केवल गुरुवार को हमने 2.85 लाख लोगों को खाना खिलाया जिसमें नाश्ता, दोपहर का खाना और शाम का नाश्ता था।' बड़ी सहायता जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) और अजीम प्रेमजी संस्था से प्राप्त हुई है।

जहां जेआईटीओ 22,000 लोगों को खाना खिला रहा है वहीं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन 20,000 लोगों का ध्यान रख रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियां सिर्फ मूल निवासियों के लिए

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

केंद्र सरकार ने अपने तीन दिन पुराने आदेश में संशोधन करते हुए जम्मू-कश्मीर में सभी नौकरियां केंद्रशासित प्रदेश के मूल निवासियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी वे लोग माने जाएंगे जो वहां कम से कम 15 साल से रह रहे हैं।

मूल निवासियों के लिए नियम बनाते हुए, बुधवार को सरकार ने समूह चार तक के लिए ही नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया था। हालांकि, स्थानीय राजनीतिक दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया मिलने के बाद शुक्रवार रात एक संशोधित गजट अधिसूचना जारी की गई, जिसमें सभी सरकारी पदों को केंद्रशासित प्रदेश के मूल निवासियों के लिए आरक्षित कर दिया गया। यह अधिसूचना -जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (राज्य कानूनों का अनुकूलन) आदेश-2020 शीर्षक से जारी की गई। संशोधित अधिसूचना में कहा गया है, 'कोई भी व्यक्ति जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के तहत किसी भी पद पर नियुक्ति के लिए निहित अर्हताओं को पूरा करता हो, वह जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।' अधिसूचना के एक हिस्से संशोधित जम्मू-कश्मीर सिविल सेवा (विकेंद्रीकरण एवं नियुक्ति) कानून में कहा गया, 'जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश का मूल निवासी नहीं होने पर कोई भी व्यक्ति किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।' एक अप्रैल की अधिसूचना में, सरकारी नौकरियों को केवल समूह चार तक के लिए आरक्षित किया गया था।

तैयारी

कोझिकोड में शनिवार को अपनी दुकान पर बेचने के लिए दीए रखता दुकानदार।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

PUBLIC NOTICE

Sh. Nepal Sharma S/o Sh. Shiv Charan Sharma and Smt. Parvesh Devi W/o Sh. Nepal Sharma, both R/o Gali No. 27-B, Main Road, Land Mark Deepak Hardware, Swatantra Nagar, Narela, Delhi-40; have severed all their relationships with their son namely Raj Kumar and his wife Pooja @ Prachi R/o Gali No. 27-B, Main Road, Land Mark Deepak Hardware, Swatantra Nagar, Narela, Delhi-40; and have disowned/debarred them from all relations and from all their moveable and immovable assets due to their antisocial, anti-family activities and cruelty committed upon my clients. My clients are not having even talking terms with the above noted son and his wife and my clients have no control over them for last considerable time. My clients shall not be responsible for the acts, deeds and things, if any done by their Son namely Raj Kumar and his wife Pooja @ Prachi, as my clients have nothing to do with their businesses, liabilities and acts whatsoever".

Ravin Rao Advocate
Lawyer's Chamber No. 538, Western Wing, Tis Hazari, Courts, Delhi-54

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)
Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST
PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, PREET VIHAR : AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, SHAKARPUR : PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST
JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, KAROL BAGH (REGHARPURA) : K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, KARAMPURA : GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, NEW MOTI NAGAR : MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, MOTI NAGAR : UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, RAMESH NAGAR : POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, TILAK NAGAR : SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, VIKAS PURI : AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL
CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, CONNAUGHT PLACE : HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH
TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 KINGWAY CAMP : SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) : MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) : PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH
CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, KALKAJI : ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, MALVIYA NAGAR : POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, YUSUF SARAI : TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR
FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) : PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, FARIDABAD : SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, GURGAON : SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, GURGAON : AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, NOIDA (SEC. 29) : RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, NOIDA (SEC. 65) : SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, NOIDA (SEC. 58) : JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) : TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)
FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :
ROHIT JOSHI 9818505947, ABHINAV GUPTA 9910035901
For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

सेवाएं बहाल करने पर अभी अंतिम निर्णय नहीं किया गया : रेलवे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

रेलवे ने शनिवार को कहा कि ट्रेन सेवाओं को बहाल करने पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और इस पर फैसला कुछ ही दिनों में लिया जाएगा। यह बयान तब आया है जब रेलवे ने कोरोना वायरस के कारण यात्री ट्रेनों को 21 दिन तक स्थगित करने के बाद 15 अप्रैल से अपनी सभी सेवाएं बहाल करने की तैयारी शुरू कर दी है।

एक अधिकारी ने शनिवार को बताया, 'रेलवे बोर्ड से हर ट्रेन को मंजूरी मिलने पर ही ट्रेन सेवाएं बहाल की जाएंगी। रेलवे बोर्ड को चरणबद्ध योजना के लिए सुझाव दिया जाना चाहिए।' अधिकारियों ने बताया कि रेल मंत्री पीयूष गोयल की रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के साथ शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस बैठक में यह फैसला लिया गया।

ट्रेनों का संचालन सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद ही शुरू होगा। सरकार ने इस मुद्दे पर मंत्रियों का समूह गठित किया है। सभी 17 जोन बोगियों की उपलब्धता के लिहाज से ट्रेनों की पहचान करने और अपनी सेवाएं बहाल करने की योजनाएं बना रहे हैं। रेलवे सभी यात्रियों की थर्मल जांच भी कर सकता है और सरकार द्वारा सुझाए सभी प्रोटोकॉल का पालन करेगा।

हालांकि, वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है और चूंकि टिकटें केवल 14 अप्रैल तक रद्द की गई हैं तो 15 अप्रैल से शुरू करने के लिए किसी नए आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है। इस सप्ताह के अंत में सभी जोन को ठोस कार्य योजना भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री द्वारा 24 मार्च को देश बंदी की घोषणा करने के बाद रेलवे ने 21 दिनों के लिए 13,523 ट्रेनों की सेवाएं निलंबित कर दी थी। इस दौरान उसकी मालवाहक ट्रेनें चलती रही हैं।

'कोरोना से संबंधित कोई जानकारी नहीं छिपा रही पश्चिम बंगाल सरकार'

कोलकाता, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 से पश्चिम बंगाल में हुई मौत के आंकड़ों पर उठते सवालों के बीच राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस संबंध में कोई भी आंकड़ा छिपाने का प्रयास नहीं कर रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में कोरोना से मरने वालों की संख्या पर वरिष्ठ अधिकारियों ने असहमति जताई थी।

राज्य सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों की एक समिति ने गुरुवार को बताया था कि राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से सात लोगों की मौत हुई है। इसके कुछ घंटों बाद सिन्हा ने कहा था कि इस बीमारी से केवल तीन लोगों की मौत हुई है और यह पता नहीं चल पाया है कि बाकी चार की मौत कोविड-19 से हुई थी या नहीं।

सभी जरूरी चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोविड-19 के खतरों से निपटने के लिए गठित अधिकार सम्पन्न समूहों की संयुक्त बैठक में विभिन्न पहलुओं एवं तैयारियों की समीक्षा की व अधिकारियों से मास्क, दस्ताने, वेंटीलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण सहित सभी जरूरी चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय के ट्वीट के अनुसार, उन्होंने देशभर में अस्पतालों की उपलब्धता, अलग-थलग रखने की सुविधा के साथ बीमारी की निगरानी, जांच व देखरेख प्रशिक्षण जैसे विषयों व तैयारियों की भी समीक्षा की। मोदी ने संबंधित समूहों और अधिकारियों से मास्क, दस्ताने, वेंटीलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण सहित सभी जरूरी चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन, खरीद और उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मोदी की 11 अधिकार संपन्न समूहों के प्रमुखों के साथ बैठक

सरकार ने हाल ही में 11 अधिकार संपन्न समूहों का गठन किया था, जिन्हें कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए 21 दिनों की देश बंदी के मद्देनजर स्वास्थ्य सेवा का मजबूत बनाने, अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने, लोगों की परेशानियों को कम करने के बारे में जल्द उपाय सुझाने की जिम्मेदारी दी गई है।

इस बारे में गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि इन समूहों को क्षेत्रों में समस्याओं की पहचान करने और प्रभावी समाधान सुझाने, योजना एवं नीति बनाने, उसके अनुपालन की रणनीति तैयार करने और समयबद्ध तरीके से इन योजनाओं, निर्णयों एवं रणनीति को लागू करने के लिये जरूरी एवं प्रभावी कदम उठाने को सशक्त किया गया है। इन 11 अधिकार संपन्न समूहों में से नौ समूहों की अध्यक्षता सचिव स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। एक की अध्यक्षता नीति आयोग के एक सदस्य व एक अन्य समूह की अध्यक्षता नीति आयोग के सीईओ कर रहे है।

भीड़ कम करने के लिए रिहा किए गए कैदी ने की सिपाही की पत्नी की हत्या

नागपुर, 4 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के नागपुर में कोरोना वायरस फैलने के मद्देनजर जेल में भीड़ कम करने के उद्देश्य से रिहा किए गए कैदियों में से आपराधिक पृष्ठभूमि के एक कैदी ने कथित तौर पर शनिवार को एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी की हत्या कर दी।

एक अधिकारी ने बताया कि शहर के नंदनवन क्षेत्र में शनिवार को पूर्वाह्न दस बजे नवीन गोटाफोडे ने पुलिस की अपराध शाखा के हेड कांस्टेबल अशोक मुले की पत्नी सुशीला का गला रेत कर हत्या कर दी। अधिकारी ने कहा, 'हाल ही में जेल में कोरोना के खतरे को देखते हुए भीड़ कम करने के लिए कई कैदियों समेत गोटाफोडे को रिहा किया गया था। वह सुशीला का बचपन का दोस्त था और उसके बेटे से मिलना चाहता था। सुशीला को यह स्वीकार नहीं था जिससे गोटाफोडे क्रोधित हो गया।

सुशीला का गला रेत कर हत्या कर दी। अधिकारी ने कहा, 'हाल ही में जेल में कोरोना के खतरे को देखते हुए भीड़ कम करने के लिए कई कैदियों समेत गोटाफोडे को रिहा किया गया था।

उन्होंने कहा, 'शुक्रवार की रात को वह सुशीला के बेटे से मिलने आया था लेकिन मिल नहीं पाया। इसलिए वह शनिवार को चुपके से उनके घर में घुसा और उसने सुशीला का गला रेत कर उसकी हत्या कर दी। सुशीला के बेटे ने उसे रोकने की कोशिश की तो गोटाफोडे ने उस पर भी हमला किया।' पुलिस उपायुक्त (जोन चार) निर्मला देवी ने कहा कि गोटाफोडे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

घूमने से रोकने पर महिला ने महिला सिपाही की वर्दी फाड़ी

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (भाषा)।

हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक महिला ने उस समय एक महिला पुलिसकर्मी की वर्दी कथित तौर पर फाड़ दी जब उससे पूछा गया कि वह लॉकडाउन के बाद भी सड़क पर क्यों घूम रही है। महिला ने पुलिस के साथ बदसलूकी भी की। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बहादुरगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक अजायब सिंह ने फोन पर बताया कि महिला पास के ही एक इलाके में रहती है और उसने ड्यूटी पर तैनात पुलिस टीम से कहा कि उसे देशबंदी की कोई परवाह नहीं है और उसे घूमने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने महिला को रोका जो पैदल घूम रही थी। घर से बाहर निकलने का कारण पूछे जाने पर महिला ने एक महिला कांस्टेबल के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। सिंह ने बताया कि आरोपी ने महिला कांस्टेबल की वर्दी फाड़ दी और हाथापाई की।

बंदी हटेगी या नहीं, यह नियमों के पालन पर निर्भर करेगा : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 4 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि राज्य में बंदी 14 अप्रैल के बाद हटेगी या नहीं, यह लोगों द्वारा सरकारी निर्देशों के अनुपालन पर निर्भर करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले बंद खत्म करने को लेकर संकेत दिए थे।

एक वेब प्रसारण में मुख्यमंत्री ने उन लोगों को भी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी जो सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी संदेश फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में राजनीतिक, धार्मिक या खेलकूद से जुड़े कार्यक्रमों की अगले नोटिस तक इजाजत नहीं होगी ताकि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर लोगों का आपस में मिलना-जुलना न हो।

ठाकरे ने कहा कि कोरोना वायरस संकट को संभालने का एक मात्र समाधान घरों के अंदर रहना और सामाजिक दूरी बरकरार रखना है। उन्होंने कहा, 'कोरोना वायरस हमारे साथ धैर्य का खेल खेल रहा है। राज्य के लोगों में साहस, अनुशासन और भरोसे की कोई कमी नहीं है। (संकट की घड़ी में) आत्म विश्वास महत्वपूर्ण है। यह मुझमें है और मुझे पता है कि आपमें भी है। अगर आपमें आत्मविश्वास है तो कोई भी (कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में) हमारी जीत रोक नहीं सकता।' उन्होंने कहा, 'मैं बंद के दौरान विनम्रता पूर्वक लोगों से अनुशासन और सामाजिक दूरी का पालन करने का अनुरोध करता हूं।

सीआरपीएफ के महानिदेशक माहेश्वरी स्वयं पृथकवास में गए

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख एपी महेश्वरी ने अप्रत्यक्ष रूप से कोरोना से संक्रमित डॉक्टर के संपर्क में आने के कारण खुद को पृथक कर लिया है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मोसेस दिनाकरण ने बताया कि सीआरपीएफ का एक अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। उस अधिकारी के संपर्क में आने वाले कर्मचारी पृथक वास में चले गए हैं।

सीआरपीएफ महानिदेशक अप्रत्यक्ष रूप से उस अधिकारी के संपर्क में आए थे और तय दिशानिर्देशों के तहत वह पृथक वास में हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल के प्रमुख दिशानिर्देश के तहत पृथक वास में हैं लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई सहित विभिन्न परिचालन मामले में अपने अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं।

देशबंदी के दौरान भी बाज नहीं आए अपराधी

भागलपुर 4 अप्रैल (जनसत्ता)।

देशबंदी के बावजूद अपराधी घटना को अंजाम देने से नहीं चूक रहे। दो रोज में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। इन वारदातों से लोग सहमे हैं। वहीं पुलिस ने गुरुवार शाम मोटरसाइकिल पर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को एक पिस्तौल, मैगजीन और छह कारतूस के साथ दबोच लिया।

ताजा घटना भागलपुर जिले के थाना गोपालपुर के लतरा गांव की है। शनिवार सुबह अपराधियों ने राजधर यादव (24) की उसके घर के नजदीक ही गोली मार हत्या कर दी। नौगछिया के डीएसपी मौके पर पहुंच कर तहकीकात की।

दूसरी वारदात इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के कमलाकुंड गांव की है। शुक्रवार को दिनदहाड़े कुछ अपराधियों ने एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृत किसान की शिनाख्त अजय यादव (45) के तौर पर हुई है। घटना के समय वह अपने खेत की रखवाली कर रहा था। मौका पाकर चार-पांच की संख्या में आए बदमाशों ने पहले लाठी-ठंडे से उसकी बेरहमी से पिटाई की। और फिर उसे दो गोलियां मार फरार हो गए। यह इलाका नौगछिया में पड़ता है। वहां की एसपी निधि रानी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे में ले लिया। हत्या का कारण जमीन संबंधी विवाद है।

भागलपुर में दो दिनों में तीन लोगों की सरेआम हत्या

तीसरी हत्या शुक्रवार रात हुई। नाथनगर के जवाहर लाल की बदमाशों ने घर लौटने के दौरान गोली मार कर हत्या कर दी। वह अपने भतीजे के साथ मोटरसाइकिल पर बाजार से चोकर खरीद कर लौट रहा था। हत्यारे कार से आए थे। पुलिस बेहोशी की हालत में जवाहर को अस्पताल ले गई। मगर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हत्या के तीनों ही मामलों में पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

उधर भागलपुर के तिलकामांझी थाना क्षेत्र में दो बदमाशो पप्पू मिश्रा उर्फ आशीष और सब्बू को पुलिस ने उस वक्त दबोच लिया जब वे किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। ये दोनों बरारी के रहने वाले हैं। इनके पास से पुलिस ने एक पिस्तौल, एक मैगजीन व छह कारतूस बरामद किए हैं। एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि राष्ट्रव्यापी बंद का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। घरों से बेवजह निकले लोगों के साथ पुलिस सख्ती से पेश आती है और मामले भी दर्ज करती है।

जरूरी यात्रा के लिए पास जारी करेगी महाराष्ट्र पुलिस

नागपुर, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर लागू देशबंदी के बीच महाराष्ट्र पुलिस जनता को थोड़ी राहत देते हुए जरूरतमंद लोगों को जिले के अंदर ही यात्रा के लिए पास (अनुमति पत्र) जारी करेगी। शुक्रवार को जारी एक आदेश के मुताबिक, विशेष पुलिस महानिरीक्षक मिलिंद भारंबे ने सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद लोगों को जिले के अंदर ही यात्रा करने के लिए पास जारी करें। आदेश में अधिकारियों को दैनिक जरूरतों का सामान ले जा रहे वाहनों को नहीं रोके जाने के साथ ही इनके निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। भारंबे ने पुलिस महानिदेशक कार्यालय में ऑनलाइन पास की भारी मांग को देखते हुए ये निर्देश दिए हैं।

www.readwhere.com

दिल्ली में कोरोना के 16 गंभीर मरीज आइसीयू और वेंटिलेटर पर

बाकी सभी मरीज ठीक हो रहे हैं : केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण की वजह से गंभीर मरीजों को आइसीयू व वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस समय 11 मरीज आइसीयू में और पांच मरीज वेंटिलेटर पर हैं। बाकि सब मरीज ठीक हो रहे हैं। डिजिटल प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 59 नए मरीज आए, अभी तक दिल्ली में कोरोना के 445 मरीज हैं।

दिल्ली में मरकज के मामले सामने आने के बाद मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने बताया कि अभी तक एक दूसरे से ही संक्रमण के मामले आए हैं समुदाय स्तर पर ये मामले नहीं है। बंद का सख्ती से पालन होने से यह लाभ है। अभी सभी को बंद का सख्ती से पालन करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 6 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई। इनमें से 3 मरकज के हैं। आने वाले दिनों में मरकज के मामलों के नतीजे आएंगे, उससे एकदम से आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। दिल्ली में जिन 6 लोगों की मौत हुई है, उनमें से पांच 60 साल और एक 36 साल की उम्र का था। मरने वाले 6 रोगियों में से 5 को कोई ना कोई दूसरी बड़ी बीमारी थी। इनमें एक को लीवर की बीमारी, एक को शुगर, दो को सांस की, और एक को दिल की बीमारी थी। बड़ी बीमारी वाले लोगों को खुद को बचाकर रखना पड़ेगा। उन्होंने अपील कि सभी बुजुर्ग अपना ख्याल रखें।

पीपीई किट की कमी है, केंद्र से अब तक नहीं मिली

दिल्ली में संक्रमण जांच के लिए पीपीई किट की कमी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली सरकार ने किट के लिए लिखा था। अबतक केंद्र सरकार ने किट नहीं दी है। उन्होंने कहा कि मैं अपने डॉक्टर, नर्स और सभी स्टाफ को लेकर चिंतित हूं।

मैं नहीं चाहता कि किसी भी डॉक्टर नर्स को बिना किट के कोरोना मरीजों का इलाज करना पड़े। हमने केंद्र से कहा है कि पीपीई किट तुरंत दी जाए ताकि हमारे डॉक्टर मरीजों का बिना किसी डर के इलाज कर सकें।

केंद्र से आपदा फंड मांगा, नहीं मिला : सिसोदिया

दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आपदा फंड से सहायता की मांग की है। इस संबंध दिल्ली सरकार के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया में केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि दिल्ली सरकार द्वारा आपदा के इस समय में मुफ्त राशन और लाखों लोगों के लिए खाने का इंतजाम किया है। आपदा की इस घड़ी में दिल्ली सरकार को आपदा कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि मैंने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर दिल्ली के लिए भी आपदा फंड की मांग की है। केंद्र ने राज्यों को कोरोना से लड़ने के लिए आपदा फंड से 17 हजार करोड़ रुपए जारी किए लेकिन दिल्ली को इसमें एक रुपया भी नहीं दिया। इस समय पूरे देश को एक होकर लड़ना चाहिए। इस तरह का भेदभाव दुर्भाग्यपूर्ण है।

सर गंगाराम में डॉक्टर समेत 108 लोग निगरानी में

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

दिल्ली में अब कोरोना का इलाज कर रहे चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी ही कोरोना की चपेट में आने लगे हैं। अब दो कोरोना संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने की वजह से राजधानी के सर गंगाराम अस्पताल में 108 डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों को क्वारंटाइन (पृथक) किया गया है। इनमें से 23 लोगों को अस्पताल में व बाकी को उनके घरों में ही रखा गया है।

कोरोना का कहर

अस्पताल के अध्यक्ष डॉ डीएस राणा ने एक जारी बयान में बताया है कि एक हफ्ते पहले अस्पताल में आए दो मरीजों को दूसरी दिक्कतों की वजह से भर्ती किया गया था। उस वक्त उनमें कोरोना के लक्षण नहीं थे। लेकिन बाद में बाद में उनको सांस लेने में परेशानी होने लगी। तब उनकी कोरोना की जांच की गई। जांच रपट में इनके कोरोना होने की पुष्टि हुई। इसके बाद दोनों मरीजों को सरकारी अस्पताल राममनोहर लोहिया अस्पताल में भेज दिया गया। इसके साथ मरीजों के संपर्क में आने वाले डॉक्टरों और नर्सों सहित 108 स्वास्थ्यकर्मियों को क्वारंटाइन किया गया है। इनमें से 23 को अस्पताल ओर इसके पास ही बने छात्रावासों में रखा गया है। बाकी 85 को घरों पर पृथक रखा गया है। निगरानी में रखे गए स्टाफ में अभी तक किसी में कोरोना के लक्षण दिखाई नहीं दिए हैं।

डॉ हर्षवर्धन ने लोकनायक अस्पताल का दौरा किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री डॉ हर्षवर्धन ने दिल्ली में कोरोना के बढ़ रहे मामलों के मद्देनजर शनिवार को दिल्ली सरकार के लोकनायक अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन के साथ कोरोना की तैयारियों व उपलब्ध संसाधनों पर बात की। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के उस प्रयोगशाला का दौरा भी किया, जहां कोरोना मरीजों के नमूनों की जांच की जा रही है।

मंत्री ने इस मौके पर कहा कि इस अस्पताल में करीब 1500 बिस्तरों की तैयारी की है, जहां सिर्फ कोरोना मरीज रखे जाएंगे। उन्होंने कर्मचारियों के काम व समर्पण की तारीफ की। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने सफरदरजंग अस्पताल का दौरा कर की गई तैयारियों व ताजा हालातों की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों की हौसला अफजाई के लिए एक मिनट ताली बजा कर स्वास्थ्यकर्मियों का अभिवादन किया। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सा अधिक्षक व दूसरे डॉक्टरों से मरीजों के आने से लेकर भर्ती होने तक की तमाम प्रक्रिया की जानकारी ली।

पुराने राशन कार्ड धारकों को भी अनाज देगी सरकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि बिना राशन कार्ड वालों को भी जल्द राशन मिलेगा। संभावना है कि गुरुवार तक यह सेवा शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया इन परिवारों को पांच किलो राशन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसे परिवार जिनके माध्यम से पहले ही सरकार के पास राशन कार्ड का आवेदन हैं वे लोग भी सरकार की इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि राशन कार्ड वाले 71 लाख लोगों को हम प्रत्येक को 7.5 किलो राशन मुफ्त दे रहे हैं। जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। ऐसे लोगों के लिए दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर एक फॉर्म बना कर डाला है। आप उस पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

जिन लोगों को राशन मिल गया है, उनको रोकने के लिए सिर्फ यह पंजीकरण कराया जा रहा है। दिल्ली में 6.5 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें राशन कार्ड नहीं मिला है। उन सब लोगों को हम राशन देंगे। अप्रैल के बाद अभी तक करीब 50 हजार लोग पंजीकरण कर चुके हैं। इसके अलावा भी जितने लोग पंजीकरण करेंगे, उन्हें भी राशन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा? कि हम लोगों ने शुक्रवार को 663928 लोगों को दोपहर का खाना और 678544 लोगों को रात का खाना खिलाया है। दिल्ली सरकार ने 10 लाख लोगों के लिए व्यवस्था की है। अब इंतजाम ज्यादा है और लोग कम आ रहे हैं। हम दिल्ली में किसी को भूखा नहीं रहने देंगे।

मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन देगा जल बोर्ड : चड्ढा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि सभी कर्मचारियों ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ सरकार की लड़ाई का समर्थन करने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन के वेतन का योगदान करने का फैसला किया है। सहायता की घोषणा करने वाला राज्य सरकार के विभागों में दिल्ली जल बोर्ड पहला विभाग है।

राघव चड्ढा ने कहा कि एक दिन के वेतन के योगदान से लगभग जल बोर्ड परिवार की ओर से 2 करोड़ रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में स्थानांतरित किए जाएंगे। राशि अप्रैल–2020 के अधिकारियों व कर्मचारियों के वेतन से होगी। राघव चड्ढा ने कहा कि हम सभी पर सामूहिक कार्य करने और जिम्मेदारी से कार्य करने का दायित्व है। हम अपने नायकों अपने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से प्रेरणा लेते हैं, जो आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित कर रहे हैं।

डीएवी कॉलेज ने कोरोना संकट से निपटने के लिए दिए पांच करोड़ रुपए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में मदद करने के लिए डीएवी कॉलेज प्रबंधन आगे आया है। कॉलेज प्रबंधन ने इसके लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई है। डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति एवं आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के प्रधान पूनम सूरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राहत कोष के लिए भेजी गई सहायता राशि को स्वीकार करने का आग्रह किया है।

पूनम सूरी

पूनम सूरी ने बताया कि कोरोना संक्रमित मरीजों के मामले बढ़ रहे हैं। इनमें आम जनता के सहयोग के लिए यह राशि प्रधानमंत्री कोष में आरटीजीएस सेवा के माध्यम से भेजी गई है। इस धनराशि में कर्मचारियों का एक दिन का वेतन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की अगुआई में देश कोरोना संकट से जल्द ही बाहर आएगा। इस गंभीर संकट में डीएवी परिवार देश के साथ खड़ा है और आगे जैसी भी मदद की जरूरत होगी वह उपलब्ध कराएंगे।

डीएवी प्रबंधन समिति 919 शिक्षण संस्थानों का संचालन कर रही है। देश के अन्य राज्यों में संस्थान के परिसर का प्रयोग मरीजों को क्वारंटाइन करने के लिए भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त संस्थान से जुड़े पुराने छात्रों व सदस्यों की मदद भी इस कार्य में ली जा रही है। ऐसे करीब 40 लाख सदस्य हैं।

मिलने लगी रोटियां, लगाई गई मशीनें

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

गरीबों को परोसे जा रहे खाने की सूची में दिल्ली सरकार ने रोटी और कुलचा भी जोड़ दिया है। पूर्णबंदी के बाद से ही दिल्ली में सरकारी रसोई चल रही हैं। सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से यहां खाने में दाल चावल, खिचड़ी, छोले चावल व दलिया मिल रहा था। अब इसमें रोटी व कुलचा भी शामिल किया गया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एनडी गुप्ता ने बताया कि रोटी बनाने के लिए उनके द्वारा चलाए जा रहे केंद्र पर रोटी बनाने की मशीनों की मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कारणों की वजह से चावल खाने से परहेज कर रहे थे। इसलिए रोटी की मशीनें लाई गई हैं। और लोगों की सुविधा के मुताबिक रोटी बनवाना शुरू किया है ।

जेएनयू

छात्र ने कोरोना विषाणु फैलाने की धमकी दी, मामला दर्ज

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली पुलिस ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक छात्र पर पूर्णबंदी का कथित तौर पर उल्लंघन करने और कोरोना विषाणु फैलाने की धमकी देने के लिए मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी के मुताबिक बुधवार की रात करीब आठ बजे प्रणव मेनन विश्वविद्यालय के उत्तरी द्वार के पास आया और परिसर से बाहर जाना चाहता था।

आरोप के मुताबिक, परिसर से बाहर जाने से मना करने पर छात्र ने सुरक्षा अधिकारियों से संघर्ष भी किया

प्राथमिकी में बताया गया है कि सुरक्षा अधिकारियों ने उससे कहा कि कोई भी बाहर नहीं जा सकता है जिसके बाद वह गेट के पास बैठ गया। इसमें कहा गया कि जब उससे वहां से जाने के लिए कहा गया तो उसने कहा कि वह खांसकर कोरोना वायरस फैला देगा।

प्राथमिकी के मुताबिक, सुरक्षा अधिकारियों ने जब उसे हटाना चाहा तो उसने उनसे संघर्ष किया और उनके मास्क हटा दिए। पुलिस ने बताया कि आइपीसी की संबंधित धाराओं में उस पर मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच की जा रही है और संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है। बता दें कि प्रधानमंत्री की ओर से देशभर में 21 दिनों की पूर्णबंदी की गई है।

CONCESSIONAIRE: M/s PNC KANPUR HIGHWAYS LIMITED
PROMOTERS: PNC INFRATECH LIMITED

PUBLIC NOTICE ON ANNUAL REVISED USER FEE (TOLL) RATES AT ALIYAPUR & KHANNA TOLL PLAZAS APPLICABLE FROM APRIL 01, 2020 AT 0.00Hrs

The public are hereby informed that pursuant to approval of annual revised user fee rates vide NHAI letter dated 02.04.2020, the user fee rates for use of section from Km 00+000 to Km 123.863 (Kanpur-Kabrai Section) of NH-86 is revised w.e.f01.04.2020 at 0.00Hrs.

NAME OF THE TOLL PLAZA	Aliyapur Toll Plaza; Situated at Km.43.500 on NH-86: (From Km.00.000 to Km.59.620)			Khanna Toll Plaza; Situated at Km.105.500 on NH-86: (From Km.59.620 to Km.123.863)		
Category of Vehicle	Fee for Single Journey	Fee for Return Journey within a day	Fee for Monthly pass valid for 50 journeys	Fee for Single Journey	Fee for Return Journey within a day	Fee for Monthly pass valid for 50 journeys
Car, Jeep, Van or Light Motor Vehicle	45	65	1425	45	70	1540
Light Commercial Vehicle, Light Goods Vehicle or Mini Bus	70	105	2305	75	110	2485
Bus or Truck (Two Axle)	145	215	4830	155	235	5205
Heavy Construction Machinery (HCM) or Earth Moving Equipment (EME) or Multi Axle Vehicle (3 to 6 Axle)	225	340	7575	245	365	8160
Oversized Vehicles (seven or more Axles)	275	415	9220	300	445	9935

2.The above rates are applicable for a completed length of 123.863Km, which comprises of 123.863 Km road length.
3.The following concessions are available at above toll plaza:
(i)Return Journey within 24 hours from time of payment for all categories of vehicles (discount 25%)
(ii)50or more single journeys in a month from date of payment for all categories of vehicles (discount 33%).
(iii)Local pass at Rs.275/- per calendar month for non-commercial vehicle residing with in 20 Km from Toll Plaza.
4.The list of exempted vehicles is as given in the Fee Notification dated 05.12.2008.
5.The vehicle, which is loaded in excess of permissible load, shall pay 10 times the applicable fee rate and remove the excess load to make use of highway.
6.As per Concession Agreement dated 11.03.2011, the Concession Period ends on 20.03.2025.
7.For viewing the fee notification dated 24.09.2014 published in the Gazette, letter of NHAI dated 02.04.2020 containing approval of annual revised user fee rates and provisions in the Concession Agreement, the website http://nhaitis.org may be visited.
8.Name and address are as under, for any enquiry and/ or giving complaints/ suggestions:

	Concessionaire	Independent Engineer	PIU of NHAI
Name of Representative	Shri Anguluri Satyanarayana	Shri Pritam Chand Kaundal	Shri Pankaj Mishra
Address	M/s PNC Kanpur Highways Limited # B-6/319, Vineet Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010, Uttar Pradesh	M/s MSV International, Inc. House No.128/197, Y-Block Kidwai Nagar, Kanpur-208011, Uttar Pradesh,	National Highways Authority of India Project Implementation Unit-Kanpur, # 53, BasantVihar, Naubasta, Kanpur-208011, Uttar Pradesh
Mobile Nos.:	+91 8573003201	+91 7018494672	+91 8004929085

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

#राजस्थान_सतर्क_है

अपील

प्रिय प्रवासी बंधुओं,

कोरोना महामारी से आज पूरा विश्व संकट में है। पूरे देश में लॉकडाउन के कारण सभी परिवहन एवं आवागमन प्रतिबंधित है। ऐसे में राजस्थान प्रदेश के निवासी जो किसी अन्य राज्य में व्यापार, नौकरी, मजदूरी, पर्यटन या किसी अन्य कारण से लॉकडाउन के कारण फंसे हुए हैं, वे जहां हैं वर्तमान परिस्थिति में वहीं रहें, अपने घरों को लौटने का प्रयास न करें।

साथियों, आपकी समस्याओं के समाधान के लिए राजस्थान सरकार संबंधित राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित करके आपके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं, भरण-पोषण व ठहरने की उचित व्यवस्था करवाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि परेशानी के इस दौर में हमारी सरकार मजबूती के साथ आपके लिए काम करती रहेगी। किसी भी समस्या के लिए नीचे दी गई हैल्पलाईन पर संपर्क करें। मेरा अनुरोध है कि कुछ समय धैर्य और संकल्प शक्ति को बनाये रखें।

– अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

interstatesupport@rajasthan.gov.in पर मेल करें या
टोल फ्री नम्बर 1800 180 6128 (प्रवासियों के लिए)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

www.readwhere.com

गौतम बुद्ध नगर में आठ नए मरीज आए सामने, कुल संख्या पहुंची 58

झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनी में मिले चार संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 4 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर में शनिवार को कोरोना विषाणु (कोविड-19) से संक्रमित आठ नए मामले मिले हैं। इस समय जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 58 हो गई है। इसमें चार रोगी झुग्गी-झोपड़ी (जेजे) कॉलोनी सेक्टर-5 नोएडा में संक्रमित पाए गए हैं। इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। एक व्यक्ति ग्राम वाजिदपुर सेक्टर 135 नोएडा सदर तहसील के तहत कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है।

जनपद में कोविड-19 से संक्रमित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले कई दिनों से प्रतिदिन मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। शनिवार को आठ और संक्रमित मिलने पर संख्या 58 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 804 लोगों के नमूने लिए गए। इसमें से 58 लोगों में कोरोना विषाणु की पुष्टी हुई है और 138 लोगों की रिपोर्ट का इंतजार है।

अब तक 58 में से आठ संक्रमित लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं जिन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 614 की रिपोर्ट नकारात्मक आई है। यात्रा विवरण के आधार पर 675 लोगों की पहचान की गई है। इसमें से 471 लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। वहीं, 454 लोग ऐसे है जो 58 पुष्ट रोगियों के संपर्क में आए। इन सभी पर निगरानी रखी जा रही है।

जिन स्थानों पर कोविड-19 से संक्रमित मरीज मिले हैं, उन्हें आगामी 5 अप्रैल की शाम 10 बजे तक अस्थाई रूप से सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्थानों पर होम क्वारंटाइन एवं सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। जिला मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को यहां पर अपने-अपने स्तर पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

ट्विटर से मिली मरीजों की जानकारी

एक युवक ने सेक्टर-5 में 4 लोगों को कोरोना विषाणु की सूचना ट्विटर पर पुलिस और जिला प्रशासन को दी। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जल्दबाजी में ट्वीट कर बताया कि जांच में कोई भी कोरोना विषाणु से संक्रमित नहीं मिला है। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे जिला प्रशासन ने प्रेस नोट जारी कर सेक्टर 5 में चार लोगों को कोरोना विषाणु से संक्रमित होने की जानकारी बताई। साथ ही सेक्टर 135 वाजिदपुर में भी एक व्यक्ति को संक्रमित होने की जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक ट्विटर पर रिंकू नाम के यूजर ने ट्वीट किया कि सेक्टर-5 स्थित जेजे कालोनी में चार लोग पुराना वायरस से पीड़ित हैं। उन्होंने यूपी पुलिस, डायल 112, डीएम सहित अन्य अधिकारियों को टैग कर सही जानकारी मांगी। इसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन में अफरा तफरी मच गई। इस पर पुलिस आयुक्त मुख्यालय से थाना सेक्टर 20 पुलिस को मौके पर जाकर जांच करने के आदेश दिए गए। पुलिस और जिला प्रशासन की मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने जल्दबाजी में ट्वीट कर चारों को संक्रमित होने से इनकार करते हुए ट्वीट कर दिया गया। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे जिला प्रशासन की तरफ से एक प्रेस नोट जारी कर दिया गया। प्रेस नोट में बताया गया कि सेक्टर 5 में मिले चारों लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसी तरह सेक्टर 135 वाजिदपुर में भी एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित मिला है। पांचों का इलाज किया जा रहा है।

31 लोगों का चल रहा है इलाज

जनपद में बनाए गए पृथक केंद्रों में कुल 331 लोग भर्ती हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। इसमें डॉ भीमराव आंबेडकर एससी/ एसटी हास्टल ग्रेटर नोएडा (जीबीयू) में 69, चाइल्ड पीजीआइ में 27, सेक्टर-39 अस्पताल में 217, जिम्स में 18 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

बिजली विभाग की रात नौ बजे के लिए अपील

संतुलन बना रहे इसलिए लाइट ही बंद करें

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 4 अप्रैल।

प्रधानमंत्री के पांच अप्रैल की रात नौ बजे नौ मिनट तक के लिए रोशनी बंद रखने का आह्वान बिजली विभाग के लिए भारी साबित हो सकता है। विभाग के लिए नोएडा में एकदम लोड कम होने और ज्यादा होने के बीच ग्रिड और दूसरी मशीनों को सुरक्षित रखना चुनौती पूर्ण रहेगा। ऐसे में उपभोक्ता दूसरे उपकरण चालू रखकर विभाग की मदद कर सकते हैं। इसके लिए बिजली विभाग की तरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे इस दौरान सिर्फ घरों की लाइट को ही बंद करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने पांच अप्रैल की रात नौ बजे नौ मिनट तक दीपक, मोमबत्ती, टार्च जलाकर प्रकाश करने को कहा है। जैसे ही लोग बिजली की रोशनी बंद करेंगे। एकदम ग्रिड व ट्रांसमिशन मशीनों पर लोड कम हो जाएगा और नौ मिनट बाद जैसे ही लोग बिजली चालू करेंगे लोड बढ़ जाएगा। ऐसे में बिजली का संतुलन बना रहे, इसके लिए विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के नोएडा जोन के मुख्य अभियंता वीएन सिह ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपकेंद्रों पर लोड बढ़ाने के लिए लगने वाले केपेसिटर को रात नौ बजे हटा दिया जाए। साथ ही उपकेंद्रों पर जेई, उपखंड अधिकारी या अधिशासी अभियंता में एक कोई अधिकारी कर्मचारी के साथ जरूर मौजूद रहे। अधिशासी अभियंता (ट्रांसमिशन) पुनीत गुप्ता ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि नौ मिनट के दौरान वे पंखा, कूलर, फ्रिज, एसी उपकरण जरूर चालू रखें, ताकि ग्रिड पर लोड शून्य न होने पाए। नौ मिनट खत्म होने के बाद धीरे-धीरे ही प्रकाश उपकरणों को चालू करें, ताकि ग्रिड को फेल होने से बचाया जा सके।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी आरडब्लूए को इसके बाबत अपने सेक्टरों में लोगों को जागरूक करने को कहा गया है। साथ ही दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। लाइट 8.45 बजे से ही एक-एक करके बंद करना शुरू कर दें , जिससे विद्युत कर्मचारी फ्रीक्वेंसी को स्थिर रख सके। अचानक नौ बजे एक साथ लाइट बंद करने से लोड बहुत कम हो जाएगा।

शटर तोड़कर की लाखों रुपए की शराब की चोरी

उत्तरी दिल्ली के रोशनआरा इलाके में घटी घटना, पुलिस की गश्त के बाद भी हुई चोरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

देश में लागू देशबंदी के दौरान भी उत्तरी दिल्ली के रोशनआरा इलाके में चोरों ने शुक्रवार देर रात एक दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए की शराब चोरी कर ली। बदमाशों ने देशबंदी के दौरान भी देर रात चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस की गश्त के बावजूद बड़ी ही आसानी से बदमाश मौका-ए-वारदात से फरार हो गए। घटना की जानकारी शनिवार सुबह को मिली। फिलहाल सब्जी मंडी पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर कर रही है।

रोशनआरा रोड पर डीसीसीडब्लूएस की शराब की दुकान है। इन दिनों कोरोना विषाणु को रोकने के लिए चल रहे देशबंदी के कारण दुकानें भी बंद हैं और आसपास के इलाके में भी सन्नाटा है। इस दौरान बदमाशों ने शुक्रवार देर रात को दुकान का ताला तोड़कर कई पेटी महंगी अंग्रेजी शराब और बीयर के कैरेट उड़ा दिए। शनिवार सुबह जब स्थानीय थाने के पुलिसकर्मी गश्त करते हुए पहुंचे तो उन्हें शटर टूटा हुआ मिला। फिर दुकान के प्रबंधक रमेश को घटना की सूचना दी गई। रमेश मौके पर पहुंचा तो उसने पुलिस को बताया है कि फिलहाल दुकान से कितना सामान चोरी हुआ है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा खंगाल रही है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश कोरोना संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

छत्तीसगढ़ हाइकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस व लोकपाल के सदस्य को कोरोना का संक्रमण होने की आशंका में एम्स के ट्रॉमा सेटंर में भर्ती कराया गया है। उनकी जांच में उनके कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आने के बाद उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। देश में यह पहला मौका है जिसमें किसी उच्चस्तरीय पद के व्यक्ति में यह पॉजिटिव आया है। जरूरत के मुताबिक इनके परिवार के सदस्यों को भी पृथक होने के लिए कहा गया है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक उन सभी में भी लक्षण दिखने पर जांच की जाएगी। उधर, एम्स में कोरोना पाजिटिव मां से पैदा हुए बच्चे में कोरोना के कोई लक्षण नहीं मिले हैं। बाकी भर्ती डाक्टरों में से तीन को छुट्टी दे दी गई है। उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है।

13 जमातियों समेत 23 मरीजों में कोरोना की पुष्टि

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 4 अप्रैल।

जिले में शनिवार को 10 और लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें नौ जमाती हैं और एक सीज फायर कंपनी में काम करने वाली युवती की छोटी बहन शामिल है। सभी को मुरादनगर के कोविड अस्पताल लेवल-1 में शिफ्ट किया जा रहा है। इसके कारण जिले में कोरोना पुष्ट रोगियों की संख्या 23 हो गई है। तीन रोगी स्वस्थ्य हो चुके हैं।

सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि शनिवार को 10 मरीजों की रिपोर्ट मिली। सभी में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें नौ जमाती और एक युवती की रिपोर्ट शामिल है। अब तक जिले में 13 जमातियों में कोरोना की पुष्टि हुई है। इसके अलावा चार सीज फायर कंपनी के कर्मचारी और छह अन्य हैं। तीन मरीज स्वस्थ्य हो चुके हैं। 20 मरीजों का उपचार चल रहा है। जो जमाती कोरोना पुष्ट मिले हैं। उनमें दो लोनी, तीन मुरादनगर और चार पासोंडा के रहने वाले हैं। सीएमओ ने बताया कि जिनकी रिपोर्ट शनिवार को पुष्ट आई है उनके परिजनों और निकट संपर्कों की तलाश की जा रही है। एमएमजी जिला अस्पताल में भर्ती कोरोना पुष्ट सीज फायर कंपनी की कर्मचारी युवती की 22 साल की बहन की दूसरी रिपोर्ट में पुष्टि हुई है। सीएमओ ने बताया कि युवती की बहन की पहली रिपोर्ट नकारात्मक आई थी लेकिन, संक्रमण की आशंका और लक्षण दिखने पर उसका दोबारा जांच कराई गई, शनिवार को आई रिपोर्ट में पुष्टि हुई है।

पलवल में 13 और फरीदाबाद में आठ नए मरीज मिले

फरीदाबाद, 4 अप्रैल (जनसत्ता)।

निजामुद्दीन से निकली तबलीगी जमात के लोगों में कोरोना विष्णु संक्रमण पाए जाने के बाद पलवल 13 और फरीदाबाद में 8 नए मामले सामने आए हैं। शनिवार को केवल दो जिलों में ही 21 कोरोना संक्रमण के मामले सामने आया है। हालांकि नूह और गुरुग्राम में भी तीन नए मामले सामने आए हैं। शनिवार को प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 27 नए मामले सामने आने के बाद कोरोना की चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या 70 हो गई है। इनमें 15 लोगों की जांच नकारात्मक आने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 55 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। पलवल में कोरोनो के 13 नए मामलों में पुष्टि होने पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई करते उपायुक्त नरेश नरवाल ने नो गांवों को कंटेनमेंट (गांव में आने और जाने पर पूर्ण प्रतिबंध) जोन घोषित कर दिया है। कंटेनमेंट जोन मे कोट, घुडावाली, लखनाका, बाबुपुर हथीन, जलालपुर, गुराकसर, आलीमेव, पहाड़पुर और उटावड़ गांव शामिल है। इसके साथ ही उपायुक्त के आदेश में कंटेनमेंट जोन के साथ लगते 27 गांव को बफर जोन घोषित कर दिया है।

देशबंदी का उल्लंघन करने पर दो हजार से ज्यादा मामले दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

देश भर में लगाए गए 21 दिनों की देशबंदी का दिल्ली पुलिस लगातार लोगों से पालन करने की अपील कर रही है। लेकिन इसके बावजूद लोग इसका उल्लंघन करते हुए घर से बाहर निकल रहे हैं। ऐसे दो हजार से ज्यादा लोगों का मामला दर्ज कर पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है और पांच हजार गाड़ियां भी जब्त कर चूकी है। शनिवार को भी शाम 5:00 बजे तक दिल्ली पुलिस ने धारा 188 के तहत 167 मामले दर्ज किए, 3747 लोगों को हिरासत में लिया और 388 गाड़ियां जब्त कीं। साथ ही शनिवार को पुलिस ने 858 मूवमेंट पास भी जारी किए।

चार अप्रैल तक देशबंदी का उल्लंघन करने वाले 2037 लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस के विभिन्न थानों में मामला दर्ज किया गया। इनमें दो हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, लेकिन जमानती अपराध के कारण उन्हें थाने से ही जमानत मिल गई। इस दौरान 45 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया जबकि पांच हजार से ज्यादा गाड़ियों को जब्त भी किया है।

पुलिसकर्मियों के लिए बनाए जा रहे पृथक केंद्र

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अब दिल्ली पुलिसकर्मियों के लिए भी पृथक केंद्र बनाए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत द्वारका, पश्चिम और बाहरी जिले से कर दी गई है। संयुक्त आयुक्त शालिनी सिंह ने बताया कि द्वारका जिला में यह बन चुका है। बाहरी जिला में बनाया जा रहा है। द्वारका में द्वारका थाने के ऊपरी हिस्से में पुलिस के लिए पृथक केंद्र बनाया गया। जिला उपायुक्त द्वारका एंटो अल्फोंस ने बताया कि इस पृथक केंद्र में 10 बिस्तर का इंतजाम किया गया है, जबकि पश्चिम जिला के जनकपुरी के उपायुक्त की बिल्डिंग में बनाया गया है। पीतमपुरा पुलिस लाइन में भी बनाया जा रहा है। केंद्र में सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। इन केंद्र में उन पुलिसकर्मियों को रखा जाएगा, जो कोरोना संदिग्ध हैं या उनको पृथक करने की जरूरत है।

139 गर्भवती महिलाओं को पीसीआर ने भर्ती कराया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

कोरोना के बाद दिल्ली में जहां ऑटो-टैक्सी, ई-रिक्शा आदि अन्य निजी गाड़ियां पूरी तरह से बंद हैं। वहीं, गर्भवती महिलाएं और हृदय रोगियों को अस्पताल पहुंचाने की चुनौती एक बहुत बड़ी समस्या के रूप में सामने है। पीसीआर के पुलिस उपायुक्त शरत कुमार सिन्हा ने शनिवार को बताया कि अभी तक दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में करीब 139 महिलाओं को पीसीआर की गाड़ियों ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया है। दिल्ली पुलिस के पीसीआर की यूनिट्स ने रात11:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक प्रसव पीड़ा झेल रही गर्भवती महिलाओं को दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया।

देश का पहला कोरोना नियंत्रण कक्ष नोएडा में शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 4 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने कोरोना विषाणु से निपटने के लिए और आम जनता को सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से एक अत्याधुनिक एकीकृत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह नियंत्रण कक्ष देश का पहला ऐसा नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) है, जिसमें एक साथ कई फोन किए जा सकते हैं। यहां आने वाले सभी फोन करने वालों को कोरोना विषाणु से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी दी जाएगी।

जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से गौतम बुद्ध नगर के निवासियों के लिए एक अत्याधुनिक एकीकृत कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस नियंत्रण कक्ष को सरकारी अधिकारियों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। जिसमें जिला प्रशासन,

स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 18004192211 जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष की खासियत यह है कि यहां पर कम से कम पांच डाक्टरों की एक टीम अलग-अलग समय पर मौजूद रहेगी। किसी को कोई भी समस्या होगी उसका निराकरण इसके जरिए किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण देशबंदी लागू है।

मजदूरों को भरकर ले जा रहे दो ट्रक चालक गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

देशबंदी और धारा 144 के बावजूद दिल्ली से बॉर्डर के रास्ते उत्तर प्रदेश की ओर ट्रक में भरकर मजदूरों को ले जा रहे दो ट्रक चालकों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पिकेट जांच के दौरान दोनों ट्रकों को पकड़ा।

राजधानी के बाबा हरिदास नगर की पुलिस टीम ने पिकेट जांच के दौरान मजदूरों को दिल्ली से उत्तर प्रदेश लेकर जा रहे इस ट्रक में पुलिस को 72 मजदूर मिले, जिसमें पुरुष,महिला और बच्चे शामिल थे। द्वारका के पुलिस उपायुक्त एन्टो अल्फोंस ने बताया कि एसीपी नजफगढ़ विजय सिंह यादव की देखरेख में एसएचओ बाबा हरिदास नगर जगतार सिंह की टीम झरोदा इंटर स्टेट बॉर्डर पर पिकेट जांच कर रही थी। इस दौरान उन्होंने दो ट्रकों को तलाशी के लिए रोका। जब पुलिस टीम ने ट्रकों की तलाशी ली तो उनमें से 72 मजदूर और उनके परिवार निकले। सभी लोगों को मुंडका वापस भेजा गया।

मदर डेयरी ने खोले 25 नए केंद्र

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

कोरोना विषाणु की वजह से हुए पूर्णबंदी के माहौल में दिल्ली-एनसीआर के लोगों की सहूलियत के लिए मदर डेयरी ने स्थानीय लोगों की मांग पर पूरे दिल्ली-एनसीआर में 25 अस्थायी कियोस्क खोलने का फैसला किया है। दिल्ली-एनसीआर में सभी इलाकों तक मदर डेयरी के उत्पादों की उपलब्धता सुनिचित करने के लिए कंपनी की ओर से यह कदम उठाया गया है। मदर डेयरी के प्रवक्ता के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न आरडब्लूए संगठनों और स्थानीय लोगों ने मदर डेयरी से कंपनी उत्पाद मुहैया करवाने के लिए बूथ स्थापित करने का आग्रह किया था। इसको संज्ञान में लेते हुए कंपनी ने त्वरित कार्यवाही के जरिए एनसीआर के विभिन्न इलाकों में अस्थायी कियोस्क खोलकर दूध व अन्य उत्पादों की सुचारू आपूर्ति को सुनिश्चित किया है।

बातचीत | कोरोना विषाणु को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्कूली बच्चों से की बात

ई-पाठशाला : बच्चों ने सवाल पूछकर चौंकाया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 अप्रैल।

कोरोना को लेकर जो दहशत फैली है वो बच्चों में भी साफ देखने को मिल रही है। संकट के इस काल में जब दिल्ली के स्कूली बच्चों के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कक्षा लगी तो सबसे पहले बच्चे के सवाल ने सबको चौंका दिया। उसने पूछा, कि क्या हम मर जाएंगे? बल्कि यह सवाल बाद में कुछ और बच्चों व अभिभावकों की ओर से भी आया। केजरीवाल ने बच्चे को समझाने की कोशिश की। दरअसर, स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों के बार-बार के सवालों को शांत करने के लिए सरकार ने यह पहल की थी। यह कक्षा दोपहर में 3 बजे शुरू हुई और डेढ़ घंटे तक चली। सवालों का जवाब मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व शिक्षा विशेषज्ञ ने दिया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमें स्कूल बंद करने पड़े है। इस समय पुरी दुनिया इस संक्रमण से जूझ रही है। इस वजह से पूरा देश को बंद है। सभी स्कूल में 44 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। लेकिन इस समय सभी गतिविधि रुक गई है।

बच्चों के सवालों के जवाब देता विशेषज्ञ पैनल।

बच्चे पूछ रहे है कि कोरोना क्या है। इस बार सब को साथ मिलकर रहने का मौका मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को बताना होगा कि यह संक्रमण कैसे फैलता है। यह खांसने-छींकने से हो सकता है। भीड़ वाली जगह जाते हैं तो आपको हो सकता है। बच्चे को समझाए ताकि बच्चों को संक्रमण से बचाया जा सके है। एक व्यक्ति बीमार है तो वह 10 लोगों को फैल सकता है। विशेषज्ञ ने कहा कि आज तक किसी ने ऐसी स्थिति नहीं देखी। बच्चे वह नहीं कर पा रहे हैं जो वह करना चाहते हैं। बच्चों को तकनीक से जोड़े और कृत्रिम पार्क बनाकर दें।

'बंद में फीस नहीं तो कैसे देंगे शिक्षकों को वेतन'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बहुत से अभिभावक ये भी कह रहे हैं कि बंद में उनको फीस देने में दिक्कत है इसलिए या तो फीस माफ की जाए या तारीख को आगे बढ़ा दिया जाए। लेकिन स्कूलों का यह कहना है कि अगर फीस नहीं देंगे तो टीचर्स, कर्मचारियों को तनख्वाह कहां से देंगे तो इस बारे में आप अपने सुझाव दीजिए। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि निजी स्कूल फीस से ही तनख्वाह देते हैं। फीस नहीं देंगे तो टीचर की तनख्वाह नहीं मिलेगी तो टीचर के घर कैसे चलेंगे तो यह एक मुश्किल सवाल है।

एक बच्चे का सवाल है कि सब सामान क्यों इकट्ठा कर रहे है। इस पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोगों में भय था कि कितने दिन बंद होगा। जबकि सरकार ने जरूरी सामान को सरकार ने बंद के दायरे से बाहर रखा है।

www.readwhere.com

जांच

कोरोना विषाणु महामारी के मद्देनजर देशबंदी के दौरान भोपाल में शनिवार को पुलिसकर्मी की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के साथ बैठक

अत्यावश्यक मामलों की तत्परता से सुनवाई सुनिश्चित करने के दिशानिर्देश दिए

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ई-समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने अत्यावश्यक मामलों की तत्परता से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों की ई-समिति की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीशों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की ताकि वादियों को देशबंदी के दौरान अदालत न आना पड़े।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई बैठक में 'संकट के इस समय में' तत्परता से कदम उठाने पर जोर दिया और कहा कि बंदी खत्म होने के बाद स्थिति सामान्य होने पर भी इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को संस्थागत बनाया जाना चाहिए।

समिति ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हो रही अदालत की कार्यवाही के सीधे प्रसारण की संभावनाओं पर भी चर्चा की लेकिन इससे जुड़े तकनीकी मुद्दों के आकलन के आधार पर महसूस किया गया कि न्यायालय की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग अगले दिन न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए ताकि लोगों को इस कार्यवाही की जानकारी मिल सके।

समिति ने कहा कि बेहतर होता कि न्यायिक अधिकारी और वकील अपने घरों से काम करते लेकिन इसकी व्यावहारिकता के बारे में निर्णय उच्च न्यायालयों पर छोड़ दिया गया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कुछ राज्यों में मुकदमों की ई-फाइलिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए अदालती कार्यवाही जैसी अनुभूति कराने की दिशा में हाई कोर्ट के प्रयासों की समीक्षा की और कहा कि इन मुद्दों पर उच्च न्यायालयों की कंप्यूटर समितियों के अध्यक्षों की बैठक में चर्चा की जाएगी।

इस बैठक में कंप्यूटर समितियों की अध्यक्षता कर रहे 23 उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों ने हिस्सा लिया। इन समितियों के अध्यक्ष न्यायाधीशों ने इस चुनौती का सामना करने में अपने-अपने दृष्टिकोण और समस्याओं को साझा किया। न्यायाधीशों ने न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के इस सुझाव से सहमति व्यक्त की कि इस प्रौद्योगिकी को संस्थागत करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालय ई-अदालतों के द्वितीय चरण की परियोजना के लिए निमित्त कोष से बचे हुए धन का उपयोग अपनी तात्कालिक जरूरतें पूरी करने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने न्यायाधीशों को भरोसा दिलाया कि ई-समिति धन और सॉफ्टवेयर की मांग पूरी करने की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर न्याय विभाग को इससे अवगत कराएगी।

उत्तराखंड में कोरोना मरीजों की संख्या 17 पहुंची

दो संदिग्ध मरीज पृथक केंद्र से खिड़की तोड़ कर भागे

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 4 अप्रैल।

उत्तराखंड में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्य के स्वास्थ्य निदेशालय के मुताबिक कोरोना पॉजिटिव के मरीजों की संख्या 17 हो गई है। राज्य में सात और कोरोनावायरस पॉजिटिव मरीज मिले हैं जिनमें से पांच कोरोना पॉजिटिव देहरादून जिले से और एक-एक ऊधम सिंह नगर और हरिद्वार जिले से मिला है। ये सभी जमात के हैं जो विभिन्न राज्यों से उत्तराखंड में लौटे। रुड़की के एक गांव में एक जमाती कोरोना संक्रमित निकला। हरिद्वार जिले का पहला पॉजिटिव मरीज है मिला है। अभी 138 कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच रिपोर्ट आनी है।

हरिद्वार जिले का पहला मरीज रुड़की में मिला है। रुड़की में जमात से लौटे एक व्यक्ति में कोरोना की पुष्टि हुई है। इसका उपचार रुड़की के सिविल अस्पताल स्थित आइसोलेशन वार्ड में चल रहा है।

हरिद्वार के जिलाधिकारी सी रविशंकर के मुताबिक रुड़की विकासखंड क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला एक 25 साल का युवक 11 मार्च को राजस्थान के अलवर में जमात में गया था।

> उत्तराखंड पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर रहने वाले सुखबीर सिंह व नैनीताल के हल्द्वानी के रहने वाले मोहम्मद यूनुस को उत्तराखंड की सीमा से दो दिन पहले देर रात पकड़ा था। जिसके बाद दोनों संदिग्धों को आइआइएम के छात्रावास में बनाए गए एकांतवास सुविधा केंद्र में अलग-थलग किया गया था।

वहां से वह 31 मार्च को वापस लौटा था और स्वास्थ्य विभाग के जांच दल ने उसमें कोरोना के लक्षण पाए और उसको उपचार के लिए रुड़की सिविल अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती किया गया। जहां से के खून के नमूने हल्द्वानी लैब भेजे गए थे। आज उसके खून की जांच रिपोर्ट आने पर उसमें कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई।

जिलाधिकारी रवि शंकर का कहना है कि यह युवक अपने दो भाइयों के साथ जमात से वापस आया था। यह इन दिनों किसके संपर्क में आए इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। सबको पृथक किया जा रहा है। साथ ही पूरे गांव को अलग-थलग किया जा रहा है।

बीती देर रात उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के नैनीताल जिले के काशीपुर में पृथक किए गए दो कोरोना संदिग्ध फरार हो गए। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया। कुमाऊं मंडल के पुलिस उप महानिदेशक जगतराम जोशी के मुताबिक दोनों संदिग्धों के परिवार वालों से संपर्क किया गया है। उन्हें हल्द्वानी के गोला पार के जंगल में लोगों ने देखा है इसलिए पुलिस उनकी जंगलों में भी छानबीन कर रही है।

उत्तराखंड पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर रहने वाले सुखबीर सिंह व नैनीताल के हल्द्वानी के रहने वाले मोहम्मद यूनुस को उत्तराखंड की सीमा से दो दिन पहले देर रात पकड़ा था। जिसके बाद दोनों संदिग्धों को आइआइएम के छात्रावास में बनाए गए एकांतवास सुविधा केंद्र में अलग-थलग किया गया था।

संक्रमित सरकारी कर्मी पर जानकारी छिपाने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना से संक्रमित एक सरकारी कर्मी के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने की जानकारी नहीं देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी कर्मी का तेलंगाना सरकार द्वारा संचालित गांधी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जनगांव के पुलिस निरीक्षक डी मल्लेश ने बताया कि यह मामला शुक्रवार को दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार सरकारी कर्मी ने दिल्ली में 15 मार्च को धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया था। वे 18 मार्च को वापस लौट आए। सरकारी कर्मी जिला ग्रामीण विकास एजंसी में काम करते हैं और उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अनुमति या छुट्टी नहीं ली थी।

राज्य सरकार ने हाल ही में घोषणा की थी कि जिस किसी ने भी दिल्ली में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया, वह स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों या पुलिस को सूचित करे तथा कोरोना वायरस की जांच कराए। पुलिस के अनुसार सरकारी कर्मी ने कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया और वे सामान्य रूप से ड्यूटी भी करते रहे। पुलिस ने आरोपी सरकारी कर्मी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

तबलीगी कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाला बांदा का व्यक्ति संक्रमित

बांदा (उप्र), 4 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाला बांदा का एक व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। यह युवक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर 11 मार्च को बांदा लौटा था और उसे एक अप्रैल को पृथक कक्ष में रखा गया था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संतोष कुमार ने शनिवार को कहा कि बांदा शहर का 40 वर्षीय व्यक्ति दिल्ली के निजामुद्दीन में आयोजित तबलीगी जमात के इज्तिमा में हिस्सा लेकर 11 मार्च को बांदा लौटा था और उसकी खोजबीन कर उसे यहां के राजकीय मेडिकल कॉलेज के पृथक कक्ष में एक अप्रैल को भर्ती कराया गया था। उसके नमूने को जांच के लिए 'किंग जार्ज मेडिकल यूनिर्विसटी', (केजीएमयू) लखनऊ भेजा गया था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर शाम केजीएमयू से आई रिपोर्ट में इस व्यक्ति के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उसे तुरंत सामान्य पृथक कक्ष से विशेष कक्ष में स्थानांतरित कर दिया गया।

सीएमओ ने बताया कि 11 मार्च को धार्मिक सभा से लौटने के बाद यह व्यक्ति अपने घर में रहा। इस बीच कितने लोगों से उसका संपर्क रहा, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले चार अन्य लोगों की रिपोर्ट अभी नहीं आयी है। इसके पहले तबलीगी जमात कार्यक्रम में भाग लेने वाले पांच युवकों की रिपोर्ट में उनके संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई थी।

> **मुख्य** चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण का यह बांदा में पहला मामला है।
>
> **स्वास्थ्य** विभाग इससे पूरी मुस्तैदी से निपटने की कोशिश कर रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण का यह बांदा में पहला मामला है। स्वास्थ्य विभाग इससे पूरी मुस्तैदी से निपटने की कोशिश कर रहा है। लोगों से भी अपील है कि वे अगर इस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हैं तो स्वेच्छा से अपनी जांच करा लें और अगर किसी को किसी ऐसे व्यक्ति की जानकारी है जो तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटा हो तो वह उसकी सूचना नियंत्रण कक्ष या स्वास्थ्य विभाग को दे।

भीड़ जुटा कर नमाज पढ़ने पर 30 गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 4 अप्रैल (भाषा)।

देशबंदी के नियमों का उल्लंघन कर केरल की विभिन्न मस्जिदों में भीड़ में नमाज पढ़ने को लेकर शुक्रवार को कम से कम तीन मामले दर्ज किए गए और 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि ये मामले कोझिकोड, त्रिशूर जिले के चावक्कड और तिरुवनंतपुरम में पेरिगमाला में दर्ज किए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने देशबंदी का उल्लंघन कर और नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में भीड़ एकत्र करने के सिलसिले में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने बताया तिरुवनंतपुरम में पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जिनमें जमात समिति के अध्यक्ष और सचिव शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि हमें मस्जिद के पदाधिकारी से सूचना मिली जिसमें उन्होंने बताया कि मस्जिद समिति और स्वास्थ्य अधिकारियों की भीड़ नहीं लगाने की चेतावनी के बावजूद लोग नमाज के लिए आ रहे हैं। त्रिशूर में पुलिस ने शाम की नमाज आयोजित करने के आरोप में कम से कम पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है।

> **केरल** सरकार के मुताबिक राज्य में 1.69 लाख लोग निगरानी में हैं और 706 लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। प्रशासन के मुताबिक केरल में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमित 251 लोगों का इलाज चल रहा था। अब तक 14 लोग ठीक हो चुके हैं और राज्य में अबतक संक्रमण से दो लोगों की मौत हुई है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बताया कि केरल में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के नौ नए मामले सामने आए जिनमें सबसे प्रभावित कासरगोड जिले से सात मामले आए हैं। विजयन ने बताया कि कासरगोड के अलावा एक-एक मामला त्रिशूर और इदुक्की से आया था।

केरल सरकार के मुताबिक राज्य में 1.69 लाख लोग निगरानी में हैं और 706 लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। प्रशासन के मुताबिक केरल में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमित 251 लोगों का इलाज चल रहा था। अब तक 14 लोग ठीक हो चुके हैं और राज्य में अबतक संक्रमण से दो लोगों की मौत हुई है।

छत्तीसगढ़ : 16 साल के तबलीगी में कोरोना की पुष्टि

कोरबा, 4 अप्रैल (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तबलीगी जमात के 16 वर्षीय एक सदस्य की जांच में शनिवार को कोरोना की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उक्त किशोर पिछले महीने दिल्ली के निजामुद्दीन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुआ था या नहीं। इस मामले के सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के मरीजों की संख्या दस हो गई है। हालांकि इलाज के बाद शुक्रवार तक चार लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

कोरबा की कलेक्टर किरण कौशल ने कहा कि उक्त किशोर पिछले महीने महाराष्ट्र से जिले के कटघोरा उपनगर लौटा था। उन्होंने बताया कि किशोर के नमूने जांच के लिए दो अप्रैल को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भेजे गए थे।

उन्होंने कहा कि किशोर के अलावा 16 अन्य लोगों को कटघोरा के पुरानी बस्ती क्षेत्र में एक मस्जिद में पृथक रखा गया था जहां वे रह रहे थे। उन्होंने कहा कि जांच में विषाणु की पुष्टि होने के बाद उसे एम्स भेज दिया गया। तबलीगी जमात के सदस्य इन 16 व्यक्तियों का समूह पिछले महीने महाराष्ट्र के नागपुर से कटघोरा आया था और मस्जिद में ठहरा था। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इन सभी के नमूने कोविड-19 की जांच के लिए दो अप्रैल को एम्स भेजे गए थे।

> **जमात** के सदस्य इन 16 व्यक्तियों का समूह पिछले महीने महाराष्ट्र के नागपुर से कटघोरा आया था और मस्जिद में ठहरा था।
>
> **एक** अन्य अधिकारी ने बताया कि इन सभी के नमूने कोविड-19 की जांच के लिए दो अप्रैल को एम्स भेजे गए थे।

अधिकारी ने कहा, 'अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वे पिछले महीने दिल्ली के निजामुद्दीन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे या नहीं। यह भी पता नहीं चला सका है कि वे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए थे या नहीं। लेकिन एहतियात के तौर पर सभी को मस्जिद में पृथक रखा गया गया है और उन पर निगरानी रखी जा रही है।'

CONCESSIONAIRE: M/s PNC KANPUR AYODHYA TOLLWAYS PRIVATE LIMITED
PROMOTERS: PNC INFRATECH LIMITED

PUBLIC NOTICE ON ANNUAL REVISED USER FEE (TOLL) RATES AT NAWABGANJ/ AHAMADPUR/RAUNAHI TOLL PLAZAS APPLICABLE FROM APRIL 01, 2020 AT 0.00Hrs

The public are hereby informed that pursuant to approval of annual revised user fee rates vide NHAI mail dated 04.04.2020, the user fee rates for use of section from Km 11.005 to Km 75.500 (Lucknow – Kanpur section) of NH-25, from Km 0.000 to Km 22.850 (Lucknow By pass section) of NH-56A&B and from Km 8.000 to Km 137.970 (Lucknow - Ayodhya section) of NH-28 on OMT basis is revised w.e.f 01.04.2020 at 0.00Hrs.

NAME OF THE TOLL PLAZA	NAWABGANJ at Km 39.000 on NH-25 (From Km 11.005 to Km 75.500 of NH-25)				AHAMADPUR at Km 53.000 on NH-28 (From Km 0.000 to Km 22.850 of NH-56A&B and from Km 8.000 to Km 58.000 of NH-28)				RAUNAHI at Km 107.000 on NH-28 (From Km 58.000 to Km 137.970 of NH-28)			
Category of Vehicle	Fee for Single Journey	Fee for Return Journey within a day	Fee for Monthly pass valid for 50 journeys	Fee for Commercia vehicle registered in district.	Fee for Single Journey	Fee for Return Journey within a day	Fee for Monthly pass valid for 50 journeys	Fee for Commercia vehicle registered in district.	Fee for Single Journey	Fee for Return Journey within a day	Fee for Monthly pass valid for 50 journeys	Fee for Commercia vehicle registered in district.
Car, Jeep, Van or Light Motor Vehicle	75	115	40	2575	95	140	45	3155	100	150	50	3320
Light Commercial Vehicle, Light Goods Vehicle or Mini Bus	125	185	60	4155	155	230	75	5100	160	240	80	5360
Bus or Truck (Two Axle)	260	390	130	8710	320	480	160	10680	335	505	170	11235
Three-Axle Commercial Vehicles	285	425	140	9500	350	525	175	11650	370	550	185	12255
Heavy Construction Machinery (HCM) or Earth Moving Equipment (EME) or Multi Axle Vehicle (4 to 6 Axle)	410	615	205	13655	500	755	250	16750	530	795	265	17615
Oversized Vehicles (seven or more axles)	500	750	250	16625	610	920	305	20390	645	965	320	21445

The rates for monthly pass applicable for local non-commercial vehicle resides within a distance of 20 km from the toll plaza for the year 2020-21 shall be Rs. 275/-

2.The above rates are applicable for a completed length of 217.315 Km, which comprises of 217.315 Km road length, 18.959 Km of bypass costing Rs.10 Crore or more.

3.The following concessions are available at above toll plaza:

(i)Return Journey within 24 hours from time of payment for all categories of vehicles (discount 25%)

(ii)50or more single journeys in a month from date of payment for all categories of vehicles (discount 33%).

(iii)Pass at Rs.275/- per calendar month for non-commercial vehicle residing within 20 Km from Toll Plaza.

(iv)Commercial Vehicle (excluding those playing under national permit) registered in the District of Toll Plaza (discount 50%)

4.The list of exempted vehicles is as given in the Fee Notification dated 03.12.2010.

5.The vehicle, which is loaded in excess of permissible load, shall pay 10 times the applicable fee rate and remove the excess load to make use of highway.

6.As per Concession Agreement dated 08.04.2013, the Concession Period ends on 31.07.2022.

In case of OMTCapital Cost of the Project is Rs.2948.91Crore out of which Rs.1795.87Crore is recovered. The user fee (toll) rates shall be reduced to 40% on recovery of capital cost.

7.For viewing the fee notification dated 03.07.2013 published in the Gazette, vide NHAI mail dated 04.04.2020 containing approval of annual revised user fee rates and provisions in the Concession Agreement, the website http://nhaitis.org may be visited.

8.Name and address are as under, for any enquiry and/ or giving complaints/ suggestions:

	Concessionaire	Independent Engineer	PIU of NHAI
Name of Representative	Shri Anguluri Satyanarayana	Shri Shailendra Singh	Shri N.N. Giri
Address	M/s PNC Kanpur Ayodhya Tollways Private Limited # B-6/319, VineetKhand, Gomti Nagar, Lucknow-226010, Uttar Pradesh	M/s SA Infrastructure Consultants Private Limited.# B-2/3, Sector-H, LDA Colony, Kanpur Road, Lucknow-226011, Uttar Pradesh	National Highways Authority of India # 3/248,Vishal Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010, Uttar Pradesh
Mobile Nos.:	+91 8573003201	+919839045901	+917073175333

www.readwhere.com

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

अब हर कोई कैद में है

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के अनुसार कोरोना विषाणु (वायरस) या कोविड-19 से दो सौ पांच देश प्रभावित हैं। विषाणु संक्रमण फैलाने वाला एक अतिसूक्ष्म कारक होता है, जो सिर्फ जीवित कोशिकाओं के भीतर ही बढ़ता जाता है। यह जीवाणुओं सहित सभी प्रकार के जीवित रूपों को संक्रमित कर सकता है।

नए विषाणु से होने वाली संक्रमित बीमारी को डब्लयूएचओ ने कोविड-19 नाम दिया है। इसका सबसे पहले पता चीनी डाक्टर ली वेनलियांग ने पिछले साल दिसंबर में लगाया था, जब एक मरीज में 'नए' विषाणु की वजह से संक्रमण का पता चला। चीन की सरकार इस डाक्टर के पीछे पड़ गई और इससे कबूलवा लिया गया कि उसे संक्रमण हो गया है और सात फरवरी 2020 को तैंतीस साल की उम्र में उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद चीनी अधिकारियों ने माफी मांग ली। जिस नए विषाणु का पता उसने लगाया था, वह सौ दिन से भी कम समय में पूरी दुनिया में फैल गया।

कोविड-19 को देश की सीमाओं पर नहीं रोका जा सकता है। इसके लिए राष्ट्रीय सीमाओं का कोई मतलब नहीं है, और यह धर्म, जाति, नस्ल, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करता। दूसरे अर्थों में देखें, तो यह विषाणु भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का सम्मान करता है।

शक्तिहीन नेता

धरती पर सबसे ज्यादा शक्तिशाली मनुष्य (जैसा कि वे कहते हैं) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप असहाय हैं और अपने देश में कोरोना संक्रमित मरीजों की बढ़ती तादाद को देख रहे हैं, जो तीन अप्रैल को दो लाख तेरह हजार छह सौ का आंकड़ा पार गई (दुनिया में सबसे ज्यादा)। यह अनुमान लगाया गया था कि मरने वालों की संख्या एक लाख से दो लाख चालीस हजार के बीच होगी। 'दुनिया की सबसे ताकतवर सेना' कुछ भी कर पाने में असमर्थ है। दुनिया के सबसे अमीर देश की दौलत भी लगता है किसी काम की नहीं रह गई। डॉलर चढ़ा हुआ है, लेकिन 'मजबूत' डॉलर 'कमजोर' यूरो या युआन जैसा ही शक्तिहीन है।

फिर भी, कई शासनाध्यक्ष (चाहे निर्वाचित हों या सत्ता हड़प कर राज करने वाले) अपने देश में राज करना चाहते हैं, न कि अपने नागरिकों की सहमति से शासन करना चाहते हैं। जैसा कि 'बैडलैंड्स' में ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने कहा है- '**और कोई राजा तब तक संतुष्ट नहीं होता, जब तक कि वह हरेक पर राज नहीं कर लेता**'। उसके काम और हथियार आज कितने खोखले नजर आते हैं? जनता पर शासन थोपना, ताउम्र शक्ति, इशारे पर चलने वाली संसदें और अदालतें, आज्ञाकारी एजेंसियां, जासूस, और सबसे ज्यादा व्यापक रूप से बेजा इस्तेमाल किया जाने वाला हथियार राजनीतिक विपक्षियों को महीनों या सालों के लिए बिना आरोप के जेल में डाल देना, सब खोखलापन लिए हुए हैं।

दमनकारी और दमित

आपको तानाशाहों के बारे में याद करना चाहिए। क्या यह विडंबना नहीं है कि पूरी दुनिया एक कैदखाने में तब्दील हो गई है, और दमन करने वाले और दमन का शिकार होने वाले, सब अपने को एक ही कैद में खड़ा पा रहे हैं?

चूंकि आप घरों में बंद हैं, इसलिए आप इस खेल को खेल सकते हैं। अपने लैपटॉप या मोबाइल फोन पर दुनिया के नक्शे को डाउनलोड कर लें। फिर अपने परिवार के किसी सदस्य से एक-एक करके हर देश पहचानने को कहें और यह सवाल पूछें- **क्या इनमें से किसी देश ने बिना किसी आरोप के अपने लोगों को जेल में डाला है?**

यहां आप जो पाएंगे, वह सिर्फ उदाहरण भर हैं। दक्षिण अमेरिका से शुरू करते हैं।

वेनेजुएला- राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कठपुतली न्यायपालिका ने तीस विपक्षी नेताओं की संसदीय सुरक्षा को खत्म कर डाला और ये नेता या तो निर्वासित हैं या फिर जेल में।

अफ्रीका पर आएं, जहां तस्वीर और बदतर है।

इथियोपिया- साल 2018 में अबीय अहमद देश के प्रधानमंत्री बने, इरीट्रिया के साथ शांति समझौता किया और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हुए। 2019 में पूरे साल देश में इंटरनेट बंद रखा। एक एनजीओ ने चौंसठ हत्याओं और कम से कम एक हजार चार सौ मामले जबरन हिरासत के होने के सबूत दिए हैं।

तंजानिया- राष्ट्रपति जॉन मैगुफ्यूली ने विपक्षी सांसदों और पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया, मीडिया संस्थानों को बंद कर दिया और असंतुष्टों का मुंह बंद करने के लिए कानून बना दिए।

यूरोप मिलीजुली तस्वीर पेश करता है। जहां मजबूत लोकतंत्र हैं, तो दिखावे के लोकतंत्र भी।

हंगरी- प्रधानमंत्री विक्टर ओरबन ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अपनी मुट्ठी में कर लिया है। उनकी सरकार ने सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी को बंद करने के लिए मजबूर कर दिया और पहली बार इंटरनेट कर थोप दिया। 30 मार्च को ओरबन ने इमरजंसी कानून पास करा लिया, जो उन्हें ताउम्र आदेश के जरिए शासन करने का अधिकार देता है।

रूस- राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संवैधानिक संशोधन के जरिए अनंतकाल के लिए सत्ता हथिया ली। मास्को में जब हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, तो पुलिस ने डंडों से जवाब दिया, दो हजार से ज्यादा को हिरासत में ले लिया गया, बड़ी संख्या में लोगों को पीटा गया और कइयों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर लिए गए। राजनीतिक विपक्षियों की गिरफ्तारी, पुलिस की हिंसा, बच्चों को हिरासत में लेना और अभिभावकों को धमकाना आम बात हो गई है। देश में इस वक्त दो सौ से ज्यादा राजनीतिक बंदी हैं।

एशिया- यहां स्वतंत्रता का स्तर हर देश में अलग-अलग है। कुछ को तो लोकतंत्र कहा ही नहीं जा सकता।

थाईलैंड- प्रयूत चान-ओ-चा की नई सरकार पिछले साल सत्ता में आई थी। तब से अब तक राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले, मानवाधिकारों के हिमायतियों का लापता हो जाना और आपराधिक कानूनों के प्रावधानों ने अभिव्यक्ति की आजादी के लिए खतरा पैदा कर डाला।

कंबोडिया- इस देश में 2018 में गंभीर दमनकारी माहौल में चुनाव हुए थे, जिसमें मतदाताओं के सामने पसंद का कोई विकल्प नहीं था। प्रमुख विपक्षी दल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया या फिर निर्वासित कर दिया गया था। स्वतंत्र मीडिया और नागरिक समाज के पर कतर दिए गए थे। सत्तारूढ़ पार्टी दोनों सदनों में हर सीट पर विजयी हुई थी।

जीत मानवता की होगी

आप निराश हों, इससे पहले अपने से पूछें कि आखिर हर शक्तिशाली नेता कोरोना वायरस को फैलने से 'रोकने' में क्यों नाकाम है? क्या अंतत महामारी पर मानवता जीत हासिल नहीं कर लेगी? मशहूर तमिल कवि वेरामुथु का ऐसा ही सोचना है और उन्होंने कोरोना वायरस पर अद्भुत कविता लिखी है। यहां उसके एक हिस्से का अनुवाद कर रहा हूं-

परमाणु से भी सूक्ष्म
परमाणु बम से ज्यादा मारक
जो बिना शोर घुसता है
बिना युद्ध नष्ट कर डालता है

इंसान कोरोना को भी
मिटा देगा
महामारी पर
विजय पा लेगा

जब मानवता कोरोना वायरस के खिलाफ यह जंग जीत लेती है, तो मुझे उम्मीद है मानवता तानाशाहों और ऐसा करने-बनने की इच्छा रखने वालों से आजादी भी हासिल कर लेगी।

अकेले हैं तो क्या गम है

शैलेश कुमार

समय बदल रहा है। बदल रहा है जीने का तरीका और सोच। इस बदलते समय और सोच ने कई लड़कियों को जीने का नया ढंग सिखाया है, नए पहलुओं से अवगत कराया है और नया लक्ष्य भी दिया है। यही वजह है कि लड़कियों ने इस बात को समझना शुरू कर दिया है कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य सिर्फ शादी नहीं है, बल्कि जीवन इससे कहीं ज्यादा है।

अकेले रहने के अपने मजे हैं और लाभ भी। शादी से पहले अपने करिअर पर ध्यान देना होता है, अपनी पहचान बनानी होती है, दोस्तों के साथ खूब सारी मस्ती करनी होती है, घूमना होता है और भी बहुत कुछ। अकेली लड़की के जीवन में कई मजे हैं, कई फायदे हैं, जिन्हें सिर्फ वही समझ सकती है जो अकेली हो।

समाज

> जल्दी शादी हो जाने का अर्थ है कि जीवन में नया परिवार ही प्राथमिकता में रहता है। इस तरह आपको अपने माता-पिता, भाई-बहनों को सही तरह से समझने और उनकी मदद करने का मौका भी नहीं मिल पाता। लेकिन एक अकेली महिला के तौर पर आपको अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का पूरा मौका मिलता है।

खुद को समझने का मौका

अकेली लड़कियों की जिम्मेदारी सिर्फ अपने तक होती है। चाहे देर रात की पार्टी में जाना हो या फिर दफ्तर में देर तक रुक कर काम करना हो, उन्हें इस बात की चिंता नहीं होती कि घर पर काम कैसे होगा, खाना कौन बनाएगा या फिर बच्चों की जिम्मेदारी कौन लेगा। अकेले होने का एक फायदा यह भी है कि अगर आपको देर रात तक जागना है या फिर सुबह देर तक सोना है या फिर घर के काम को किनारे कर पूरा दिन आराम करना है तो ऐसे में किसी का डर नहीं होता कि कौन क्या कहेगा? हो सकता है कि अकेली लड़की को कभी-कभी ऐसा लगता हो कि वह खाली समय में बोर हो रही है लेकिन वह समय भी तो अपना और अपने लिए ही होता है।

पैसा सिर्फ अपना

अकेली लड़कियां अपने पैसे को अपने ऊपर खर्च करने के अलावा किसी भी तरह और कहीं भी खर्च कर सकती हैं। इसके लिए उन्हें न तो किसी को जवाब देना होता है, न ही पूछना।

नृत्य सीखना हो या फिर खूब सारी खरीदारी करनी हो या फिर पास या दूर के दोस्तों को महंगा या फिर सस्ता उपहार देना हो या फिर किसी जरूरतमंद की मदद ही क्यों न करनी हो, जवाबदेही सिर्फ अपनी है। कहने का मतलब है कि पैसे आपके हैं, इसलिए आप जो चाहे इन पैसों का कर सकती हैं।

खुद की पहचान

लड़कियों की खुद की पहचान कहां होती हैं! लड़कियों को उनके परिवार के जरिए ही जाना जाता है। जन्म से उनकी पहचान किसी की बेटी, तो शादी के बाद पति की पहचान ही उसकी पहचान बन जाती है। कोई उन्हें फलां की बेटी, तो कोई बहू, तो कोई बहन या पत्नी कह कर बुलाता है। लेकिन अकेली कामकाजी होने का फायदा यह है कि समाज उन्हें उनके नाम से ही जानता है। ऐसे में उन्हें खुद को नए सिरे से जानने का मौका मिलता है कि उनकी जिंदगी किस तरह चल रही है? उन्हें किस बात से खुशी मिलती है और किस बात से नहीं? उन्हें अपने लक्ष्य, सपने और जीवन के मुद्दों को समझने का मौका मिलता है। जीवन को सफलतापूर्वक जीने के लिए ये सारे बेहद जरूरी सवाल हैं, जिनका जवाब जानना भी बहुत आवश्यक है। अकेले रहने के कारण वह खुद को बेहतर ढंग से समझ पाती है और इस बात को भी कि उसे किस तरह का जीवनसाथी चाहिए, चाहिए भी या नहीं। खुद पर भरोसा करने और असुरक्षा को दूर करने के लिए भी उनका अकेली रहना फायदेमंद है। जब आप अकेले रहते हैं तो खुद ही सारा काम करने का मौका मिलता है, चाहे कार की सर्विसिंग करानी हो या फिर घर की मरम्मत। कहने का मतलब यह है कि अपनी काबिलियत को अकेले रहने पर ही बेहतरी से समझा जा सकता है।

दोस्तों को जानने का मौका

कई लड़कियां ऐसा कहती हैं कि अकेले रहने के दौरान जो उनके दोस्त हैं, शादी के बाद भी वे गहरे दोस्त ही रहें। कारण कि अकेली लड़कियों से दोस्ती करना एक-दूसरे पर निर्भर रहने और मजबूत रिश्ते बनाने की कड़ी है। अमूमन देखा जाता है कि महिलाएं एक-दूसरे से प्रतियोगिता करती हैं, लेकिन जब कोई लड़की या महिला अकेली रहती है तो दूसरी महिला से उसके रिश्ते बहन या जान से भी प्यारे दोस्त जैसे बन जाते हैं।

परिवार को जानना

जल्दी शादी हो जाने का अर्थ है कि जीवन में नया परिवार ही प्राथमिकता में रहता है। इस तरह आपको अपने माता-पिता, भाई-बहनों को सही तरह से समझने और उनकी मदद करने का मौका भी नहीं मिल पाता। लेकिन एक अकेली महिला के तौर पर आपको अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का पूरा मौका मिलता है। उन्हें अपनी नजर से समझने का नजरिया भी मिलता है, जो बचपन में संभव नहीं था।

मन माफिक नौकरी

कैसी नौकरी करनी है, नौकरी एक बार बदलनी है या फिर दस बार, उन्हें अपने करिअर को लेकर हर तरह की आजादी मिली हुई होती है। अकेले होने पर अपने करिअर का चुनाव अपनी मर्जी से किया जा सकता है, जो कि शादी के बाद कम ही संभव है। पढ़ाई के लिए दूसरे देश जाना हो या करिअर के लिए, इसके लिए उन्हें किसी और के निर्णय की परवाह नहीं करनी होती है। नौकरी छोड़ कर पढ़ाई करनी है या फिर घर से ही काम करना है, उन्हें इसमे किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।

घूमने की आजादी

अकेली लड़की जहां चाहे वहां घूमने जा सकती है। वीकेंड हो या वीकडेज, उनकी अपनी मर्जी चलती है, जहां मन हो वे वहां जाएं। घूमने जाने के लिए उन्हें किसी से पूछना नहीं, केवल बताना होता है। यही वह समय है, जब नई जगहों पर घूम कर जिंदगी के नए अनुभव बनाए जाते हैं।

चुनौतियों के इस वक्त में

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

एक अरसे से पत्रकार रही हूं, लेकिन पहली बार ऐसा समय देखने को मिल रहा है, जब विश्व के सारे देश एकजुट होकर एक दुश्मन का सामना कर रहे हैं। दुश्मन अदृश्य है और खतरा पूरी मानव जाति को है। जिन लोगों ने दूसरे विश्वयुद्ध को देखा है, वे बताते हैं कि उस युद्ध के बाद पहली बार दुनिया के सामने इतनी बड़ी कठिनाई आई है, जिसका सामना हम सबको मिल कर करने की जरूरत है। मुसीबत की इस घड़ी में जब तबलीगी जमात के मौलाना साद का कोरोना पर दिया गया भाषण सुनने को मिलता है तो यकीन नहीं होता कि ऐसे लोग भी हैं हमारे बीच।

मैंने भाषण को यूटूब पर खोजा आरिफ मोहम्मद का बयान आज तक पर सुनने के बाद। केरल के राज्यपाल ने अपने इस बयान में कहा कि इस भाषण को तबलीगी जमात के मुखिया ने उस सम्मेलन में दिया था दिल्ली स्थित मरकज में, जहां इकट्ठा हुए थे तबलीग के हजारों मौलवी देश भर से और विदेशों से भी। गवर्नर साहब ने कहा कि इस भाषण को यूट्यूब पर सुना है कोई अस्सी हजार लोगों ने और इसमें मौलाना ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मुसलमानों को कोरोना से कोई खतरा नहीं है, सो मस्जिदों में जाकर नमाज पढ़ते रहें और अगर किसी की मौत हो भी जाती है किसी मस्जिद में, तो इससे अच्छी मौत नहीं हो सकती है। यानी फौरन जन्नत नसीब हो जाएगी उनको, जो मस्जिदों में अपनी जान गंवाते हैं नमाज पढ़ते समय।

जब तक मैंने भाषण ढूंढ़ना शुरू किया तब तक गायब कर दिया गया था मरकज की वेबसाइट से और मौलाना साद खुद गायब हो गए हैं, लेकिन मुझे इंडिया टुडे के एक साथी ने ढूंढ़ कर भेजा। सुना इस भाषण को, तो रोंगटे खड़े हो गए। मौलाना कहते हैं कि वायरस से ज्यादा खतरा उन लोगों से है, जो मुसलमानों को मस्जिदों में नमाज पढ़ने से रोकना चाहते हैं। वीडियो पर उनके भाषण के बीच लोगों के खांसने की आवाज सुनाई देती है। इस सम्मेलन से जब मौलवी वापस लौटे अपने घर, तो साथ लेकर गए देश भर के शहरों तक कोरोना, जिसने तीन सौ से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया जिनमें से कुछ लोग मर चुके हैं।

इस लापरवाही की जिम्मेदारी तो तबलीग की जाहिर तौर पर है ही, लेकिन यह भी पूछना जरूरी है कि दिल्ली पुलिस की भी जिम्मेवारी बनती है कि नहीं? अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन था यह, जिसकी इजाजत लेनी पड़ती है गृह मंत्रालय से, सो क्या गृहमंत्री की जवाबदेही भी बनती है कि नहीं? गंभीर सवाल हैं ये, जिनका जवाब अभी तक भारत सरकार से मिला नहीं है। व्यस्त हैं भारत सरकार के आला अधिकारी मीडिया पर प्रतिबंध लगाने में। पिछले सप्ताह मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा और आदेश आया कि प्रतिबंध नहीं लगेंगे, लेकिन मीडिया को जिम्मेदारी से खबरें देनी चाहिए इस महमारी के बारे में।

> आगे की रणनीति तय करना आसान नहीं है दुनिया के राजनेताओं के लिए, क्योंकि इतने बड़े संकट का सामना शायद ही किसी ने पहले किया होगा। लेकिन यह भी सच है कि संकट के समय ही असली परीक्षा होती है नेतृत्व की।

मैं महाराष्ट्र के उसी गांव में हूं जहां थी, जब प्रधानमंत्री ने पूर्ण बंदी का एलान किया इक्कीस दिन के लिए। जबसे यह बंदी शुरू हुई है, गांव में एक भी अखबार नहीं आया है। इस अखबार को ऑनलाइन पढ़ लेती हूं मैं अपने फोन पर, लेकिन जिन लोगों के पास ऑनलाइन जाने की सुविधा नहीं है उनको खबरें मिलती हैं एक-दूसरे से, अफवाहों से। सो, आज खबर है कि मुंबई से कुछ लोग आए थे किसी बारात में और जब वापस मुंबई पहुंचे और बीमार पड़े, तो उनकी जांच की गई करोना के लिए और जांच पॉजिटिव निकली हैं। खौफ-सा फैला हुआ है गांव में इस खबर के बाद, बावजूद इसके कि यह खबर किसी दूसरे गांव से आई है, किसी पड़ोसी जिले से। इस जिले में अभी तक एक भी व्यक्ति कोरोना का शिकार नहीं हुआ है। लेकिन ऐसा कब तक रहेगा?

लोग चाहते हैं कि बंदी इक्कीस दिन बाद समाप्त कर दी जाए, क्योंकि लोग वायरस से नहीं मरेंगे, तो आर्थिक मंदी से मर जाने का खतरा है। इस जिले में बंदी इतनी सख्ती से लगाई गई है कि एक गांव से दूसरे गांव तक भी जाना मुश्किल है। सब दुकानें, सब कारोबार बंद हैं। इस गांव में कमाई होती है अक्सर मुंबई से आने वाले पर्यटकों से, जो आजकल बिलकुल नहीं आ सकते हैं। जिनकी कमाई पर्यटन से नहीं, मछली बेचने से होती है वे भी इन दिनों खाली बैठे हैं, क्योंकि मछुआरे अपना काम-धंधा बंद किए हुए हैं। अभी तक तो किसी न किसी तरह गुजारा कर रहे हैं लोग, लेकिन सब मानते हैं कि इक्कीस दिन बाद अगर प्रधानमंत्री ने फिर से शाम को आठ बजे एलान किया कि रात बारह बजे के बाद बंदी लंबी चलेगी, तो मुसीबत बीमारी से कम और भूखे मरने के डर से ज्यादा होने वाली है।

सब मानते हैं कि समस्या गंभीर है, लेकिन साथ में यह भी मानते हैं कि बंदी लंबी चली तो कई छोटे कारोबार बिलकुल ठप हो जाएंगे। मुंबई से खबर आई है कि छोटे कारोबारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों को भी यही डर सताने लगा है। सो, सब चाहते हैं कि उन जगहों पर जहां संक्रमण ज्यादा फैला है, वहीं बंदी रहे, पूरे देश में नहीं। इस पर निर्णय लेना होगा प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्रियों से सलाह-मशविरा करने के बाद। फैसला अगर लेते हैं बंदी लंबी खींचने की, तो उम्मीद है कि इस बार चार घंटों से ज्यादा समय देंगे, ताकि लोग थोड़ी-बहुत तैयारी कर सकें कर्फ्यू में रहने के लिए।

आगे की रणनीति तय करना आसान नहीं है दुनिया के राजनेताओं के लिए, क्योंकि इतने बड़े संकट का सामना शायद ही किसी ने पहले किया होगा। लेकिन यह भी सच है कि संकट के समय ही असली परीक्षा होती है नेतृत्व की।

नौ बजे नौ मिनट

अठाईस मार्च की शाम 'रिपब्लिक' चैनल का एंकर पहले सरकार के आराम-कुर्सी छाप आलोचकों को नाम ले-लेकर देर तक कोसता और आश्वस्त करता रहा कि यह अच्छी बात है कि कोरोना के मामलों में उछाल नहीं आया!

तीस मार्च तक की खबरें आश्वस्तिमूलक रहीं। लगभग हर चैनल बताने लगा कि यह कोरोना की उठते 'कर्व' को सपाट करने का दौर है!

इस बीच एक अंग्रेजी चैनल पर एक 'ग्लोबल टाउन हाल' की मार्फत एक महादानी को महाज्ञानी बना कर 'लॉक-डाउन' में हमें हमारी चिंता को 'मैनेज' करने के गुर सिखाने के लिए बुला भेजा! अपनी जनता यानी गरीब की जोरू सबकी भाभी!

इन दिनों चैनलों में कोरोना सलाहकारों की अति है। हर चैनल हर रोज नए-नए चेहरे लेकर आ बैठता है और हर बंदा अपनी मौलिकता दिखाने के चक्कर में कुछ का कुछ कहने लगता है, जैसे कि आप बाहर भी निकल सकते हैं, बस कुछ बातों का खयाल रखें!

एक चैनल में एक ने 'सोशल डिस्टेंसिंग' की जगह कोई देसी शब्द न खोज पाने के लिए अपने से अधिक दूसरों को कोसा कि 'सोशल डिस्टेंसिंग' आम आदमी की समझ में नहीं आता, इसीलिए 'सोशल डिस्टेंसिंग' नहीं हो पा रही!

स्वभाव से संभ्रांत अपने चैनल इतने दिन बाद भी 'सोशल डिस्टेंसिंग' के एक हिंदी पर्याय नहीं खोज पाए! क्या हम 'सोशल डिस्टेंसिंग' को 'एक-दूसरे से दूरी बना कर रहना' या 'दूर दूर रहना' या 'अलग अलग रहना' नहीं कह सकते?

कुछ चैनल घरों में बंद लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की भी चिंता करने लगे कि वे क्या करें, क्या न करें। ऐसे अवसरों पर हमेशा ही उपलब्ध बाबा लोग आ जुटे। एक बाबा ने ज्ञान दिया कि बोर होने से न घबराएं, क्योंकि बोर होना प्रतिभाशाली का अधिकार है। क्या कभी भैंस को बोर होते देखा है?

इस बीच एक देशभक्त एंकर ने अंग्रेजी की एक 'फ्रीलांस' पत्रकार को ठोंक लिया, जो कुछ अमेरिकियों से कहलवाती रही कि कोरोना से अपने यहां लाखों मर सकते हैं। फिर उसने अमेरिकी मूल के एक पत्रकार को इस 'फेकरी' यानी 'झूठियतबाजी' के लिए ठोंका, जिसने इलाहाबाद जाने वाले पांच मजदूरों से बात कर लाइन लगा दी कि निर्मला सीताराण के पैकेज पर उनको भरोसा नहीं है!

इसी बीच निजामुद्दीन स्थित 'तबलीगी जमात' के 'मरकज' में शिरकत करने आए हजारों 'इस्लामी स्कालर्स' के बड़े जमावड़े ने चले आते 'लॉक डाउन' और 'सोशल डिस्टेंसिंग' की धज्जियां उड़ा दीं! एंकर, विशेषज्ञ और चैनलों के दर्शक सभी यह देख हैरान-परेशान कि एक ओर पूरा भारत बंदी में घरों में बंद है और दूसरी ओर ये हजारों तबलीगी बंदी और 'सोशल डिस्टेंसिंग' की

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

> चैनलों में कई दिनों तक तबलीगी जमात और मरकज की हरकत से संबंधित नए सवाल छाए रहे। रिपोर्टर आंकड़े दे-देकर बताते रहे कि इन दिनों इनमें से कितने किस-किस शहर में छिपे हैं और ये किसी को पता नहीं कि इस बीच वे कितनों के संपर्क में आए हैं और कितनों को कोरोना का वायरस दिया है?

खुलेआम ऐसी की तैसी कर रहे हैं!

इनको किसने जमा होने दिया? जवाब ढूंढ़ने के लिए सारे चैनल निजामुद्दीन स्थित 'मरकज' की इमारत के आगे लग गए। एक के बाद एक बसों में तबलीगियों को ले जाया गया और उसके बाद देखते-देखते कोरोना की महामारी भी 'हिंदू-मुसलमान' हो गई।

चैनलों में तबलीग के मुखिया मौलाना साद के वीडियो पर वीडियो बजने लगे, जिनमें वे तबलीगियों को समझाते दिखते थे कि यह कोरोना इस्लाम के खिलाफ साजिश है, इनका इरादा मुसलमानों को अलग-थलग करने का है। 'लॉक-डाउन' को हराओ। कोरोना फैलाओ।

चैनलों में कई दिनों तक तबलीगी जमात और मरकज की हरकत से संबंधित नए सवाल छाए रहे। रिपोर्टर आंकड़े दे-देकर बताते रहे कि इन दिनों इनमें से कितने किस-किस शहर में छिपे हैं और ये किसी को पता नहीं कि इस बीच वे कितनों के संपर्क में आए हैं और कितनों को कोरोना का वायरस दिया है?

बहरहाल, शुक्रवार की सुबह पीएम का दस-बारह मिनट का एक 'मोटीवेशनल' वीडियो चैनलों में आया, जिसमें उन्होंने 'लॉक डाउन' को सफल बनाने वाले एक सौ तीस करोड़ देशवासियों की एकजुटता की प्रशंसा करते हुए पांच अप्रैल रविवार की रात नौ बजे नौ मिनट के लिए, 'सोशल डिस्टेंसिंग' का ध्यान रखते हुए, अपने घरों के दरवाजों या खिड़कियों पर आकर दीया, मोमबत्ती या मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाने और इस तरह 'अंधेरे से उजाले की ओर जाने' यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का आग्रह किया!

लेकिन 'अंधेरे से उजाले की ओर जाने' का पीएम का यह संदेश भी निंदकों को निंदनीय लगा!

www.readwhere.com

किताबें मिलीं

निःशब्द

साहित्यकार-कवि वृंद को इस मंथन के दौर से दो-चार होना ही पड़ेगा कि अक्षर अंकुरित-प्रस्फुटित शब्द 'निःशब्द' कैसे? विचारणीय है कि शब्द की अवस्था को प्राप्त शब्द प्रस्फुटन के पश्चात सशब्द अभिव्यक्ति कर समाज को आईना दिखाने में सफल कैसे? 'निःशब्द' के माध्यम से आजाद ने इसमें सफलता पाई है। वह युग इतिहास के पन्नों में सिमट चुका है, जब शब्दों के विस्फोट से सत्ता-सिंहासन हिल जाते थे। समाज में वैचारिक बहस के ज्वार उठ जाते थे। साहित्य की विभिन्न विधाओं से जुड़े लोग ही नहीं, अन्य सामान्य वर्ग को भी उनकी अनुत्तरित जिज्ञासाओं के सार्थक उत्तर मिल जाया करते थे। शब्द मार्गदर्शक की सफल भूमिका निभाते थे।

'निःशब्द' चित्रित-वर्णित दृश्यावली और संवाद साहित्य से अपेक्षित सामाजिक दर्पण की भूमिका को चिह्नित करते हैं। हिंदू सरयू और मुसलिम मोती के बीच दांत कटी रोटी के संबंध थे। परस्पर अटल विश्वास के आदर्श प्रतीक! सुख-दुख के साथी, एक-दूसरे पर जान छिड़कते थे, किंतु एक समय ऐसा आया, जब सामुदायिक विश्वास-प्रेम पर सांप्रदायिकता का जहर हावी हो गया। अटूट विश्वास, परस्पर समर्पण टूट-बिखर गए। कुछ ऐसा कि मोती के लिए कभी सुरक्षा कवच रह चुके सरयू खून से अपने हाथ रंग लेता है- किसी और के नहीं, मोती के खून से ही।

मोती के विश्वास को रौंद कर सरयू पहले तो अविचलित रहा, किंतु जब मिट्टी पर लकड़ी से लिखे इन शब्दों पर नजर पड़ी- 'ये क्या किया सरयू मेरे दोस्त। जाओ मैंने तुझे माफ किया', तो सरयू ही नहीं पूरा हिंदू समुदाय विचलित हो उठा। अचानक मौत की गति में पहुंच चुका मोती सरयू को जाते-जाते माफ कर चुका था।

'निःशब्द' एक संदेश है वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक वातारण में घोली जा रही सांप्रदायिक जहर के प्रणेताओं के लिए। बताया गया है कि खून का रंग तो एक ही होता है- लाल। इनमें फर्क नहीं होता। हो भी नहीं सकता। फिर जाति-जाति, धर्म-धर्म में फर्क कैसा? आस्थाओं के बीच कोई होली-दिवाली मनाता है तो कोई ईद-बकरीद। कोई सरयू के रूप में तो कोई मोती के रूप में।

'निःशब्द' के माध्यम से लेखकीय अपेक्षा कि सरयू-मोती के मध्य परस्पर विश्वास की नींव को ध्वस्त करने संबंधी सोच को ही नींव के नीचे स्थायी नींद दे दी जाए।

'निःशब्द' साहित्य से अपेक्षित प्राचीन सामाजिक दायित्व की भूमिका का स्मरण दिलाता रचनाकारों के लिए भी प्रेरक है। हां, सामाजिक दायित्व आज भी समाज का दर्पण ही है। पाठकों के लिए स्वस्थ, स्वच्छ, प्रेरक और मार्गदर्शक है, तो रचनाकारों के लिए दायित्व-बोध का मेरुदंड भी।

निःशब्द : एआर 'आजाद', दूसरा मत प्रकाशन, 81-बी, सैनिक विहार, फेज-2, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली; 325 रुपए।

हवा में फड़फड़ाती चिट्ठी

कथाकार श्रद्धा की कहानियों में बदलते समय की महिला का जीवंत चित्रण मिलता है। गृहस्थ और कामकाजी महिलाओं के स्वप्नों और आकांक्षाओं की गहनता से विश्लेषण करती इस संग्रह की कहानियों का फलक और संरचना मानीखेज है। श्रद्धा ने कहानियों के लिए अपना शिल्प विकसित किया है। कहानियों का विस्तार, विषय का चयन और उनका विकास एक नए कथाकार के लिए हमेशा चुनौती है, लेकिन श्रद्धा ने इसे सघनता से हासिल किया है। उनके यहां विषय-वस्तु की विविधता है। उनकी कहानियों में घर-परिवार की चिंता है, तो आतंक और नक्सल जैसी जड़ जमाती समस्याओं पर भी नजर है। वे बड़ी मार्मिकता से इन पर कलम चलाती हैं। भारतीय ज्ञानपीठ की नवलेखन पुरस्कार से सम्मानित यह कृति निश्चय ही कथाकार के आगे की यात्रा का विस्तार साबित होगी।

हवा में फड़फड़ाती चिट्ठी : श्रद्धा थवाईत; भारतीय ज्ञानपीठ, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली; 220 रुपए।

नागरी लिपि का उद्भव और विकास

लिपि किसी भाषा के लिए ही बनाई जाती है। लिपि विशेष जिस भाषा के लिए बनाई जाए या प्रयुक्त हो, वह उसकी आधार-भाषा होती है। लिपि में उसकी आधार-भाषा के आवश्यतानुसार संकेत होते हैं। इन संकेतों द्वारा उस भाषा के सभी ध्वनिग्रामों, शब्दांशों या वाक्यों को अंकित करना होता है। ध्वनि से वाक्य तक भाषा के 'अवयव' पृथक किए जा सकते हैं। लिपि के संकेत किसी एक अवयव के आधार पर बनाए जा सकते हैं। किसी अवयव के कई बार प्रयुक्त होने पर उसके लिए निश्चित एक ही लिपि-संकेत बार-बार लिखा जा सकता है, अतः वह 'आधार-संकेत' का कार्य करता है। यदि किसी भाषा को ध्वनियों में विभाजित किया गया है, तो ध्वनि उसका 'आधार-अवयव' है। ऐसी अवस्था में आधार-भाषा की प्रत्येक ध्वनि के लिए एक निश्चित संकेत होना चाहिए। ऐसी लिपि की आदर्श अवस्था में एक ध्वनि के लिए एक ही आधार-संकेत होना चाहिए, एक ही ध्वनि की अभिव्यक्ति के लिए एकाधिक संकेतों का प्रयोग नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, एक आधार-संकेत एक ही निश्चित ध्वनि की अभिव्यक्ति के लिए प्रयुक्त होना चाहिए, एकाधिक ध्वनियों के लिए नहीं। यदि आधार-अवयव शब्द है, तो उस भाषा के प्रत्येक शब्द के लिए आधार-संकेत होना चाहिए।

निष्कर्षतः, यदि आदर्श लिपि की कल्पना की जाए, तो उसमें आधार-भाषा में प्रयुक्त ध्वनि-ग्रामों, शब्दांशों, शब्दों या वाक्यों की पूर्ण-सूची के लिए नियत वे सभी आधार-संकेत अवश्य होने चाहिए, जिनसे पूरी भाषा के भाषित को अंकित में परिवर्तित किया जा सके।

यदि किसी लिपि में आधार-संकेत एक ही रूप में न रहकर एकाधिक रूपों में प्रयुक्त होते हैं, तो उस लिपि की 'संकेत-सूची' में संकेतों के सभी रूप सम्मिलित होने चाहिए, तभी वह सूची 'पूर्ण' कहलाएगी। स्पष्ट है कि किसी संकेत के 'मूल रूप' से भिन्न उसका कोई 'विकृत रूप' भी लिपि में प्रयुक्त होता हो, तो वह भी सूची में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

नागरी लिपि का उद्भव और विकास : ओमप्रकाश भाटिया 'अराज'; अनुज्ञा बुक्स, 1/10206, लेन नं. 1ई, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली; 400 रुपए।

खबरनवीसी

वरिष्ठ पत्रकार राजेश सिरोठिया की यह पुस्तक युवा पत्रकारों और पत्रकारिता के छात्रों तथा शोधार्थियों के लिए स्थायी महत्त्व की इसलिए है कि इसमें अकादमिक फ्रेम से बाहर, अनुभूत सत्य को प्रमुख स्थान मिला है। अपने विविधता भरे पत्रकार-जीवन में राजेश सिरोठिया को अपराध, आपदा, राजनीति, विधानसभा, नक्सलवाद और सामंतवाद आदि के साथ ही रिपोर्टिंग के विविधरंगी अनुभव हुए।

इस दौरान वे अनेक प्रमुख राजनेताओ के संपर्क में आए, अनेक साक्षात्कार उन्होंने लिए, अनेक संपादकों के साथ काम करने के अवसर के साथ ही उन्हें जनसंपर्क विभाग के साथ भी सक्रिय व्यवहार का सुदीर्घ अनुभव रहा है।

फील्ड में काम करने के दौरान मिले अनेक प्रकार के अनुभवों को राजेश सिरोठिया ने इस पुस्तक में इस तरह से पिरोया है कि यह एक सरस पठनीय पुस्तक बन गई है। इसे पढ़ते हुए कोई भी नया पत्रकार जहां पत्रकार बनने के गुर सीख सकता है, वहीं, पत्रकारिता का अध्यापन करने वाले भी यह जान सकेंगे कि व्यावहारिक स्तर पर पत्रकारिता में किन संघर्षों से होकर गुजरना होता है। हर रोज एक नई परीक्षा, एक नया दिन। फिर भी उत्साह बरकरार।

खबरनवीसी, आपबीती, आंखों-देखी : राजेश सिरोठिया; सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 500 रुपए।

शख्सियत

आगा हश्र कश्मीरी

जन्म : 3 अप्रैल 1879

निधन : 28 अप्रैल 1935

आगा हश्र कश्मीरी उर्दू के प्रसिद्ध शायर और नाटककार थे, जिन्हें 'उर्दू का शेक्सपियर' भी कहा जाता है। उनके कई नाटक शेक्सपियर के नाटकों का रूपांतरण थे। आगा हश्र का असल नाम आगा मुहम्मद शाह था। उनका जन्म बनारस में हुआ था।

नाटक में थी दिलचस्पी

अरबी, फारसी की आरंभिक शिक्षा और कुरान मजीद के सोलह पारे (अध्याय) कंठस्थ करने के बाद उनका दाखिला एक मिशनरी स्कूल में करा दिया गया। हालांकि उनका मन पढ़ाई में नहीं लगा और उनकी स्कूली शिक्षा अधूरी रह गई। स्वाध्याय से उन्होंने उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी भाषा सीखी थी। बचपन से ही आगा की दिलचस्पी नाटक और शेरो-शायरी में थी।

अठारह साल की उम्र में वे बंबई आ गए। उनका पहला नाटक 'आफताब-ए-मुहब्बत' नाम से 1897 में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने बंबई में 'न्यू थिएटरिकल कंपनी' के लिए एक नाटक लेखक के रूप में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। उन्हें तब प्रतिमाह 15 रुपए मिलते थे। 'मुरीद-ए-शक' कंपनी के लिए उनका पहला नाटक था, जो शेक्सपियर के नाटक 'द विंटर टेल' का रूपांतरण था। यह नाटक बेहद लोकप्रिय रहा, जिसे देखते हुए कंपनी ने उनका वेतन 15 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 40 रुपए प्रतिमाह कर दिया। उन्होंने शेक्सपियर के कई नाटकों का उर्दू में अनुवाद किया, जिनमें 'शहीद-ए-नाज'(अछूता दामन) और 'मेजर फॉर मेजर' (1902) शामिल हैं। यह वह दौर था जब देश में फिल्मों का चलन नहीं था और लोग थिएटर के दीवाने थे। आगा इस दुनिया में आते ही छा गए।

शेक्सपियर को पहनाया भारतीय चोला

आगा हश्र ने शेक्सपियर के जिन नाटकों का उर्दू में अनुवाद किया, उनमें कई की ख्याति आज तक है। यह कहना तो खैर सही नहीं होगा कि आगा शेक्सपियर की आत्मा तक पहुंचने में पूरी तरह सफल रहे, लेकिन उनके पास नाटक को आत्मसात करने का गजब का हुनर था। इसी हुनर की बदौलत आगा हश्र को 'उर्दू के शेक्सपियर' कहा गया।

उन्होंने शेक्सपियर के नाटकों को हूबहू उर्दू में ही नहीं उतारा बल्कि उन्हें भारतीय समाज का चोला पहनाया, जिसके लिए उन्होंने पात्रों के नाम भी भारतीय रखे और नाटकों का अंजाम भी बदल दिया। शेक्सपियर के नाटकों के अनुवाद के अलावा आला हश्र ने कई दूसरे नाटक भी लिखे। 'बिल्व मंगल', 'आंख का नशा', 'रुस्तम व सोहराब' और 'सीता वनवास' 'रामायण' पर आधारित नाटक भी उन्होंने लिखे, जो बेहद लोकप्रिय हुए।

'यहूदी की लड़की'

पारसी थिएटर का जिक्र आते ही आगा हश्र का नाम सबकी जुबान पर आ जाता है। वे पारसी और उर्दू दोनों ही रंगमंचों पर समान रूप से छाए रहे। 'यहूदी की लड़की' उनका बहुचर्चित नाटक है। यह नाटक 1913 में प्रकाशित हुआ था। इस नाटक के माध्यम से यहूदियों पर होनेवाले रोमनों अत्याचार को प्रस्तुत किया गया। कई बार इस पर मूक फिल्म का निर्माण भी किया गया। 1958 में फिल्म 'यहूदी' की पटकथा इसी नाटक पर आधारित है। बिमल रॉय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलीप कुमार, मीना कुमारी और सोहराब मोदी ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

नाटककार के साथ शायर भी बड़े

1912 करियर के अंतिम दिनों में उन्होंनें 'शेक्सपियर थिएटरिकल कंपनी' बनाई, लेकिन लंबे समय तक यह कंपनी नहीं चल सकी। फिर वे उस समय के एक प्रमुख थिएटर 'मैदान थिएटर' से जुड़े, जहां उन्होंने उर्दू नाटकों के साथ गजल की दुनिया में भी खूब नाम कमाया। मशहूर नाटककार के साथ आगा बड़े शायर भी थे। उनकी कई गजलें आज भी शौक से गाई जाती हैं। बाद में वे फिल्म निर्माण में प्रयोग करने के लिए लाहौर चले गए। लेकिन 28 अप्रैल 1935 को फिल्म पूरी होने से पहले ही उर्दू के इस शेक्सपियर का निधन हो गया। ■

स्वाद भी परंपरा भी

शहरी जीवन में हमने अपनी पारंपरिक आहार शैली जानबूझ कर या जिदवश त्याग दी है। इसी का नतीजा है कि हमारा पाचन-तंत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है और जीवन-शैली संबंधी अनेक बीमारियां हमें घेरने लगी हैं। विषाणुओं के हमले सहने की क्षमता कमजोर हुई है। आयुर्वेद में आहार-विहार जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण माना गया है। कब क्या और कितना खाना है, कैसे पकाना है आदि पर ध्यान दिया जाए, तो बहुत सारी बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। जानना जरूरी है कि इस मौसम में मनुष्य का पाचनतंत्र बाकी मौसमों की अपेक्षा काफी मंद रहता है। इसलिए इसमें हल्का भोजन करने या उपवास की सलाह दी गई है। इस बार कुछ ऐसे ही व्यंजन।

दाना-पानी

मानस मनोहर

पौष्टिक खिचड़ी

बहुत सारे लोग खिचड़ी के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ना शुरू कर देते हैं। मगर यह जानना जरूरी है कि खिचड़ी सेहत की दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण आहार है। भारतीय भोजन चक्र में हफ्ते में एक दिन रात को खिचड़ी जरूर खाने की परंपरा रही है। आज भी गांव-देहातों में बहुत सारे घरों में शनिवार की रात को खिचड़ी खाने का रिवाज है। खिचड़ी सुपाच्य होती है, इसलिए पूरे हफ्ते गरिष्ठ भोजन करने से पाचनतंत्र को जो मेहनत करनी पड़ती है, इसे खाने से उसे कुछ आराम मिलता है।

चिकित्सा की सभी पद्धतियां कहती हैं कि भोजन करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि जो कुछ खा रहे हैं उसे अच्छी तरह पच जाना चाहिए, नहीं तो अनपचा भोजन अंतों में जमा होकर सड़ता और विष पैदा करता है। फिर जिस मौसम में पाचनतंत्र मंद हो, उसमें गरिष्ठ भोजन करेंगे, तो उसके न पचने और सड़ कर विष बनने का खतरा अधिक रहता है। इसीलिए इस मौसम में नवरात्र के दौरान नौ दिन उपवास करने को कहा गया है। अगर उपवास नहीं कर रहे हैं, तो हल्का और सुपाच्य भोजन लिया जा सकता है। ऐसे में खिचड़ी उपयुक्त आहार है।

इसके अलावा जब किसी प्रकार के विषाणु या जीवाणु के संक्रमण का खतरा हो, तब सबसे जरूरी चीज है पेट को साफ और हल्का रखना। पाचनतंत्र ठीक रहता है, तो संक्रमण को झेलने की शक्ति बढ़ जाती है। इसलिए बीमार आदमी को अंग्रेजी अस्पताल वाले भी खिचड़ी खिलाते हैं। इसलिए खिचड़ी से परहेज क्यों? कोरोना विषाणु के इस खतरे में खिचड़ी खाएं और स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।

कई लोगों को लगता है कि खिचड़ी खाने से उन्हें उचित पोषण नहीं मिल पाएगा। यह एक गलत धारणा है। खिचड़ी से शरीर को उचित ऊर्जा मिल जाती है, इसलिए चाहें तो रोज रात के भोजन में खिचड़ी का सकते हैं। हां, जिन लोगों को शहरी खानपान की लत लग चुकी है, उन्हें खिचड़ी बेस्वाद लग सकती है, इसलिए उनकी स्वाद तंत्रिका को ध्यान में रखते हुए खिचड़ी में कुछ प्रयोग किए जा सकते हैं, जिससे उनका पोषण संबंधी भ्रम भी दूर हो जाएगा। यो खिचड़ी बनाना कोई जटिल काम महीं है। कुकर के इस जमाने में तो बिल्कुल नहीं। चार लोगों के खिचड़ी बनाने के लिए एक सामान्य आकार की कटोरी भर चावल लें और इतनी ही मात्रा में मूंग की दाल ले लें। मूंग दाल छिलके या बिना छिलके वाली कोई भी ले सकते हैं। इन दोनों को अच्छी तरह धो लें और आठ से दस कटोरी पानी डालें। फिर पोषण और स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें लौकी, चुकंदर, बीन्स, चौलाई में से जो सब्जी अपको पसंद हो, उसे काट कर डाल सकते हैं। चाहें, तो सभी सब्जियां साथ काट कर एक से दो कटोरी भर डाल सकते हैं। पालक न डालें। फिर आठ-दस दाने काली मिर्च के अवश्य डालें। कोरोना से लड़ने में काली मिर्च बहुत कारगर मसाला है। अब इसमें दो चुटकी हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी और स्वाद के मुताबिक नमक डाल कर कुकर में दो से तीन सीटी आने तक पकाएं। भाप शांत हो जाए तो कुकर को खोलें और उसमें अदरक और हरा धनिया बारीक काट कर मिलाएं और परोसें। खाने से पहले आधा नीबू का रस निचोड़ें और खाएं।

चोखा

जब खिचड़ी बनाई है, तो उसके साथ चोखा भी बना लें, दोनों का मेल बहुत अच्छा होता है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश में चोखा खूब खाया जाता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें न तो किसी तरह का छौंक लगाने की जरूरत होती है और न तलने, मसाले वगैरह डालने की। नवरात्र के दिनों में बहुत सारे घरों में छौंक-तड़का नहीं लगता, उसमें चोखा सब्जी का उत्तम विकल्प होता है। इसे यों भी खाएं, यह स्वाद और सेहत की दृष्टि से बहुत उत्तम आहार है।

चोखा बनाने के लिए उबले हुए आलू, बैगन और टमाटर की जरूरत होती है। इसमें धनिया, कच्चा लहसुन और अदरक भरपूर मात्रा में डाला जाता है। चार लोगों के खाने के लिए चार सामान्य आकार के आलू, एक बड़ा गोल बैगन और चार सामान्य आकार के टमाटर पर्याप्त होंगे।

आलुओं को उबाल कर छिलका उतार लें। बैगन में छेद करके गैस की धीमी लौ पर पलट-पलट कर तब तक पकाएं जब तक वह अच्छी तरह सिकुड़ न जाए। इसी तरह टमाटरों को भी गैस की धीमी लौ पर सिकुड़ने तक पलट-पलट कर पका लें। इन्हें उतार कर एक प्लेट में रखें और ऊपर से एक बड़े कटोरे से ढंक दें। इस तरह भाप से इनके छिलके अलग हो जाएंगे और उतारना आसान हो जाएगा। तब तक इसमें डालने के लिए सात-आठ लहसुन की बड़ी कलियों और करीब दो से तीन इंच अदरक को छील कर बारीक काट लें। चार-पांच हरी मिर्चें और खूब सारा हरा धनिया पत्ता भी साफ करके काट लें। इन सारी चीजों को छिले हुए आलुओं के साथ रख लें। अब टमाटर और बैगन का छिलका उतार कर आलुओं में डालें। जरूरत भर का नमक डालें। साथ में एक छोटा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच कलौंजी भी डालें। पारंपरिक चोखे में सरसों का कच्चा तेल डाला जाता है। अगर आपको इसकी झांस पसंद नहीं, तो आलिव आयल डाल लें। इसकी मात्रा दो से तीन खाने के चम्मच बराबर रख सकते हैं। अब सारी चीजों को हाथ से मसलते हुए अच्छी तरह मिलाएं, जैसे भर्ते को मसल कर एक सार कर लेते हैं, उसी तरह। चोखा तैयार है। खिचड़ी के साथ इसका मेल बहुत अच्छा रहता है। यों चावल-दाल के साथ भी खा सकते हैं। ■

सेहत

सेहत की हो गरज तो रहें बाजार के खाने से दूर

कोरोना महामारी के कारण देश में पूर्णबंदी चल रही है। लोग केवल जरूरी सामान खरीदने के लिए घरों से बाहर आ रहे हैं। वहीं देखने में आ रहा है कि जहां लोग ब्रेड, बिस्कुट, स्नैक्स के एक-दो पैकेट खरीदते थे, वहीं अब वे इसकी खरीदारी ज्यादा कर रहे हैं। डॉक्टर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं। ऐसे में पैकेट वाले खाने का सेवन करना कितना उचित है। जाने इस बारे में विशेषज्ञ डॉक्टरों की राय-

बीमारियों का खतरा

डाइटीशियन निधि साहनी का कहना है कि यह समय इम्युनिटी बढ़ाने का है। लॉकडाउन के समय में चिप्स या बिस्कुट जैसी चीजें खाना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। हालांकि कभी-कभीर केवल स्वाद बदलने के लिए इसे थोड़ी मात्रा में लिया जा सकता है। लेकिन इसे रोज या ज्यादा खाना सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। कारण कि इनमें कई हानिकारक या अस्वस्थकारी चीजें जैसे कि वसा, उच्च स्तर के प्रोसेस्ड फाइबर, काबोर्हाइड्रेट, सोडियम, काफी मात्रा में चीनी (शुगर) और नमक होता है। इन्हें खाने से मोटापा, मधुमेह और गैस्ट्रिक जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए ऐसी चीजों को खाने से परहेज करना चाहिए।

अगर आप दिनभर मुंह चलाना ही चाहते हैं तो मौसमी फल, सब्जियां, नट्स और सीड्स (बीज) जैसी चीजों को खाएं। जो न सिर्फ आपके शरीर को पोषण देंगे बल्कि आपकी इम्युनिटी को भी बढ़ाएंगे।

ठंडा पानी न पिएं

कोरोना महामारी के बीच सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब देखा जा रहा है जिसमे गरम पानी पीने से कोरोना विषाणु मर जाता है या गले से पेट में पहुंच जाता है, जहां पेट में मौजूद अम्ल उसे खत्म कर देता है। हालांकि इस बारे में प्रामाणिक तरीके से अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है कि ठंडा या गरम पानी का कोरोना पर कोई फर्क पड़ता है कि नहीं।

किसी भी तरह के वायरल इंफेक्शन यानी विषाणु से संक्रमण में डॉक्टर ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं। दरअसल, ज्यादा पानी पीने से विषाणु शरीर से मूत्र द्वारा बाहर निकल जाते हैं। इसी वजह से पानी पीना अच्छा है। अभी तक किसी अध्ययन से भले यह सिद्ध न हुआ हो कि ठंडा पानी पीने से कोरोना वायरस बढ़ सकता है, फिर भी इसे सेहत के लिहाज से एक अच्छी आदत के तौर पर अपनाना चाहिए।

अभी मौसम बदल रहा है। सो ठंडा पानी या कोल्ड ड्रिंक से गले की खराश या सर्दी-जुकाम हो सकता है। इसलिए अभी ठंडी चीजों को न कहना सीखें।

ठंडा और बासी न खाएं

ठंडा या दो-तीन दिन का बासी खाना कभी भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। अगर आप रात या सुबह के खाने को फ्रिज में रख कर खाते है तो फ्रिज में रखने के कारण भोजन में मौजूद जरूरी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। साथ ही खाने के स्वाद में भी बदलाव आ जाता है। इतना ही नहीं, बासी खाने में बहुत सारे सूक्ष्म जीव या रोगाणु विकसित हो जाते हैं जो भोजन से जन्म लेने वाली बीमारियों को जन्म देते हैं। जैसे बुखार, अतिसार, उल्टी, दस्त, पेट में दर्द आदि। इसलिए फ्रिज में रखा भोजन खाना ठीक नहीं है। बेहतर है कि रोजाना ताजा और पोषक युक्त आहार ग्रहण किया जाए।

पहले से तैयार भोजन से बचें

निधि साहनी कहती हैं कि पहले से तैयार (रेडी टू ईट) बिल्कुल हेल्दी नहीं है, क्योंकि इस तरह का खाना उच्च स्तर पर प्रोसेस्ड कर बनाया जाता है। इस तरह के भोजन में केवल कैलोरी होती है इनमें कोई भी पोषक तत्व नहीं होता है।

इस तरह के खानों में उच्च स्तर के प्रिजर्वेटिव, फ्लेवर, शुगर, नमक, उच्च स्तर के सैचुरेटेड फैट, वो भी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है जो आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। यही नहीं आगे चलकर इससे मोटापा, कैंसर या दिल की बीमारियां भी हो सकती हैं।

खाएं, वह जिससे बढ़े प्रतिरोधक क्षमता

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए रोजाना ऐसे आहार का सेवन करें जिनमे उच्च स्तर के पोषक तत्व मौजूद हो। जैसे विटामिन सी युक्त आहार। नींबू, आबंला, संतरा, मौसमी, आदि में विटामिन सी होता है, जो हमारी इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है।

विटामिन ए और विटामिन सी युक्त आहार में भी इम्युनिटी बढ़ाने की क्षमता होती है। जैसे पपीता, नट्स आदि। अदरक और लहसुन में एंटी इन्फ्रामलट्री गुण मौजूद होता है जिसे गले की खराश में आराम मिलता है। अदरक को दो-तीन मिनट तक पानी में उबाल कर पीने से गले की खराश में आराम मिलता है। सुबह में पानी के साथ अदरक चबाने से भी गले की खराश से बचा जा सकता है। साथ ही इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। बीज और नट्स में अच्छा फैट पाया जाता है जिसकी वजह से इम्युनिटी मजबूत होती है। ■

www.readwhere.com

जमात से जुड़े लोगों के संक्रमित होने के बढ़ते मामले नई चुनौती बने

जयपुर, 4 अप्रैल (भाषा)।

भीलवाड़ा शहर एवं जयपुर के रामगंज इलाके के बाद तबलीगी जमात से जुड़े लोगों के संक्रमित होने के बढ़ते मामले राज्य के स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए नई चुनौती बन गए हैं। राज्य में तबलीगी जमात के सदस्यों और उनके संपर्क में आए लोगों के कोरोना विषाणु संक्रमित होने के कम से कम 41 मामले अब तक सामने आ चुके हैं। पूरे राजस्थान में कोरोना विषाणु संक्रमण के कुल मामलों की संख्या शनिवार दोपहर तक 198 हो गई।

राज्य में तबलीगी जमात से जुड़े लोगों या उनके संपर्क में आए लोगों के कोरोना विषाणु संक्रमित पाए जाने के मामले तेजी से सामने आए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि नई दिल्ली के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर या मरकज के आसपास के इलाके से यहां आए या इन लोगों के संपर्क में आए 700 से ज्यादा लोग राजस्थान में हैं। मरकज से लौटे तबलीगी जमात के चार लोगों के संक्रमित होने का पहला मामला बुधवार को टोंक में सामने आया था। इसके बाद शनिवार सुबह तक ऐसे 41 लोग सामने आ चुके हैं। इनमें तबलीगी जमात के सदस्यों के अलावा उनसे संपर्क में आए लोग भी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के 33 में से 18 जिलों में अब तक कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं। इनमें भी टोंक, भरतपुर, धौलपुर, दौसा और बीकानेर ऐसे जिले हैं जिनमें सामने आए पहले मामले तबलीगी जमात के सदस्यों से जुड़े हैं।

राजस्थान पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) खुफिया उमेश मिश्रा ने कहा, 'हमने अब तक जमात से जुड़े 703 लोगों को चिह्नित किया है। इनमें दिल्ली में मरकज में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए लोग और उन लोगों के संपर्क में आए व्यक्ति शामिल हैं। इस तरह के और लोगों को चिह्नित करने का काम लगातार चल रहा है।' उन्होंने कहा, 'इन 703 लोगों में से 381 दूसरे राज्यों के और 10 नेपाल के हैं। इस तरह के लोगों को घर पर पृथक कक्ष में रखा गया है या अस्पतालों में पृथक कक्ष में रखा गया है। जमात से जुड़े लोगों की उपस्थिति और आवागमन चुरू, झुंझुनू, सीकर, अलवर, भरतपुर और टोंक जिले के मुस्लिम बहुल इलाकों में ज्यादा देखा गया है। हनुमानगढ़, गंगानगर, करौली, जोधपुर, बाड़मेर, जयपुर और दौसा में भी ये लोग मिले हैं।' मुख्य सचिव डीबी गुप्ता ने कहा, 'हमारे लिए शुरुआती चुनौती भीलवाड़ा था लेकिन उसके बाद जयपुर के रामगंज में विषाणु संक्रमण के मामले अचानक बढ़ गए। अब तबलीगी जमात से जुड़े लोगों के मामले नयी चुनौती बन गए हैं। ऐसे मामलों की शुरुआत टोंक से हुई जहां पहले ही कर्फ्यू लगा है और लोगों को चिह्नित किया जा रहा है।' राजस्थान में अब तक कोरोनो विषाणु संक्रमण के सबसे अधिक 55 मामले जयपुर से हैं जिनमें से 13 लोग तबलीगी जमात के सदस्य हैं।

जमात के लोगों ने गुनाह किया है : श्रीकांत शर्मा

मथुरा, 4 अप्रैल (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कोरोना संक्रमण के खतरे के बीच दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात की धार्मिक सभा आयोजित किए जाने की आलोचना की और इसे शर्मनाक करार दिया।

शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजकों को सजा भुगतनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब सारी दुनिया जानलेवा महामारी के संकट से गुजर रही है और देश में लागू बंद के बीच तमाम मुश्किलें सहकर भी करोड़ों लोग सरकार के निर्देशों का अनुपालन कर अपनी और अपने लोगों की जान बचाने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में, कुछ लोगों ने मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम के नाम पर सभी कायदे-कानूनों को धता बताते हुए देश भर के लोगों को खतरे में डाल दिया।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत शर्मनाक है। पहला गुनाह यह है कि आपको जानकारी थी, इसके बावजूद आप निजामुद्दीन मरकज में इकट्ठा हुए। दूसरा गुनाह यह है कि आप बीमार थे, आपको जानकारी थी, फिर भी वहां से भागने की कोशिश की गई और देश के अलग-अलग शहरों में जाकर छुप गए।' शर्मा ने कहा, 'आपको पकड़ा गया और डॉक्टरों ने आपकी जांच की और आप संक्रमित पाए गए।

कांग्रेस नेता ने भर्ती नियमावली में संशोधन का स्वागत किया

जम्मू, 4 अप्रैल (भाषा)

स्थानीय राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद शुक्रवार रात को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (राज्य के कानूनों को अंगीकार) आदेश 2020 की संशोधित गजट अधिसूचना जारी की गई और इस केंद्रशासित प्रदेश की नौकरियां स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित कर दी गई।

जम्मू कश्मीर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इस केंद्रशासित प्रदेश में सभी सरकारी नौकरियां स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित करने के लिए जम्मू कश्मीर भर्ती नियमावली में संशोधन किए जाने का शनिवार को स्वागत किया।

जम्मू कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री जीएम सरूरी ने हालांकि सरकार से राज्य का दर्जा बहाल करने की स्थानीय निवासियों की मांग को भी पूरा करने की अपील की।

केंद्र ने दो दिन पुराने अपने आदेश में संशोधन किया है और जम्मू कश्मीर में सभी सरकारी नौकरियां इस केंद्रशासित प्रदेश के निवासियों के लिए आरक्षित कर दिया है। ऐसे लोग राज्य के निवासी समझे जाएंगे जिन्होंने कम से कम 15 साल इस केंद्रशासित प्रदेश में गुजारे हैं।

बुधवार को स्थानीय निवासियों के लिए नियम तय करते हुए सरकार ने समूह चार तक की नौकरियां ही उनके लिए आरक्षित की थी। समूह चार पुलिस में कांस्टेबल और सरकारी दफ्तरों में मल्टीटास्किंग कर्मचारी आते हैं।

लापता साद ने कहा, मरकज खुलने के बाद देंगे जवाब

पेज 1 का बाकी

बाद से वे फरार हैं। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में स्थित तबलीगी जमात के मरकज में नियमों का उल्लंघन कर भीड़ जुटाने के आरोपी मौलाना साद का बयान आने के बाद अपराध शाखा उसके शागिर्दों की तलाश के लिए दिल्ली में छापेमारी शुरू कर दी है। मौलाना साद ने कहा है कि वो अभी पृथक केंद्र में हैं और अभी मरकज बंद है। लिहाजा, जब मरकज खुलेगा तब बाकी सवालों के जवाब देंगे। बताते चलें कि दो अप्रैल को मौलाना साद ने अपना ऑडियो जारी किया था, जिसमें बताया था कि वे पृथक केंद्र में हैं। उन्होंने अपने समर्थकों और मुसलमानों से सरकारी आदेश का पालन कर भीड़ इकट्ठा नहीं करने की अपील की

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंत्रिपरिषद की बैठक लेंगे मोदी

पेज 1 का बाकी

निपटने से जुड़े विविध आयामों और देशबंदी को प्रभावी बनाने के बारे में चर्चा होगी। कोरोना संकट से निपटने में विपक्षी दलों को भी साथ लेने की पहल करते हुए प्रधानमंत्री आठ अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये लोकसभा और राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ संवाद करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री आठ अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संसद के दोनों सदनों में उन दलों के नेताओं के साथ संवाद करेंगे जिनके संसद में पांच से अधिक सांसद हैं। इस बैठक में कोरोना संकट से जुड़े विभिन्न मुद्दों और देशव्यापी बंदी पर चर्चा हो सकती है।

देशबंदी लागू होने के बाद प्रधानमंत्री का विपक्षी दलों के साथ यह पहला संवाद होगा। हालांकि, प्रधानमंत्री ने कोरोना संकट पर दो अप्रैल को देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संवाद किया था। इस बैठक के लिए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद के अलावा तृणमूल कांग्रेस, बसपा, द्रमुक, बीजद, टीआरएस सहित कई अन्य दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। बहरहाल, सूत्रों ने बताया कि इसमें बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीत पार्टी के डेरेक ओ ब्रायन व सुदीप बंदोपाध्याय के शामिल होने की संभावना नहीं है।

चौबीस घंटे में 13 लोगों की मौत

पेज 1 का बाकी

तमिलनाडु में 411 मामले हैं। दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या 445, केरल में 295, राजस्थान में 200 और उत्तर प्रदेश में 174 हो गई है। आंध्र प्रदेश में अब तक 161 और तेलंगाना में 159 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। कर्नाटक से 128, मध्य प्रदेश से 104, गुजरात से 105 जबकि जम्मू-कश्मीर से 75 मामले सामने आए हैं। पश्चिम बंगाल में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 69 हो गई है। पंजाब में 57 और हरियाणा में 49 लोग कोरोना विषाणु संक्रमण से ग्रस्त हैं। बिहार में 30, असम में 24, चंडीगढ़ में 18, उत्तराखंड में 16 और लद्दाख में अब तक 14 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से 10 मामले सामने आए हैं। छत्तीसगढ़ से नौ, गोवा से सात, हिमाचल प्रदेश से छह मामले सामने आए हैं। ओड़ीशा और पुडुचेरी में पांच-पांच लोग संक्रमित हैं। झारखंड और मणिपुर में दो लोगों में जबकि मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति संक्रमित है।

प्रतिदिन 10 हजार जांच शुरू हुईं

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के तहत देश में करीब 130 सरकारी और 50 से अधिक निजी प्रयोगशालाएं कोरोना विषाणु संक्रमण की जांच कर रही हैं। देश में अब प्रतिदिन 10 हजार जांच होनी शुरू हो गई हैं जबकि शनिवार तक कुल 75000 जांच हुई थीं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने बताया कि हमने समय और परिस्थितियों के मुताबिक प्रयोगशालाओं की संख्या में बढ़ोतरी के साथ जांच के दिशानिर्देशों में भी बदलाव किया है और यह आगे भी जारी रहेगा।

31 हजार सेवानिवृत्त डॉक्टर आगे आए

लव अग्रवाल ने बताया कि कोरोना विषाणु की लड़ाई में देश का साथ देने के लिए सरकारी, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं, सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से सेवानिवृत्त डॉक्टर और निजी डॉक्टर सहित 31 हजार से अधिक डॉक्टर स्वैच्छिक रूप आगे आए हैं। उन्होंने बताया कि संक्रमण पर नियंत्रण और प्रबंधन की आवश्यकताओं के लिए डॉक्टरों, नर्सों, संबंधित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और अन्य समेत विभिन्न स्तर पर स्वास्थ्य पेशेवर उपलब्ध हैं। कुल 9.70 लाख आशा कार्यकर्ता, एक लाख आयुष पेशेवर, एनसीसी कैडेट, पूर्व सैनिक, रेड क्रॉस/एनएसएस/एनवाईके कार्यकर्ता, ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के कर्मचारी सामाजिक संगठनों की सेवा आवश्यकता पड़ने पर ली जा सकती है। अस्पताल प्रबंधन के अंतर्गत रेजिडेंट/स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और नर्सिंग विद्यार्थियों के पुनर्आबंटन के लिए एक मानक प्रचालन प्रोटोकॉल तैयार किया गया है।

बरेली दरगाह से 200 लोगों को बाहर निकाला

पेज 1 का बाकी

पृथकवास में रहने की हिदायत दी गई।

बड़ी संख्या में पुलिस बल ने दरगाह पहुंच कर उसे खाली कराया। बताया जा रहा है कि ये लोग पिछले दस दिनों से यहां ठहरे हुए थे। दरगाह के मुतवल्ली वाजिद अली ने बताया कि दरगाह में राजस्थान और मध्यप्रदेश समेत कई जगहों के करीब 200 लोग दस दिनों से मौजूद थे।

उन्होंने दावा किया कि जब जनता कर्फ्यू लगा तो उसके अगले दिन 23 मार्च को उन्होंने बारादरी थाने में पत्र लिख कर दरगाह में मौजूद लोगों को उनके घर भिजवाने का अनुरोध किया था, लेकिन किसी ने इस बात का संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात एसपी सिटी रविन्द्र कुमार, एएसपी अभिषेक वर्मा और एडीएम ने थाना बारादरी पुलिस के सहयोग से दरगाह को खाली करवाया।

पुलिस अधिकारी अभिषेक वर्मा ने बताया कि दरगाह पर लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। यहां पर करीब 200 से अधिक लोग मौजूद थे जिन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच करवा कर निजी वाहनों से उनके घरों में भेज दिया है। इन लोगों को अपने-अपने घरों में पृथक रहने को कहा गया है।

साथ ही एएसपी ने वाजिद अली के उस दावे को भी खारिज किया जिसमें उन्होंने कहा था कि दरगाह खाली कराने के लिए उन्होंने 23 मार्च को एक चिट्ठी लिखी थी।

झारखंड में मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

पेज 1 का बाकी

गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद हुई मुठभेड़ में तीन कट्टर माओवादी मारे गए जबकि अन्य घने जंगलों में भाग निकले। उनकी तलाश की जा रही है। सिंह ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से तीनों माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। वहां से कुछ राइफलें, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के कपड़े, किताबें और अन्य सामग्री भी बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ की 94वीं बटालियन का एक जवान भी घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी है लेकिन वह खतरे से बाहर है। सिंह ने बताया कि शेष नक्सलियों की पूरे इलाके में तलाश की जा रही है और सुरक्षा बलों को भेजा गया है।

ताला लगी मस्जिद में छिपे थे 11 तबलीगी

पेज 1 का बाकी

एक मस्जिद में छिप कर बैठे हुए 11 लोगों को पकड़ा। इनमें नौ इंडोनेशिया के हैं। पुलिस के अनुसार मस्जिद के गेट पर ताला लगा हुआ था और ये सभी अंदर छिपे हुए थे। पुलिस ने इन्हें पृथक केंद्र में भर्ती कराने के बाद पूछताछ की।

पुलिस के मुताबिक, पुल प्रहलादपुर इलाके के लाल कुआं में जांच के दौरान एक मस्जिद में बाहर से ताला लगा हुआ पाया गया। स्थानीय लोगों के बयान लेने के बाद जांच की गई तो मस्जिद के अंदर 11 लोग मिले, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। फातिमा मस्जिद से निकाले गए लोगों में नौ इंडोनेशिया के नागरिक भी शामिल हैं। दो अन्य लोगों सहित 11 लोगों से पूछताछ में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को पता चला कि ये सभी लोग निजामुद्दीन स्थित मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। तब से इन लोगों को यहीं पर पृथक किया गया था।

महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री ने उठाए सवाल

पेज 1 का बाकी

नहीं बुझाएं।

मंत्री का यह बयान प्रधानमंत्री की अपील के बाद आया है। राउत ने कहा कि यदि सभी बत्तियां नौ मिनट के लिए एक साथ बंद कर दी जाएं तो ग्रिड धराशायी होने के हालात बन सकते हैं और इससे देशभर में अंधेरा छा सकता है।

तबलीग के कारण कोरोना के बढ़ते कदम

पेज 1 का बाकी

मामलों का 33 फीसद है। उन्होंने बताया कि ये संक्रमित 17 राज्यों से संबंधित है जिनमें तमिलनाडु, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना, राजस्थान, असम, कर्नाटक, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश, केरल, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और झारखंड शामिल हैं।

इस दौरान, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य सलिल श्रीवास्तव ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर बड़े पैमाने पर प्रयास करते हुए तबलीगी जमात के सदस्यों और उनके सपर्क में आए लोगों की तलाश की है। देशभर में अब तक तबलीगी जमात के सदस्यों और उनके संपर्क में आए करीब 22,000 लोगों को पृथक वास में रखा गया है।

अग्रवाल ने बताया कि अभी भी संपर्कों को खोजने का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि मान लीजिए अगर एक भी संपर्क हमारे सामने आने से रह गया तो हमारे सामने फिर से इतना ही बड़ी चुनौती आकर खड़ी हो जाएगी।

सरकार ने कहा, ग्रिड को लेकर पूरी तैयारी

पेज 1 का बाकी

प्रधानमंत्री की अपील के बारे में राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों/बिजली सह सचिव को पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है, 'नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर ने उस दौरान ग्रिड के संतुलन के लिए उपाय किए हैं और वे इस बारे में क्षेत्रीय और राज्य लोड डिस्पैच सेंटरों को अलग से सूचना दे रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को देश के नाम अपने संदेश में पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट तक बिजली बंद करने और दीया जलाकर, टार्च या मोबाइल से रोशनी करने की अपील की थी।

रविवार को देश भर में बिजली बंद करने और नौ मिनट बाद जलाने से ग्रिड ठप होने की आशंका जताते हुए कई खबरें आई हैं। राजनीतिक दलों ने भी प्रधानमंत्री की इस अपील को लेकर तीखी टिप्पणियां की हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की 'लाइट बंद' करने की अपील का विरोध किया है। जयराम रमेश ने ट्विटर पर लिखा है, 'ग्रिड और उसके परिचालन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। मुझे उम्मीद है कि इसका समुचित रूप से ध्यान रखा जाएगा।'

मोदी ने ट्रंप से की बात

पेज 1 का बाकी

के साथ टेलीफोन पर विस्तृत बातचीत हुई। हमने एक अच्छी चर्चा की और कोविड-19 से लड़ने के लिए भारत और अमेरिका साझेदारी को पूरी ताकत के साथ इस्तेमाल करने पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन वार्ता की थी। दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस महामारी को लेकर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस में कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के जल्द ठीक होने की कामना की और शुभकामनाएं दीं।

सुरक्षाबलों ने कुलगाम में चार आतंकी ढेर किए

पेज 1 का बाकी

के करीब तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षाबलों के बीच अपने-आप को घिरता देख आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान एक जवान को गोली लगी और वह घायल हो गया। सुरक्षाबलों ने मकान में छिपे आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिनवे नहीं माने। इस बीच आतंकवादियों द्वारा फेंके गए एक ग्रेनेड से निकले छर्रे से दूसरा जवान घायल हो गया।

काफी देर तक चली मुठभेड़ के बाद एक बार फिर सुरक्षाबलों ने आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। जब वे नहीं माने तो सुरक्षाबलों ने पूरे मकान को ही ध्वस्त कर दिया। इस दौरान तीन आतंकवादियों की मौत हो गई। इनकी पहचान शाहिद अहमद निवासी पांबाई, आदिल ठोकर निवासी खुल और एजाज नायकू निवासी चिमर के रूप में हुई। तीनों कुलगाम जिले के ही रहने वाले हैं। ये तीनों आतंकवादी करीब दो सप्ताह पहले कुलगाम में मारे गए चार नागरिकों की हत्या में शामिल थे। मकान में छिपा चौथा आतंकवादी से फरार होने में सफल रहा, लेकिन सेना को समय रहते उसका पता चल गया और कुछ ही घंटों में उसे भी ढेर कर दिया गया। चौथे आतंकवादी की पहचान नहीं हो पाई है।

जमातियों पर कर्मियों से दुर्व्यवहार का आरोप

कानपुर, 4 अप्रैल (भाषा)।

गाजियाबाद के बाद अब कानपुर के एक अस्पताल में भी तबलीगी जमात के सदस्यों पर स्वास्थ्य कर्मियों से अभद्रता करने का आरोप लगा है। कानपुर स्थित लाला लाजपत राय अस्पताल की प्रधानाचार्य आरती लालचंदानी ने शनिवार को बताया कि चिकित्सालय के कुछ कर्मियों ने इल्जाम लगाया है कि पृथक वार्ड में रखे गए कुछ मरीजों ने उनके साथ अभद्रता की है।

उन्होंने कहा कि हाल में दिल्ली से तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शिरकत करके लौटे 22 लोगों को लाला लाजपत राय अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया। वार्ड के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि उन लोगों ने अस्पताल कर्मियों से बदतमीजी की है। आरती ने कहा कि अगर इन लोगों ने अपना रवैया नहीं सुधारा तो इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पृथकवास में अंडे, बिरयानी की फरमाइश

बिजनौर, 4 अप्रैल (भाषा)।

तबलीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कोरोना वायरस से संक्रमित होने के संदेह में बिजनौर के जिला अस्पताल के पृथक वार्ड में रखे गए इंडोनेशिया के आठ नागरिकों सहित 13 लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया और अंडे एवं बिरयानी की फरमाइश की।

सीएमएस के ज्ञानचंद ने बताया कि जिला अस्पताल के पृथक वार्ड में रखे गए आठ इंडोनेशियाई और पांच भारतीय तबलीगी जमात सदस्यों ने सफाईकर्मी से बदतमीजी की और अंडा करी एवं बिरयानी की मांग की।

उन्होंने बताया कि इन लोगों की फरमाइश जब पूरी नहीं की गई तो उन्होंने हंगामा किया। सूचना मिलने पर डीएम रमाकांत पांडेय, एसपी संजीव त्यागी और सीएमओ विजय यादव ने अस्पताल पहुंच कर इन लोगों को समझा बुझा कर मामला शांत किया।

घर पर बने मास्क का करें इस्तेमाल : सरकार

पेज 1 का बाकी

खास तौर पर बचाव के लिए तैयार मास्क पहनने की जरूरत होती है।' इसमें कहा गया, 'यह सुझाव दिया जाता है कि जो लोग किसी स्वास्थ्य विकार से ग्रस्त नहीं हैं या जिन्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं है वे घर में बने फिर से इस्तेमाल हो सकने वाले मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं खास तौर पर तब जब वे अपने घरों से बाहर निकल रहे हों। इससे समुदाय के बचाव में मदद मिल सकेगी।'

परामर्श में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए घर में बने मास्क को लेकर सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की तरफ से जारी एक नियमावली भी है। इस नियमावली में सुझाव है कि 'देश भर में घनी आबादी वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को खास तौर पर चेहरा ढकना चाहिए।'

इसमें कहा गया है, 'घर में बने पुनः इस्तेमाल होने वाले मास्क संक्रमित व्यक्ति द्वारा छोड़े गए हवा में मौजूद कणों को हमारे शरीर के अंदर पहुंचने से रोकने में कुछ हद तक मदद करते हैं लेकिन यह पूरी तरह बचाव नहीं करते।' इसमें कहा गया है कि घर में बने ऐसे मास्क को रोज धोना व साफ किया जाना चाहिए।

नियमावली में समाजिक दूरी बरकरार रखने पर भी जोर दिया गया है। नियमावली के मुताबिक मास्क बनाने के लिए कोई भी सूती कपड़ा इस्तेमाल किया जा सकता है। कपड़े के रंग से कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन यह सुनिश्चित करें कि मास्क बनाने से पहले कपड़े को कम से कम पांच मिनटों तक खौलते पानी में उबाला जाए और फिर अच्छी तरह सुखाया जाए।

इसमें मास्क बनाते समय लोगों से कुछ सावधानियां बरतने को भी कहा गया है। खास तौर पर यह देखने को कहा गया है कि मास्क चेहरे पर पूरी तरह फिट हो और इसमें साइड से कोई खुली जगह न हो।

नियमावली में लोगों से मास्क पहनने से पहले अपना हाथ अच्छे से धोने को कहा गया है। मास्क के गंदा होने पर उसे बदलने और बिना साफ किया दुबारा नहीं लगाने को कहा गया है। इसमें लोगों से अपना मास्क किसी से भी साझा नहीं करने को कहा गया है। हर सदस्य के पास अपना मास्क होना चाहिए।

इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में घनी आबादी वाले स्थानों पर अतिरिक्ति सुरक्षा और सफाई के उद्देश्य से मुंह को ढंकने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मास्क से संबंधित पहले से जारी दिशानिर्देशों में बदलाव नहीं किया गया है। पहले के दिशानिर्देश के मुताबिक मेडिकल मास्क मुख्य रूप से बीमार व्यक्ति, अस्पताल में जाने वाले, बीमार व्यक्ति की देखभाल करने वाले आदि को पहनने की आवश्यकता है।

ट्रंप का भी घर में बने मास्क पहनने का सुझाव

पेज 1 का बाकी

साधारण कपड़े का मास्क पहन सकते हैं जो या तो ऑनलाइन खरीदा गया हो या घर पर बना हो।

राष्ट्रपति ने लोगों से हाथ धोते रहने की भी अपील की है। नए आंकड़ों के आधार पर सीडीसी ने कहा कि यह विषाणु निकटता से बात करते समय, खांसने या छींकने से तेज गति से फैलता है।

वहीं, अमेरिका के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस सामान्य रूप से सांस लेने से भी फैल सकता है। उन्होंने हर किसी को मास्क पहनने की सलाह दी है। अनुभवी अमेरिकी विशेषज्ञ एंथनी फॉसी ने फॉक्स न्यूज को बताया कि मास्क पर दिशानिर्देश बदले जाएंगे क्योंकि हाल ही में सामने आया है कि यह विषाणु तब भी फैल सकता है जब लोग महज बात कर रहे होते हैं।

इस बीच, ट्रंप ने कहा कि मलेरिया के इलाज में दशकों से इस्तेमाल की जा रही हाइड्रोक्सीक्लोरोकीन दवाई के कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज में अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम इस विषाणु के इलाज और रोकथाम में हाइड्रोक्सीक्लोरोकीन और अन्य दवाओं के प्रभाव का अध्ययन करते रहेंगे और अमेरिकियों को अपने अध्ययन के बारे में पूरी तरह सूचित करेंगे।' उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब अमेरिका के संघीय और औषध प्रशासन ने कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज में इस दवा के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी।

हालांकि, कोरोना वायरस पर व्हाइट हाउस कार्य बल के एक शीर्ष सदस्य ने अभी किसी नतीजे पर पहुंचने को लेकर आगाह किया है क्योंकि इस संबंध में जांच अभी चल रही है। वहीं, अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका के अगर वे लाखों लोग भी कोरोना वायरस की चपेट में आ जाते हैं जिनके पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है तो सरकार उन्हें बीमा देगी।

न्यूयॉर्क में हर ढाई मिनट में एक व्यक्ति की मौत

पेज 1 का बाकी

अधिक अमेरिकी शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका के विदेश विभाग की आने वाले दिनों में 70 उड़ानों की योजना है जिसमें हजारों और अमेरिकी नागरिकों को लाया जाएगा।

उधर स्पेन में कोरोना वायरस के संक्रमण से होने वाली मौतों में लगातार दूसरे दिन कमी आई। हालांकि मौतों का आंकड़ा 809 रहा। यह जानकारी सरकार द्वारा शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। इसके मुताबिक स्पेन में गुरुवार को सबसे अधिक 950 लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई थी।

स्पेन में अबतक 11,744 लोगों की मौत हुई है जो इटली के बाद सबसे अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक स्पेन में संक्रमण के नए मामलों में भी कमी आई है और 7,026 नए मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 1,24,736 हो गई है।

www readwhere com

खबर कोना

कोरोना मानव निर्मित या नैसर्गिक, जांच करें संयुक्त राष्ट्र प्रमुख : पाक सांसद

इस्लामाबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान के एक सांसद ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि एक आयोग का गठन किया जाए जो पता लगाए कि कोरोना वायरस मानव निर्मित है या फिर नैसर्गिक रूप से जन्मा है और इसके मूल का पता लगाया जाए। डॉन न्यूज ने खबर दी कि पूर्व गृह मंत्री व पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद रहमान मलिक ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को लिखे पत्र में सुझाव दिया कि कोविड-19 पर प्रस्तावित आयोग में विषाणु विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, शोधकर्ता, विश्लेषक व माइक्रोबायोलॉजी और विषाणु विज्ञान के विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं। वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाता सम्मेलन में पत्र को सार्वजनिक करते हुए मलिक ने कहा कि आयोग को तीन महीने में रपट संयुक्त राष्ट्र महासचिव को पेश करनी चाहिए और भविष्य में इस तरह के विषाणु को फैलने से रोकने के लिए अपने सुझाव देने चाहिए। कोविड-19 पर प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र आयोग के लिए मलिक ने सात विषय संदर्भ भी सुझाए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अप्रैल, मई में होने वाली बैठकें स्थगित

संयुक्त राष्ट्र, 4 अप्रैल (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अप्रैल और मई में होने वाली बैठकें तेजी से बढ़ रही कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर स्थगित कर दी गई हैं, लेकिन सितंबर में होने वाले उच्चस्तरीय वार्षिक महासभा सत्र की तारीखों में बदलाव की अभी कोई योजना नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष के कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि पीजीए तिजानी मोहम्मद बंदे ने तेजी से फैल रही कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर आमने-सामने की बैठकों को बेहद सीमित करने के ताजा निदेर्शों के मद्देनजर अप्रैल और मई में होने वाली महासभा की बैठकें स्थगित करने का फैसला किया है। बंदे ने छह मई को द्वितीय विश्वयुद्ध के समापन के 75 साल पूरे होने के अवसर पर होने वाली पूर्ण बैठक, सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर त्वरित तकनीकी बदलाव के प्रभाव को लेकर प्रगति का जायजा लेने के लिए 11 मार्च को होने वाली उच्चस्तरीय विषयगत चर्चा और 22 मई को उपभोक्ता बाजार पर अनौपचारिक संवाद स्थगित करने का फैसला किया है।

अमेरिका ने पाक में फंसे 294 नागरिकों को निकाला

इस्लामाबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान ने फंसे हुए अमेरिकी नागरिकों को निकाले जाने के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगे प्रतिबंध में ढील दी, जिसके बाद अमेरिकी निजी विमान के जरिए नौ अमेरिकी राजनयिकों समेत 294 लोगों को निकाला गया। पाकिस्तान ने कोरोना वायरस महामारी को काबू करने के मकसद से गत 21 मार्च को सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा दी थी। इसके कारण देशभर में करीब 2,708 लोग प्रभावित हुए। डॉन की खबर के मुताबिक शुक्रवार को विशेष विमान सबसे पहले कराची हवाई अड्डे पर उतरा और फिर इस्लामाबाद गया। कराची से विमान में 119 अमेरिकी नागरिक जबकि इस्लामाबाद से नौ राजनयिक समेत कुल 175 अमेरिकी सवार हुए।

मास्को के पास गैस लाइन में विस्फोट, एक व्यक्ति की मौत

मास्को, 4 अप्रैल (एएफपी)।

मास्को के बाहर शनिवार को रिहायशी इमारत में गैस लाइन में विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार घायल हो गए। यह इमारत पांच मंजिला है। यह विस्फोट ओरेखोवो-जुयवो शहर में हुआ। यह विस्फोट कोरोना वायरस के प्रसार पर काबू पाने की कोशिश के तहत लोगों से घरों के अंदर रहने के आदेश के दौरान हुआ। आपात स्थिति मंत्रालय की प्रवक्ता जन्ना तेराखोवा के अनुसार इमारत का एक हिस्सा पूरी तरह से ढह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि 10 फ्लैट क्षतिग्रस्त हो गए हैं और अधिकारी यह पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि उनमें कितने लोग रहते थे।

नाइजर में हिंसा, चार सैनिक शहीद व 63 आतंकी मारे गए

नियामे, 4 अप्रैल (एएफपी)।

पश्चिमी नाइजर में सेना और 'हथियारों से लैस' लोगों के बीच हुए संघर्ष में चार नाइजीरियाई सैनिक शहीद हो गए जबकि 63 आतंकी मारे गए। नाइजीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि माली के साथ लगने वाली सीमा के पास तिलाबेरी क्षेत्र में गुरुवार को 'भीषण झड़प' के बाद आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल सैनिकों ने हमलावरों को खदेड़ दिया और कई मोटरसाइकिलें और हथियार बरामद किए। तिलाबेरी क्षेत्र माली और बुर्किना फासो दोनों की सीमाओं से करीब है।

श्रद्धांजलि

वुहान में कोरोना विषाणु से मरे लोगों को श्रद्धांजलि देतीं महिला। शनिवार को राष्ट्रपति शी जिंग पिंग के नेतृत्व में देश में तीन मिनट का मौन रखा गया।

परजीवी रोधी दवाई विकसित कोशिकाओं में कोरोना को मारने में सक्षम : अध्ययन

मेलबर्न, 4 अप्रैल (भाषा)।

शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि दुनिया भर में पहले से उपलब्ध परजीवी रोधी दवाई 48 घंटे के भीतर कोशिकाओं में पैदा किए गए कोरोना वायरस को मार सकती है। इस प्रगति से कोरोना वायरस के लिए नई नैदानिक चिकित्सा का रास्ता साफ हो सकता है। यह अध्ययन 'एंटीवायरल रिसर्च' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन के अनुसार दवा 'इवरमेक्टिन' ने वायरस सार्स-सीओवी -2 को 48 घंटे के भीतर कोशिकाओं में बढ़ने से रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय से जुड़े काइली वागस्टाफ ने कहा, 'हमने पाया कि एक खुराक भी 48 घंटों तक सभी वायरल आरएनए को हटा सकती है और 24 घंटे में भी इसमें काफी कमी आती है।' वह अध्ययन के सह-लेखक भी हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि 'इवरमेक्टिन' मान्यताप्राप्त दवा है जिसे एचआइवी, डेंगू, इन्फ्लुएंजा और जीका वायरस सहित विभिन्न वायरसों के खिलाफ प्रभावी माना गया है। वागस्टाफ ने आगाह किया कि अध्ययन में किए गए परीक्षण प्रयोगशाला के हैं और ये परीक्षण लोगों में किए जाने की जरूरत है।

वागस्टाफ ने कहा कि आइवरमेक्टिन व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाती है और इसे सुरक्षित दवा माना जाता है। हमें अब यह पता लगाने की जरूरत है कि मनुष्यों में इस्तेमाल की जाने वाली इसकी मात्रा प्रभावी होगी या नहीं, यह अगला कदम होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे समय, जब हम वैश्विक महामारी का सामना कर रहे हैं और इसका कोई मान्यताप्राप्त उपचार नहीं है, ऐसे में हमारे पास पहले से मौजूद यौगिक जल्द ही लोगों की मदद कर सकता है।

वैज्ञानिकों ने कहा कि इस रोग का मुकाबला करने के लिए 'इवरमेक्टिन' का उपयोग भविष्य के नैदानिक परीक्षणों के परिणामों पर निर्भर करेगा।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री सचिवालय के सामने व्यक्ति ने की खुदकुशी

इस्लामाबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक व्यक्ति ने पुलिस पर अन्याय का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री सचिवालय के सामने अपने शरीर में आग लगाकर जान दे दी।

फैजल अजीज नामक व्यक्ति शुक्रवार को कंस्टीट्यूशनल एवेन्यू पर प्रधानमंत्री सचिवालय के दूसरे नंबर गेट पर पहुंचा। वह मुर्री पुलिस के विरुद्ध नारेबाजी करने लगा और उसने अपने शरीर पर कुछ ज्वलनशील द्रव डाल लिया व आग लगा ली। वह मुर्री का निवासी था। एक पुलिस गश्ती दल उसे बचाने पहुंचा और वह उसे निकट के अस्पताल में ले गया। लेकिन गंभीर रूप से झुलस जाने के कारण के दम तोड़ दिया। बाद में सचिवालय पुलिस थाने के प्रमुख असीम गुलजार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अजीज ने क्षेत्र के प्रभावशाली नेता के खिलाफ मुर्री के थाने में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। गुलजार के अनुसार अजीज ने मरने से पहले पुलिस के सामने बयान दिया कि उसे जान की धमकी मिल रही थी।

अमेरिका ने पत्रकार पर्ल की हत्या के मामले में पाक से न्याय की मांग की

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने शनिवार को पाकिस्तान पर दबाव बनाते हुए अमेरिकी पत्रकार डैनियल पर्ल की हत्या के मामले में न्याय की मांग की। सिंध प्रांत की अदालत ने गत गुरुवार को को मुख्य आरोपी व वरिष्ठ अलकायदा नेता अहमद उमर सईद शेख की मौत की सजा को पलट दिया था।

दालत ने सजा को पलटते हुए शेख को सात साल की सजा सुनाई थी जबकि उम्र कैद की सजा पाए उसके तीन साथियों को रिहा करने का फैसला सुनाया था। इसके बाद पोम्पियो की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। कराची में वर्ष 2002 में पर्ल की हत्या का दोषी ठहराए जाने के बाद से शेख पिछले 18 साल से जेल में था। पोम्पियो ने ट्वीट में कहा, 'अमेरिका डैनियल पर्ल को नहीं भूलेगा। हम एक बहादुर पत्रकार के रूप में उनकी विरासत का सम्मान और उनकी नृशंस हत्या के लिए न्याय की मांग करते हैं।'

अन्य ट्वीट में अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भी पाकिस्तानी अदालत के फैसले की निंदा की। परिषद ने कहा कि हम वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) के संवाददाता डैनियल पर्ल के हत्यारे की सजा को पलटे जाने के पाकिस्तानी अदालत के फैसले की निंदा करते हैं और अभियोजन के अपील में जाने के फैसले का स्वागत करते हैं।

डेनियल पर्ल हत्या मामले में अदालत के फैसले को चुनौती देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान सरकार अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की 2002 में कराची में हुई हत्या के मामले में मुख्य आरोपी की मौत की सजा को पलटने और तीन अन्य को बरी करने के सिंध हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिंध गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक शेख और उसके तीन सहयोगियों कि रिहाई से प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक कुरैशी ने कहा कि इस मामले में अमेरिकी सरकार की आशंका स्वभाविक है। कुरैशी ने कहा कि सिंध सरकार ने चारों संदिग्धों को लोक सुरक्षा कानून के तहत 90 दिनों तक हिरासत में रखने का आदेश दिया था। डब्ल्यूएसजे के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख पर्ल (38) का अपहरण कर सिर कलम कर दिया गया था। वह उस वक्त पाकिस्तान में देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अलकायदा के बीच संबंधों पर एक स्टोरी (खबर) के सिलसिले में कुछ छानबीन कर रहे थे।

कोरोना संक्रमण से प्रिंस चार्ल्स के स्वस्थ होने का आयुर्वेद से कोई संबंध नहीं

लंदन, 4 अप्रैल (भाषा)।

प्रिंस चार्ल्स के कार्यालय ने उन खबरों का खंडन किया कि कोरोना से संक्रमित होने के बाद उनके स्वस्थ होने का संबंध दक्षिण भारत के रिसॉर्ट से आयुर्वेद व होम्योपैथी उपचार से था।

प्रिंस चार्ल्स (71) के कार्यालय क्लेरेंस हाउस ने शनिवार को बताया कि स्व-पृथक वास से बाहर आने के बाद प्रिंस ने शुक्रवार को यहां ब्रिटेन के पहले अस्थायी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) फील्ड अस्पताल का उदघाटन किया। एनएचएस के परामर्श के बाद प्रिंस ऑफ वेल्स स्वस्थ्य हुए। भारत के केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नाइक ने हफ्ते की शुरुआत में दावा किया था कि बंगलुरु में 'सौख्य' नाम से आयुर्वेद रिसॉर्ट चलाने वाले डॉ आइजक मथाई ने उन्हें बताया कि प्रिंस चार्ल्स का आयुर्वेद और होम्योपैथी के जरिये उनके द्वारा किया गया इलाज सफल रहा। क्लेरेंस हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि यह सूचना गलत है। प्रिंस ने ब्रिटेन स्थित एनएचएस की चिकित्सीय परामर्श का पालन किया ।

ट्रंप ने ईमेल से मतदान का विरोध करते हुए कहा, मतदाता पहचान पत्र के साथ चुनाव ही सही

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भरोसा जताया है कि कोरोना वायरस की महामारी की वजह से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में देरी नहीं होगी। इसके साथ ही उन्होंने ई-मेल के जरिये मतदान कराने के विचार का कड़ा विरोध करते हुए मतदाता पहचान पत्र के साथ मतदान केंद्र पर होने वाले मतदान को ही वास्तविक चुनाव करार दिया।

ट्रंप की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कोरोना वायरस की महामारी के चलते अमेरिका के मतदाताओं के मतदान से दूर रहने की आशंका के मद्देनजर ईमेल के जरिये मतदान कराने के विकल्प पर बहस चल रही है। राष्ट्रपति ने वाइट हाउस में कोरोना वायरस पर गठित कार्यबल की शुक्रवार बैठक में कहा कि मैं मानता हूं कि बहुत से लोग ईमेल से मतदान में फजीर्वाड़ा करेंगे। मेरा मनना है कि लोगों को मतदाता पहचान पत्र के साथ मतदान करना चाहिए। मैं मानता हूं कि मतदाता पहचान पत्र बहुत महत्त्वपूर्ण है और यही वजह है कि वे मतदाता पहचान पत्र नहीं चाहते क्योंकि वे फजीर्वाड़ा करना चाहते हैं। भारत, अर्जेंटिना, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे कई देशों में मतदाता पहचान पत्र चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा है और सरकार मतदाताओं की पहचान के लिए सरकार फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र जारी करती है। अमेरिका में राज्यों के हिसाब से अलग-अलग नियम है। कुछ राज्य मतदाता पहचान पत्र का इस्तेमाल करते हैं जबकि कुछ ने इसका वीटो कर दिया है।

ट्रंप ने महाभियोग में अहम किरदार निभाने वाले खुफिया अधिकारी को हटाया

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (एएफपी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी को हटा रहे हैं, जिसकी उनके खिलाफ पिछले साल अगस्त में की गई शिकायत के बाद महाभियोग चलाने में अहम भूमिका रही।

सीनेट खुफिया समिति को शुक्रवार को भेजे पत्र में ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिकी खुफिया समुदाय के स्वतंत्र महानिरीक्षक माइकल एटकिंसन में विश्वास खो चुके हैं। एटकिंसन ने पिछले साल अगस्त में व्हिसल ब्लोअर (मामले को सामने लाने वाला) की शिकायत की समीक्षा और संचारित किया, जिसमें ट्रंप पर अमेरिकी कानून का उल्लंघन कर यूक्रेन पर निजी राजनीतिक फायदा पहुंचाने के लिए दबाव डालने का आरोप था। इसी शिकायत के आधार पर ट्रंप को पद से हटाने के लिए ऐतिहासिक महाभियोग चलाया गया। ट्रंप पर आरोप था कि उन्होंने यूक्रेन पर वर्ष 2020 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के अपने संभावित प्रतिद्वंद्वी जो बाइडन और उनके बेटे पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चलाने का दबाव डाला।

वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर अब तक बहुत कम प्रभाव : विश्व खाद्य कार्यक्रम

कोरोना के कारण जल्द बदल सकती है यह सूरत

संयुक्त राष्ट्र, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के तेजी से बढ़ते प्रकोप का अब तक वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर बहुत कम प्रभाव पड़ा है लेकिन चिंता से ग्रस्त बड़े खाद्य निर्यातकों दहशत में आए तो यह स्थिति बहुत जल्द बिगड़ सकती है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) ने नई रिपोर्ट 'कोविड-19: विश्व के सबसे गरीब लोगों पर संभावित प्रभावः वैश्विक महामारी के आर्थिक व सुरक्षात्मक अनुमान का डब्ल्यूएफपी का अनुमान' में कहा कि मूल अनाजों के लिए वैश्विक बाजार पूरी तरह भरे-पूरे हैं और कीमतें आमतौर पर कम हैं।

हालांकि खाद्य उत्पादन व आपूर्ति की बेहद वैश्वीकृत प्रकृति को देखते हुए इन समाग्रियों को विश्व के 'ब्रेडबास्केट' (उत्पादन के मुख्य केंद्र) से निकाल कर उन स्थानों तक पहुंचाने की जरूरत है जहां इनकी खपत है और कोरोना वायरस संबंधी बचाव उपाय इसे बेहद चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

डब्लूएफपी की वरिष्ठ प्रवक्ता एलिजाबेथ बिर्स ने कहा 'अभी तक किसी तरह की कमी नहीं है, खाद्य आपूर्ति पर्याप्त है और बाजार अपेक्षाकृत स्थिर हैं।'उन्होंने कहा कि वैश्विक अनाज भंडार सहज स्तर पर है और गेहूं व अन्य मुख्य अनाजों की संभावना भी पूरे साल सकारात्मक नजर आ रही है। लेकिन बहुत जल्द हमें खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में दरार पड़ती दिख सकती है।

बिर्स ने कहा कि ऐसा इसलिए होगा क्योंकि अगर बड़े निर्यातकों का मूल खाद्य सामग्रियों के भरोसेमंद प्रवाह में यकीन नहीं रहेगा तो हड़बड़ी में खरीदारी बढ़ेगी और कीमतों में उछाल आएगा। रपट में खाद्य व कृषि संगठन (एफएओ) के अनाज बाजार विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया कि समस्या आपूर्ति की नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा को लेकर व्यावहारगत परिवर्तन है। विशेषज्ञ का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। विशेषज्ञ ने कहा कि थोक में खरीदारी करने वाले अगर सोचने लगें कि मई और जून में वे गेहूं या चावल नहीं खरीद पाएंगे, तो सोचिए क्या होगा। इसी सोच के कारण वैश्विक खाद्य आपूर्ति संकट पैदा हो सकता है। कम आय वाले देशों के लिए यह बबार्दी लाने वाले हो सकते हैं और यह लंबे समय के लिए हानिकारक प्रभाव ला सकते हैं। इससे उबरने की रणनीतियां स्वास्थ्य व शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं की कीमत पर तैयार होंगी।

डब्लूएफपी की रपट में कहा गया कि खाद्य कीमतों व बाजारों पर निगरानी जरूरी है और पारदर्शी तरीके से सूचना देना भी ताकि लोगों की परेशानी और सामाजिक अशांति को टाल कर सरकारी नीतियों को मजबूत बनाया जा सकता है।

- विश्व खाद्य कार्यक्रम की वरिष्ठ प्रवक्ता एलिजाबेथ बिर्स ने कहा कि अभी तक किसी तरह की कमी नहीं है, खाद्य आपूर्ति पर्याप्त है और बाजार अपेक्षाकृत स्थिर हैं। वैश्विक अनाज भंडार सहज स्तर पर है और गेहूं व अन्य मुख्य अनाजों की संभावना भी पूरे साल सकारात्मक नजर आ रही है। लेकिन बहुत जल्द हमें खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में दरार पड़ती दिख सकती है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि अगर बड़े निर्यातकों का मूल खाद्य सामग्रियों के भरोसेमंद प्रवाह में यकीन नहीं रहेगा तो हड़बड़ी में खरीदारी बढ़ेगी और कीमतों में उछाल आएगा।

भारतीय-अमेरिकी संस्था ने भारत में वंचित समुदायों की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय-अमेरिकी गैर लाभकारी संस्था ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत में वंचित समुदायों की रक्षा और सेवा करने के साथ-साथ इस सामाजिक व आर्थिक संकट के सामने मजबूती से डटे रहने में उनकी मदद की पहल शुरू की है।

गुजरात में आए विध्वंसकारी भूकंप के बाद 2001 में स्थापित हुई अमेरिकन इंडियन फाउंडेशन (एआइएफ) ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने अग्रणी मोर्चे पर काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल कर कोविड-19 से लड़ने में तैयारी और भारत के स्वास्थ्य देखभाल तंत्र को मजबूत बनाने में करेगा। एआइएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निशांत पांडेय ने कहा कि हमारा मानना है कि सही सूचना व स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच रखने वाले भारत के गरीब लोग, जो मुख्यतः असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं या खुद का काम कर रहे हैं, उन पर इस अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपात स्थिति से पैदा होने वाली आर्थिक स्थिति का सबसे अधिक असर पड़ने की आशंका है। एआइएफ ने इससे पहले भारत में कई आपदाओं में राहत और पुनर्निर्माण के कामों में मदद की है।

उसने 2001 के भुज भूकंप, 2004 की सूनामी, 2008 की बिहार बाढ़, 2013 की उत्तराखंड बाढ़, 2014 की कश्मीर बाढ़, 2015 की चेन्नई बाढ़ और 2018 की केरल बाढ़ जैसी आपदाओं में भी मदद की। संगठन ने दावा किया उसने अभी तक 24 राज्यों में भारत के 56 लाख गरीबों की जिंदगियों पर असर डाला है।

मिस्र के मुख्य कैंसर अस्पताल में 15 स्वास्थ्यकर्मी कोरोना से संक्रमित

काहिरा, 4 अप्रैल (एएफपी)।

मिस्र के मुख्य कैंसर अस्पताल में तीन चिकित्सकों सहित कम से कम 15 स्वास्थ्य कर्मियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जिसके बाद उन्हें पृथक वास में रखा गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इस घटनाक्रम से अरब जगत के सर्वाधिक आबादी वाले देश मिस्र में कोरोना वायरस महामारी से स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा सकती हैं। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ हातिम अबू अल कासिम ने कहा कि तीन चिकित्सकों और 12 नर्सों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मिस्र में कोरोना वायरस संक्रमण के करीब 1,000 मामले सामने आए हैं और अब तक 66 लोगों की मौतें हुई हैं।

समूह के पास 20 डिलिवरी वैन हैं | **कोरोना से जंग** | **हर दिन 800 पैकेट खाना पहुंचाते हैं**

ऑस्ट्रेलिया में सिख समुदाय जरूरतमंदों को पहुंचा रहा है खाना

- सिख स्वयंसेवी ऑस्ट्रेलिया (एसवीए) ने हालिया फेसबुक विज्ञापन में विक्टोरिया में परिवारों को मुफ्त भोजन डिलिवरी के लिए समूह से संपर्क करने की अपील की है। मेन्यू में सूप से लेकर पाश्ता और चावल से लेकर करी तक की व्यवस्था है।
- ऑस्ट्रेलिया के सिख स्वयंसेवियों के नाम 'धन्यवाद संदेश' में विक्टोरिया के प्रीमियर डेनियल एंड्र्यूज ने कहा कि स्वयंसेवियों ने जंगल में लगी आग के दौरान अनगिनत लोगों को खाना खिलाया और इस बार वे फिर मदद को आगे आए हैं।

मेलबर्न, 4 अप्रैल (भाषा)।

ऑस्ट्रेलिया में सिख समुदाय कोरोना वायरस संकट के बीच पृथक वास में रहते हुए संघर्ष कर रहे और आर्थिक दुश्वारियां झेल रहे लोगों तक मुफ्त में भोजन और किराने का सामान पहुंचाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। विक्टोरिया प्रांत के प्रधानमंत्री ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद भी कहा है।

सिख स्वयंसेवी ऑस्ट्रेलिया (एसवीए) ने हालिया फेसबुक विज्ञापन में विक्टोरिया में परिवारों को मुफ्त भोजन डिलिवरी के लिए समूह से संपर्क करने की अपील की है। मेन्यू में सूप से लेकर पाश्ता और चावल से लेकर करी तक की व्यवस्था है। समूह के पास 20 डिलिवरी वैन हैं जो हर दिन 800 पैकेट खाना पहुंचाते हैं। एसवीए के सदस्य मनप्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि यह पहल तीन साल पहले मेलबर्न के दक्षिण पूर्वी हिस्से में शुरू हुई थी और हम बुजुर्ग, एकल या पृथक वास में रह रहे जरूरतमंदों को भोजन के मुफ्त पैकेट पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए नई सेवा शुरू कर दी है और हमें उम्मीद है कि डिलिवरी बढ़ जाएगी। उन्होंने बताया कि वैश्विक महामारी के मद्देनजर समूह खाना बनाने से लेकर, उसकी पैकिंग और वैन में लोड करने आदि सबमें सभी नियमों का पालन करता है।

यूनाइटेड सिख्स नामक अन्य संगठन मुफ्त भोजन और मूल खाद्य आपूर्तियां उपलब्ध कराकर जरूरतमंदों की मदद के लिए सामने आया है। वे विदेशी छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, कम आय वाले परिवारों, दिव्यांगों और पृथक रह रहे लोगों को चिकित्सा सलाह के बिना मिलने वाली दवाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।संगठन के सदस्य गुरविंदर सिंह के मुताबिक समूह दिन में दो बार 100 से 200 लोगों के लिए भोजन तैयार करता है और उनके घरों तक पहुंचाता है। गुरुद्वारा साहिब तरनेत के प्रीतम सिंह ने कहा कि वह अपनी व्यक्तिगत क्षमता से रोजाना करीब 70 लोगों को भोजन उपलब्ध कराते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सिख समुदाय संकट की स्थिति में अपनी सामुदायिक सेवाओं को लेकर जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया के सिख स्वयंसेवियों के नाम 'धन्यवाद संदेश' में विक्टोरिया के प्रीमियर डेनियल एंड्र्यूज ने कहा कि स्वयंसेवियों ने जंगल में लगी आग के दौरान अनगिनत लोगों को खाना खिलाया और इस बार वे फिर मदद को आगे आए हैं।

www.readwhere.com

एकत्रित

जम्मू में देशबंदी के दौरान शनिवार को खेतों से फूल चुनती महिला।

आयकर विभाग ने टीडीएस छूट का फॉर्म भरने के लिए और समय दिया

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

आयकर विभाग ने व्यक्तिगत लोगों को चालू वित्त वर्ष के लिए 15 जी और 15 एच फॉर्म भरने के लिए 30 जून के बाद और समय देने की घोषणा की है। ये फॉर्म ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से छूट के लिए भरने होते हैं। कोविड-19 के मद्देनजर लोगों को आ रही दिक्कतों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

फॉर्म 15जी और 15एच उन लोगों को भरना होता है जिनकी आमदनी कर योग्य सीमा से कम है। ये फॉर्म ब्याज आय पर टीडीएस छूट के लिए भरने होते हैं। आमतौर करदाता ये फॉर्म बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास अप्रैल में जमा कराते हैं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष में जमा कराए गए 15जी और 15एच फॉर्म 30 जून, 2020 तक वैध रहेंगे। कोविड-19 से सभी क्षेत्रों का सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इनमें बैंक और अन्य संस्थान शामिल हैं। सीबीडीटी ने कहा कि ऐसी स्थिति में कुछ लोग समय पर फॉर्म जमा नहीं करा पाए है। ऐसे में कोई कर देनदारी नहीं होने पर उनका टीडीएस कट जाएगा।

सीबीडीटी ने कहा कि ऐसे में लोगों को परेशानी से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। यदि किसी व्यक्ति ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए बैंक या अन्य वित्तीय संस्थानों के पास वैध 15जी और 15एच फॉर्म जमा कराया है तो ये वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 30 जून, 2020 तक वैध रहेंगे। जहां फॉर्म 15एच वरिष्ठ नागरिकों को जमा कराना होता है, फॉर्म 15जी ऐसे लोगों को जमा कराना होता है जिनकी करयोग्य आय छूट की सीमा से कम होती है।

सीबीडीटी ने एक अन्य आदेश में कहा कि जिन आयकरदाताओं ने 2019-20 में निचली दर-शून्य कटौती-स्रोत पर कर कटौती के संग्रह या स्रोत पर कर संग्रह के लिए प्रमाणपत्र जारी करने को आवेदन किया है, अब उन्हें इस तरह के प्रमाणपत्र के लंबित रहने की सूचना आयकर अधिकारी को ई-मेल के जरिए देनी होगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई, 4 अप्रैल (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर बढ़कर 475.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले यानी 20 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट आई थी।

आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। 20 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 11.98 अरब डॉलर घटकर 469.91 अरब डॉलर रह गया था। उस दौरान रुपए में गिरावट पर अंकुश के लिए रिजर्व बैंक डॉलर की आपूर्ति कर रहा था, जिससे मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट दर्ज हुई थी।

इससे पहले 13 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.34 अरब डॉलर घटकर 481.89 अरब डॉलर पर आ गया था। छह महीने में यह पहला मौका था जबकि विदेशी मुद्रा भंडार घटा था जबकि छह मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर बढ़कर 487.23 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था।

भारतीय रजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.56 अरब डॉलर बढ़कर 439.66 अरब डॉलर पर पहुंच गईं। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान देश का स्वर्ण भंडार 3.03 अरब डॉलर बढ़कर 30.89 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

जांच किट के खुले निर्यात पर लगी रोक

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

सरकार ने जांच किट (डायग्नॉस्टिक किट) के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगा दिया है। देश में कोरोना महामारी फैलने के बीच सरकार ने जांच किट के निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए यह कदम उठाया है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जांच किट के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगाया जाता है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस कदम से कोविड-19 से निपटने में मदद मिलेगी, क्योंकि मरीजों की जांच के लिए यह किट जरूरी होती है। इससे पहले जांच किट के निर्यात पर किसी तरह का अंकुश नहीं था। इसके निर्यात पर अंकुश लगाने का मतलब है कि अब निर्यातक को विदेश में खेप भेजने के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस लेना होगा।

एफसीआइ ने पाबंदियों के बीच रेलवे के जरिए 13.36 लाख टन राशन भेजा

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) ने आवागमन पर पाबंदियों के बीच पीडीस वितरण के लिए 13.36 लाख टन खाद्यान्न पहुंचाने को रेलवे के 477 रैक का इस्तेमाल किया। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा है कि वह यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि पीडीएस से राशन पाने के हकदार 81 करोड़ लोगों में से कोई राशन के बिना भूखा न रहे।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को कुल 69 रैक में अनाज की लदाई हो रही थी। इनमें कुल 1.93 लाख टन खाद्यान्न चढ़ाया जा सकता है। सरकारी स्वामित्व वाले एफसीआइ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओड़ीशा से खाद्यान्न को अन्य राज्यों में पहुंचाया है। इन राज्यों से लगभग 7.76 लाख टन चावल और 5.60 लाख टन गेहूं, कुल 13.36 लाख टन अनाज, रेल रैक के माध्यम से ले जाया गया है।

मौजूदा देशव्यापी बंद की अवधि के दौरान मंत्रालय ने कहा कि एफसीआइ पूरे देश में गेहूं और चावल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। यह एजंसी देश भर में गेहूं और चावल की आपूर्ति की गति को बढ़ाकर खाद्यान्नों की बढ़ती मांग को पूरा करने, ज्यादातर रेल द्वारा करने में सक्षम है। एफसीआइ देश में खाद्यान्नों की खरीद और वितरण में शामिल मुख्य एजंसी है।

एफसीआइ किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल की खरीद करता है। यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत 81 करोड़ से अधिक राशन कार्डधारकों को रियायती दरों पर समान खाद्यान्न वितरित करता है। मंत्रालय ने कहा कि एफसीआइ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत न केवल खाद्यान्न की जरूरत को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, बल्कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमकेएवाइ) के तहत अगले तीन महीनों के लिए 5 किलो प्रति व्यक्ति को अतिरिक्त आपूर्ति भी करता है।

> एफसीआइ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 81 करोड़ से अधिक राशन कार्डधारकों को रियायती दरों पर खाद्यान्न वितरित करता है।

एक अप्रैल को एफसीआइ के पास पांच करोड़ 62.4 लाख टन का खाद्यान्न भंडार था, जिसमें चावल तीन करोड़ 16.4 लाख टन और गेहूं 2.46 करोड़ टन था। इसके अलावा एफसीआइ खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत ई-नीलामी के माध्यम से थोक उपभोक्ताओं को अधिशेष अनाज बेच रहा है।

अब तक एफसीआइ को 1.44 लाख टन गेहूं और 77,000 टन चावल खरीदने के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं। कोविड-19 के प्रकोप को देखते हुए एफसीआइ ने राज्यों को ई-नीलामी में भाग लेने के बिना ओएमएसएस के तहत आरक्षित मूल्य पर अनाज का एक निश्चित कोटा उठाने की अनुमति दी है। इसने 10 राज्यों के लिए एक लाख टन गेहूं जबकि छह राज्यों के लिए 94,767 टन चावल का कोटा दिया है।

केंद्र का कर्ज 24.3 फीसद व राज्यों का 32.4 फीसद बढ़ने का अनुमान

मुंबई, 4 अप्रैल (भाषा)।

राजस्व संग्रह कम होने और व्यय बढ़ते जाने से 2019-20 में साल भर पहले की तुलना में केंद्र सरकार का बाजार से उठाया गया कर्ज इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 24.3 फीसद और राज्यों का कर्ज 32.4 फीसद बढ़ सकता है। केयर रेटिंग्स ने यह अनुमान व्यक्त किया है।

2019-20 में फरवरी के अंत तक केंद्र सरकार की प्राप्तियां सालाना आधार पर महज 6.8 फीसद बढ़ी थीं जबकि व्यय 12.6 फीसद बढ़ गया था। इससे राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमानों के 135.2 फीसद के बराबर था। हालांकि सरकारों के लिए ब्याज खर्च के लिहाज से पिछला वित्त वर्ष बेहतर रहा। रिजर्व बैंक जनवरी 2019 से फरवरी 2020 तक रेपो दर में 1.35 फीसद की कटौती कर चुका है। इससे ब्याज का खर्च कम हुआ है। रेपो दर कम होने से केंद्र सरकार के लिए देय ब्याज दर 7.5 फीसद से कम होकर 6.7 फीसद और राज्यों के लिए 8.1 फीसद से कम होकर 7.2 फीसद हो गई है।

केयर रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में केंद्र सरकार ने 7.1 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया है, जो साल भर पहले की तुलना में 24.3 फीसद अधिक है। इसी तरह राज्यों का कर्ज इस दौरान 32.4 फीसद बढ़कर 6.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान केंद्र सरकार ने कम प्राप्तियों के बाद भी कर्ज की किस्तों के रूप में 2.4 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया है। यह साल भर पहले की तुलना में 59 फीसद अधिक है। राज्यों का भुगतान महज 10 फीसद बढ़कर 1.4 लाख करोड़ रुपए रहा है। केंद्र सरकार के वार्षिक कर्ज की वृद्धि 2015-16 से 2018-19 के दौरान बहुत कम या न के बराबर रही लेकिन 2019-20 में इसमें 20 फीसद से अधिक की वृद्धि हो चुकी है।

नौ अप्रैल तक टली तेल उत्पादक देशों की प्रस्तावित बैठक

बाकू (अजरबैजान), 4 अप्रैल (एएफपी)।

कच्चा तेल की गिरती कीमतों को संभालने के लिए प्रमुख तेल उत्पादक देशों की बहुप्रतीक्षित बैठक बृहस्पतिवार तक के लिए टल गई है। अजरबैजान ने इसकी जानकारी दी। पहले यह बैठक वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सोमवार को होने वाली थी।

अजरबैजान के ऊर्जा मंत्रालय की प्रवक्ता जमीना अलिएवा ने शनिवार को एएफपी से कहा, बैठक नौ अप्रैल तक के लिए टल गई है। ओपेक ने हमें बैठक टलने के बारे में सूचित किया है। हमें अभी इसके कारणों का पता नहीं चला है। ओपेक ने अभी इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा लेकिन इससे जुड़े एक सूत्र ने दिन में बैठक टलने की जानकारी दी। सूत्र ने कहा, ऐसा लगता है कि यह बैठक अब एक सप्ताह बाद होगी। इस बैठक में कच्चा तेल की कीमतों को उबारने के उपायों पर चर्चा होने वाली थी। इस बैठक में ओपेक देशों के अलावा रूस व अन्य उत्पादकों के भाग लेने की संभावनाएं थीं। सऊदी अरब ने इस आपात बैठक का आह्वान किया था। सऊदी अरब तथा रूस के बीच उत्पादन में कटौती पर सहमति नहीं बन पाने तथा कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मांग गिर जाने से कच्चा तेल के भाव 24 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास आ गए हैं।

> अजरबैजान के ऊर्जा मंत्रालय की प्रवक्ता जमीना अलिएवा ने कहा, बैठक नौ अप्रैल तक के लिए टल गई है। ओपेक ने हमें बैठक टलने के बारे में सूचित किया है। हमें अभी इसके कारणों का पता नहीं चला है। ओपेक ने अभी इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा लेकिन इससे जुड़े एक सूत्र ने दिन में बैठक टलने की जानकारी दी।

रूस ने शुक्रवार को कहा था कि वह उत्पादन में प्रतिदिन करीब एक अरब बैरल की कटौती पर बातचीत करने के लिए तैयार है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा था, मेरा मानना है कि बाजार को संतुलित करने तथा कीमतों को स्थिर करने के लिए साझे प्रयास की जरूरत है। ऐसा कहा जा रहा था कि इस बैठक में भाग लेने का निमंत्रण अमेरिका को भी दिया गया था।

एअर इंडिया ने 30 अप्रैल तक बुकिंग बंद की

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

सरकारी विमानन कंपनी एअर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने 30 अप्रैल तक टिकट की बुकिंग बंद कर दी है। कंपनी ने कहा कि वह 14 अप्रैल को बंद की समाप्त हो रही अवधि के बाद निर्देश का इंतजार कर रही है।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब बुकिंग शुक्रवार से 30 अप्रैल तक बंद कर दी गई है। उसने कहा- हम 14 अप्रैल के बाद के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। नागर विमानन सचिव प्रदीप सिंह खरोला ने गुरुवार को कहा था कि विमानन कंपनियां 14 अप्रैल के बाद की तारीख के लिए टिकट बुकिंग शुरू करने के लिए स्वतंत्र हैं।

रिजर्व बैंक ने सात अप्रैल से ऋण व मुद्रा बाजार के कारोबारी घंटे घटाए

मुंबई, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु की वजह से देशव्यापी बंद को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार से ऋण और मुद्रा बाजार के कारोबारी घंटे कम करने का फैसला किया है।

रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक परिपत्र जारी कर कहा कि सात से 17 अप्रैल, 2020 तक इन बदले हुए कारोबारी घंटो में काम होगा। रिजर्व बैंक की नई व्यवस्था के अनुसार बाजार सुबह नौ बजे के बजाय 10 बजे खुलेगा, वहीं बंद होने का समय दो बजे कर दिया गया है। शीर्ष बैंक की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों, राज्यों के विकास ऋण और ट्रेजरी बिलों सहित सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा विनिमय, रुपए और फॉरेक्स डेरिवेटिव बाजार इत्यादि सभी श्रेणियों के लिए भी कारोबार का समय नौ से पांच के बजाय बदलकर दस से दो बजे कर दिया गया है।

देशभर में बंद की वजह से इन बाजारों के कर्मचारियों, सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों के साथ ही दफ्तर पहुंचने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए आरटीजीएस, नेफ्ट, ई-कुबेर और अन्य खुदरा भुगतान प्रणालियां जैसी अन्य नियमित बैंकिंग सेवाएं पहले की ही तरह बढ़े समय में उपलब्ध रहेंगी।

इंतजार

सरकार की तरफ से जरूरतमंदों को दी गई राशि निकालने के लिए प्रयागराज में शनिवार को बैंक के बाहर लगी लोगों की कतार।

आइटी उद्योग की वृद्धि दर स्थिर या नकारात्मक रहने का अनुमान

बंगलुरु, 4 अप्रैल (भाषा)।

इन्फोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी वी बालाकृष्णन का मानना है कि इस साल भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) उद्योग की वृद्धि दर या तो स्थिर रह सकती है या फिर इसमें गिरावट आ सकती है।

उन्होंने शनिवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को देखिए। यह 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से भी बुरा है। उन्होंने कहा कि इस कारण भारतीय आइटी कंपनियों के ग्राहक आइटी खर्च न ही बढ़ाने वाले हैं और न ही पुराने स्तर पर बनाए रखने वाले हैं। बालाकृष्णन ने कहा कि अमेरिका में बेरोजगारी की दर बढ़ रही है। खुदरा व वित्तीय सेवाओं समेत सभी प्रमुख उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो चुके हैं। ऐसे में खर्च में कटौती होगी और कीमतों को लेकर भी दबाव रहेगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्थाएं बुरी स्थिति में हैं।

उद्योग व प्रवासी मजदूरों के लिए तत्काल बड़ी राहत योजना की जरूरत : उद्योग संगठन

बंगलुरु, 4 अप्रैल (भाषा)।

कारोबार जगत ने कोरोना महामारी से पैदा हालात के बीच विभिन्न उद्योगों और प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए सरकार की ओर से और कारगर उपाय किए जाने पर बल दिया है।

विमानन उद्योग के दिग्गज जीआर गोपीनाथ ने कोविड-19 संक्रमण फैलने के बीच उद्योगों और प्रवासी श्रमिकों के लिए राहत योजना लाने को कहा है। उद्योग मंडल पीएचडी ने भी सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों को वित्तीय संकट में मदद के लिए 25 हजार करोड़ रुपए का आपदा कोष बनाने का सुझाव दिया है। सस्ती विमान सेवा की शुरुआत करने वाली एअर डेक्कन के संस्थापक रहे गोपीनाथ ने कहा कि इस महामारी की वजह से उद्योग और प्रवासी मजदूरों पर काफी दबाव है जिसके कारण राहत योजना लाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस महामारी से विमानन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सारे विमान खड़े हो गए हैं। जबकि यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्त्वपूर्ण है।

गोपनीथ ने कहा- में सिर्फ इस क्षेत्र के बारे में बात नहीं करना चाहता। यह सही नहीं होगा। विमानन की तरह ही ट्रक और होटल आदि उद्योगों को भी झटका लगा है। इसके अलावा एमएसएमई और स्वरोजगार में लगे लोग भी इससे प्रभावित हुए हैं। लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण प्रवासी मजदूर हैं। हमने उनके पलायन की डरावनी तस्वीरें देखी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को राहत योजना लानी चाहिए। यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बंद का प्रभाव जितना बड़ा होगा, राहत पैकेज का आकार भी उतना बड़ा होना चाहिए। अमेरिका ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 12 फीसद और फ्रांस ने करीब 15 फीसद का पैकेज दिया है। भारत ने अपने जीडीपी का एक फीसद से भी कम का राहत पैकेज दिया है।

उत्तर भारत के प्रमुख उद्योग मंडल पीएचडी चेंबर्स आफ कॉमर्स ने कोविड-19 महामारी के प्रभाव पर एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को वित्तीय दबाव से निकलने में मदद के लिए 25,000 करोड़ रुपए का संकटकालीन कोष गठित करने का सुझाव दिया है। इस रिपोर्ट में सरकार को कई सुझाव दिए गए हैं ताकि देश में उद्योग और कारोबार क्षेत्र को व्यापक राहत दी जा सके। इसके अध्यक्ष डॉ. डीके अग्रवाल ने कहा कि सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों को एमएसएमई के बकाया का भुगतान सात दिन में करने को कहा जाना चाहिए। इसके अलावा उन्हें किसी भी बकाया बिल के भुगतान के बारे में अनुपालन रिपोर्ट देने को नहीं कहा जाना चाहिए।

क्रेडिट रेटिंग एजंसी फिच रेटिंग्स ने अन्य प्रतिस्पर्धी रेटिंग एजंसियों और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्त संगठनों के सुर में सुर मिलाते हुए 2020-21 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटा दिया। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना महामारी के कारण आ रहे अवरोधों से 2020-21 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर महज दो फीसद रह सकती है।

सरकार ने आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए हाल में 1.7 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज घोषित किया है जिसमें गरीबों और मनरेगा मजदूरों की आय बढ़ाने के उपाय भी शामिल हैं। सरकार ने आयकर और जीएसटी के नियमों के अनुपालन के लिए समय बढ़ा दिया है। रिजर्व बैंक ने भी रेपो दर में 0.75 फीसद की 11 साल की सबसे बड़ी कटौती करने के साथ बैंकों को किस्तों की वसूली में तीन माह तक राहत देने की छूट दी है। लेकिन उद्योग जगत स्थिति को गंभीर बताते हुए सरकार से और कारगर मदद की अपेक्षा कर रहा है।

फ्लिपकार्ट न वेतन घटाएगा, न नौकरी की पेशकश वापस लेगा

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया है कि कोविड-19 महामारी के बावजूद वह उनके वेतन में कटौती नहीं करेगी। कंपनी ने कहा कि इस महामारी से उसका कारोबार प्रभावित हुआ है लेकिन उसने जिन भी लोगों को नौकरी की पेशकश की है, उन्हें पूरा करेगी।

कंपनी के गुरुवार को हुए आनलाइन टाउनहॉल में 8,000 से अधिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। टाउनहॉल के दौरान फ्लिपकार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्याण कृष्णमूर्ति ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि कृष्णमूर्ति ने यह भी आश्वासन दिया है कि कंपनी के कर्मचारियों के वेतन में कोई कटौती नहीं की जाएगी। इसके अलावा जिनको भी नौकरी की पेशकश की गई है, उसे वापस नहीं लिया जाएगा।

www.readwhere.com

कोरोना से लड़ने को बच्चे और वरिष्ठ लोग भी कर रहे मदद

भोपाल, 4 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना विषाणु की महामारी को रोकने के लिए स्वास्थ्यकर्मी जहां अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं वहीं इस संकट से निपटने में सरकार की मदद के लिए छोटे-छोटे बच्चों और वरिष्ठ लोगों की दिल को छू लेने वाली कहानियां भी सामने आ रही हैं।

मध्यप्रदेश के भिंड जिले के 14 वर्षीय किशोर ने अपनी जेब खर्च से गुल्लक में बचाकर रखे गए 2,280 रुपए कोविड-19 के संकट के दौरान गरीबों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए हैं।

वहीं एक अन्य मामले में राजगढ़ जिले के खिलचीपुर कस्बे की निवासी 63 वर्षीय लकवाग्रस्त महिला ने भी प्रधानमंत्री राहत कोष में अपनी कमाई का योगदान दिया है।

भिंड जिले के कलेक्टर छोटे सिंह ने शुक्रवार को एक ट्वीट में लड़के के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'भिंड के हलवाई थाना क्षेत्र के निवासी 14 वर्षीय हर्ष ने अपनी गुल्लक के 2,280 रुपए कोरोना विषाणु के कारण लागू बंद से प्रभावित लोगों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए हैं। कोरोना विषाणु के प्रकोप से लड़ने और गरीबों की मदद के लिए बच्चे भी आगे आ रहे हैं।' वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ नागरिक भी संकट के इस समय में मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

● भिंड के 14 वर्षीय किशोर ने अपनी जेब खर्च से गुल्लक में बचाकर रखे गए 2,280 रुपए कोविड-19 के संकट के दौरान गरीबों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए हैं।

● एक अन्य मामले में राजगढ़ जिले के खिलचीपुर कस्बे की निवासी 63 वर्षीय लकवाग्रस्त महिला ने भी प्रधानमंत्री राहत कोष में अपनी कमाई का योगदान दिया है।

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि राजगढ़ जिले के खिलचीपुर कस्बे की निवासी सुशीला देवी (63) जो कि लगवाग्रस्त होने के कारण स्टैंड की सहायता से चल पाती हैं, ने संकट के इस समय में मदद करने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने 21 पुलिस वालों को मास्क दिए और 5,551 रुपए प्रधानमंत्री राहत कोष में दान करने के लिए स्थानीय पुलिस अधिकारियों को दिए हैं।

सेवा देशबंदी के दौरान पटना में जरूरतमंद लोगों के लिए खाना पैक करतीं कार्यकर्ता।

गुजरात में 70 ट्रेन बोगियों को पृथक वार्ड में बदला जाएगा

अमदाबाद, 4 अप्रैल (भाषा)।

अमदाबाद रेलवे मंडल में कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों के लिए ट्रेनों की 17 बोगियों को पृथक वार्ड में परिवर्तित किया जा रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के साथ ऐसी पहली बोगी तैयार हो गई है और उसे मणिनगर रेलवे डिपो में खड़ा किया गया है।

अमदाबाद कोरोना वायरस के प्रसार के लिहाज से प्रमुख केंद्रों में से एक बन कर सामने आया है।

अमदाबाद मंडल के रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) दीपक कुमार झा ने शुक्रवार को कहा, 'कोरोना विषाणु के संदिग्ध मरीजों के लिए ट्रेनों की 70 बोगियों को पृथक वार्ड में बदला जा रहा है। ये बोगियां पांच डिपो में खड़ी की जाएंगी। मणिनगर डिपो में पृथक वार्ड के तौर पर 25 बोगियां रखी जाएंगी।' उन्होंने बताया कि हर बोगी में आठ मरीज रह सकते हैं।

● ये बोगियां पांच डिपो में खड़ी की जाएंगी।

● मणिनगर डिपो में पृथक वार्ड के तौर पर 25 बोगियां रखी जाएंगी।

● हर बोगी में आठ मरीज रह सकते हैं।

झा ने कहा, 'बोगियों को आवश्यकता के अनुसार परिवर्तित किया जा रहा है और इनमें सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।' उन्होंने बताया कि हर बोगी में चार शौचालयों में से एक को बाथरूम में तब्दील किया गया है। प्रत्येक बोगी में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एक केबिन बनाया गया है।

झा ने कहा, 'जिन लोगों को विशेष चिकित्सा देखभाल की जरूरत होगी उन्हें अस्पताल ले जाया जाएगा लेकिन जिनमें हल्के लक्षण होंगे और जिन्हें पृथक वास की जरूरत होगी, उन्हें इन बोगियों में रखा जाएगा।' उन्होंने दावा किया कि देशभर में 5,000 ट्रेन बोगियों को पृथक वार्ड में बदला जाएगा।

मणिनगर के अलावा इन बोगियों को अमदाबाद और साबरमती के रेलवे डिपो में रखा जाएगा। अन्य दो डिपो कच्छ जिले के भुज और गांधीधाम में होंगे। अमदाबाद में अभी तक 38 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं जिनमें से चार की मौत हो चुकी है।

मणिपुर में दावानल पर काबू पाने की कोशिश में लगे कर्मी

इंफल, 4 अप्रैल (भाषा)।

मणिपुर सरकार ने राज्य में अचानक भड़की जंगल की आग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से इंफल पश्चिम के लांगोल और फायेंग के साथ चूरचंद्रपुर जिले के सुआंगदोह पहाड़ी के जंगलों में आग लगने की खबरें मिलती रही हैं।

मुख्य संरक्षक के अंगामी ने कहा, 'इंफल घाटी के जंगलों में आग लगने की घटनाओं की खबरें बढ़ी हैं। कभी-कभी आम लोग ही जंगल की जमीन को साफ कर अफीम की खेती करने के लिए या फिर कभी-कभी अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग के कड़े प्रतिबंधों के खिलाफ आग लगा देते है।' अग्निशमन सेवा निदेशक थेमथिंग संगवा ने बताया कि मार्च अप्रैल के महीनों में हवा की तेज गति और शुष्क-नम मौसम के कारण जंगल में आग लगने की घटनाएं होती रही हैं।

निजामुद्दीन से लौटे लोग जांच के लिए आगे आएं : पटनायक

भुवनेश्वर, 4 अप्रैल (भाषा)।

राज्य में कोविड-19 के मामले चार गुणा बढ़ जाने के एक दिन बाद शनिवार को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों से सामने आकर कोरोना विषाणु की जांच कराने की अपील की।

शुक्रवार को एक दिन में कोविड-19 के 15 मामले सामने आने के बाद एक संदेश में पटनायक ने कहा कि बीमारी से घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि जागरुकता के जरिए इसपर लगाम लगाई जा सकती है।

उन्होंने कहा, 'मैं निजामुद्दीन में कार्यक्रम में शामिल हुए ओडिशा के सभी लोगों से टोल फ्री नंबर 104 पर संपर्क करने, डॉक्टरों से सलाह लेने और 24 घंटे के भीतर कोरोना की जांच के लिए सामने आने का आग्रह करता है।' पटनायक ने कहा कि कोरोना विषाणु का पता लगाने के प्रयास में सरकार के साथ सहयोग करें। साथ ही कहा कि किसी तरह की देरी उन्हें और उनके परिवारों को जोखिम में डाल सकती है। उन्होंने कहा, 'आपका सहयोग न सिर्फ आपके परिवार के लिए बल्कि समस्त मानव जाति के लिए फायदेमंद होगा।' पटनायक की यह अपील ऐसे वक्त में आई है जब राज्य में दिल्ली के निजामुद्दीन से लौटे तीन लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है।

कहा, विषाणु का पता लगाने के प्रयास में सरकार के साथ सहयोग करें नहीं तो किसी तरह की देरी उन्हें और उनके परिवारों को जोखिम में डाल सकती है।

स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि निजामुद्दीन से लौटने वालों के तौर पर पहचाने गए 28 लोगों में से तीन में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि अन्य 25 लोगों में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि ये तीन मामले कटक, पुरी और जाजपुर के हैं।सरकार ने लोगों से निजामुद्दीन से लौटे लोगों की सूचना देने की भी अपील की है। ओडिशा में अब तक कोविड-19 के 20 मरीज हैं जिनमें से दो स्वस्थ होने के बाद घर भेज दिए गए हैं।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे का विवादित बयान

मुंबई, 4 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि अस्पताल में पृथक इकाई में रखे जाने के दौरान महिला चिकित्साकर्मियों के साथ बदसलूकी करने वाले तबलीगी जमात के सदस्य 'किसी साजिश' में शामिल हैं और उन्हें गोली मार देनी चाहिए।

उन्होंने ऐसे लोगों को चिकित्सा सुविधा देने पर भी सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने मांग की कि लोगों के भीतर 'भरोसा' जगाने के लिए ऐसे लोगों की पिटाई की जानी चाहिए और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लड़ रहा है उस समय लोग ज्यादा संतुष्ट होते अगर प्रधानमंत्री मौजूदा परिस्थितियों के बारे में बात करते बजाए कि केवल मोमबत्ती और दीया जलाने के बारे में ।

पुलिस और चिकित्साकर्मियों पर हमले पर ठाकरे ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे पुलिस कर्मियों पर हमले किए जा रहे हैं उनके के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'दिल्ली के तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने वाले ऐसे लोगों को गोली मार देनी चाहिए। क्यों उनका इलाज किया जा रहा है? एक अलग हिस्सा बनाया जाना चाहिए और उनका इलाज रोक देना चाहिए।' ठाकरे ने कहा, 'अगर वे मानते हैं कि धर्म देश से बड़ा है और किसी साजिश में शामिल होते हैं। वे लोगों, सब्जियों पर थूक रहे हैं नर्सों के सामने निर्वस्त्र घूम रहे हैं।' मनसे प्रमुख ने आगे कहा कि ऐसे लोगों की पिटाई का वीडियो वायरल होना चाहिए जिससे लोगों में विश्वास स्थापित हो।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री को शुक्रवार को दिए संदेश में इसके बारे में भी बात करनी चाहिए थी।' इस बीच, मनसे प्रमुख ने महाराष्ट्र पुलिस को बधाई दी जिसने पिछले महीने वसई में निजामुद्दीन जैसे कार्यक्रम को करने की अनुमति नहीं दी जिससे कोरोना वायरस का संक्रमण फैलना की आशंका टल गई। उन्होंने कहा कि जब निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम को मंजूरी दी गई तो दिल्ली पुलिस को कोरोना वायरस के खतरे का एहसास नहीं हुआ। ठाकरे ने कहा कि यह समय आरोप प्रत्यारोप का नहीं है।

उन्होंने कहा, 'यह समय धर्म के बारे में भी बात करने का नहीं है लेकिन मुसलिमों का एक वर्ग इस तरह का काम करता है तो अब उनकी पिटाई की जानी चाहिए।' ठाकरे ने कहा, 'उन्हें याद रखना चाहिए कि लॉकडाउन कुछ दिनों के लिए है और हम उसके बाद भी रहेंगे।' उन्होंने सवाल किया कि वे मौलवी अब कहा हैं जो बाकी समय समुदाय के लोगों को यह तक बताते हैं कि चुनाव में किसे मतदान करना है। वे अब कहां गायब हो गए। वे क्यों नहीं लोगों से अनुशासन में रहने को कहते हैं।

ठाकरे ने कहा कि अगर लोगों ने अनुशासन नहीं बरता तो लॉकडाउन की मियाद बढ़ सकती है जिससे उद्योगों और सरकार के कामकाज पर बुरा असर पड़ेगा और अंततः आर्थिक संकट उत्पन्न होगा। मनसे प्रमुख ने डॉक्टरों, पुलिस कर्मियों और पानी, बिजली और अनाज की आपूर्ति करने वाले सरकारी कर्मचारियों की प्रशंसा की जो अपनी जान खतरे में डॉलकर लोगों की सेवा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस तरह की शांति मुंबई में देखने को मिल रही है,वैसी शांति 1992-93 के दंगों के बाद भी देखने को नहीं मिली थी।

कतार सूरत में शनिवार को मुफ्त अनाज लेने के लिए कतार में लगे नागरिक।

श्रमिकों को पारिश्रमिक के भुगतान के लिए न्यायालय में जनहित याचिका

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु की वजह से देश में हुए लॉकडाउन की अवधि के दौरान मनरेगा श्रमिको को पूरे पारिश्रमिक के भुगतान के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

यह जनहित याचिका मजदूर किसान शक्ति संगठन के कार्यकर्ता अरूणा रॉय और निखिल डे ने दायर की है। इसमें कोरोनावायर संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए घोषित 21 दिन के लॉकडाउन की अवधि के पूरे पारिश्रमिक का मनरेगा श्रमिकों को भुगतान करने का केंद्र और अन्य प्राधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर इस याचिका में कहा गया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून के तहत इस योजना के लिए सात करोड़ से ज्यादा श्रमिक पंजीकृत हैं और उन्हें लॉकडाउन की अवधि के दौरान अन्य कर्मचारियों की तरह ही काम पर माना जाना चाहिए। इन श्रमिकों को पूरी अवधि के पारिश्रमिक का भुगतान किया जाना चाहिए।

याचिका में ग्रामीण विकास मंत्रालय और राज्य सरकारों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि लॉकडाउन के दौरान जहां भी संभव हो इन मनरेगा श्रमिकों को काम करने की अनुमति दी जाए। याचिका में रोजगार गारंटी योजना के तहत 7.6 करोड़ से ज्यादा ऐसे श्रमिकों के स्वास्थ और आजीविका के मौलिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। याचिका में यह भी दलील दी गई है कि राष्ट्रीय आपदा कानून के तहत 24 मार्च को दिया गया आदेश केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के सभी मंत्रालयों और प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। याचिका के अनुसार केंद्र सरकार ने अपने आदेश के तहत इस संक्रमण से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने के मकसद से नागरिकों की जिदगी बचाने के लिए आवशयक सेवाओं के अलावा समूचे देश में लॉकडाउन किया है।

याचिका में कहा गया है कि मनरेगा श्रमिकों को काम करने की अनुमति देने के बारे मे ग्रामीण विकास मंत्रालय के दिशानिर्देश लॉकडाउन के आदेश के खिलाफ हैं और इससे मनरेगा श्रमिकों के जीवन और स्वास्थ को खतरा हो सकता है क्योंकि उनके काम को देखते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखना संभव नहीं होगा। याचिका के अनुसार लॉकडाउन के दौरान मनरेगा श्रमिकों से काम करने के लिए कहने से संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समता के अधिकार का हनन होता है।

जम्मू कश्मीर में कम तीव्रता का भूकम्प

जम्मू,4 अप्रैल (भाषा)

जम्मू कश्मीर में शनिवार को कम तीव्रता का भूकम्प महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता चार मापी गई।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि झटके सुबह छह बज कर 14 मिनट पर शुरू हुए और कुछ सेकंड तक महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि भूकम्प 35.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.8 डिग्री पूर्वी देशांतर में 60 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। भूकम्प से जानमाल की किसी तरह की हानि की सूचना नहीं है।

पतंगबाजी से लखनऊ मेट्रो की बत्ती गुल

लखनऊ, 4 अप्रैल (भाषा)।

पूरी दुनिया कोरोना विषाणु से परेशान है लेकिन लखनऊ मेट्रो के अधिकारी देशव्यापी बंद के दौरान शहरवासियों की पतंगबाजी से परेशान है। पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे मांझे के बिजली के तारों से टकराने से मेट्रो की विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक आम दिनों में भी पतंग उड़ाने के कारण कभी-कभार ऐसे एक-दो मामले सामने आते थे लेकिन बंद की वजह से खाली लोग जमकर पतंगबाजी का लुत्फ ले रहे हैं और इस वजह से बिजली आपूर्ति बाधित होने के मामलों में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने विशेष बातचीत में कहा, 'लोग नए कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर लगाए गए देशव्यापी बंद के दौरान धातु के धागों/तारों और चाइनीज मांझे का उपयोग करते हुए संचालित मेट्रो कॉरिडोर के आस-पास पतंग उड़ाने से बचें। क्योंकि 25000 वाट के वोल्टेज की धारा प्रवाह वाली 'ओवर हेड इक्विपमेंट' (ओएचई) से दुर्घटना भी हो सकती है और लोग इसका शिकार होकर घायल भी हो सकते है।'

उन्होंने बताया कि मेट्रो कॉरिडोर के आसपास निशातगंज, बादशाह नगर और आलमबाग से सटे कई इलाकों में आजकल काफी लोग पतंग उड़ाते हैं। लखनऊ मेट्रो 25000 वोल्ट की धाराप्रवाह वाले ओवर हेड इक्विपमेंट की सहायता से चलती है, यदि किसी पतंगबाज की डोर इसके संपर्क में आती है तो ओएचई ट्रिप कर जाती है जिसके परिणाम स्वरूप मेट्रो संचालन में तो बाधा उत्पन्न होती है साथी झटका लगने के कारण वह व्यक्ति भी दुर्घटना का शिकार हो सकता है।

उन्होंने बताया कि ओएचई ट्रिपिंग की ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही है। इससे सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान के अलावा यह बेहद जानलेवा भी साबित हो सकती हैं। कई मौकों पर तो धातु के धागे/तार ओएचई के तारों में उलझे भी पाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि अभी तो बंद के कारण आम जनता के लिए तो मेट्रो ट्रेनें नहीं चल रही हैं लेकिन मेट्रो स्टेशनों पर अन्य काम हो रहे हैं और प्रतिदिन सुबह शाम एक-एक ट्रेन चला कर परीक्षण भी लगातार किया जा रहा है।

टिकटॉक, फेसबुक पर भड़काऊ वीडियो की भरमार

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के प्रयासों के खिलाफ मुसलिमों को उकसाने के लिए टिकटॉक, यूट्यूब और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया मंचों पर बड़े स्तर पर भड़काऊ वीडियो डाले जा रहे हैं। तथ्यों की जांच करने वाली सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी वॉएजर इन्फोसेक की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ये वीडियो भारत के साथ ही अन्य देशों में भी शूट किए जा रहे हैं और इन्हें मुख्यतः टिकटॉक पर डाला जा रहा है। कंपनी ने यह रिपोर्ट भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र को सौंप दी है।

उल्लेखनीय है कि टिकटॉक चीन की कंपनी द्वारा तैयार ऐप है। यह वीडियो आधारित सोशल मीडिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस को लेकर गलत जानकारियों और स्वास्थ्य व चिकित्सा संबंधी परामर्शों के खिलाफ धर्म की आड़ में भड़काऊ सामग्रियों को परोसने में टिकटॉक को मुख्य माध्यम के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। ये वीडियो टिकटॉक पर तैयार किए जा रहे हैं और लोगों के बीच फैलाए जा रहे हैं। वहां से इन्हें वाट्सऐप, ट्विटर और फेसबुक जैसे अन्य सोशल मीडिया पर भी शेयर किया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच दिन में 30 हजार से अधिक वीडियो का विश्लेषण किया गया है। इसके बाद पाया गया कि इनमें से अधिकांश वीडियो पेशेवर सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार किए जा रहे हैं। जिन खातों से इन्हें सबसे पहले शेयर किया जा रहा है, उन्हें वीडियो के वायरल होते ही डिलीट कर दिया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'मुसलिमों के बीच इस तरह के वीडियो साझा करने वाले कुछ खाते पाकिस्तान के ऐसे मुसलिम धर्मगुरुओं का प्रचार करते भी पाए गए हैं, जिनके आतंकवादियों के साथ संबंध हैं। इन मामलों में विदेशी ताकतों के हाथ होने को लेकर आगे अलग से जांच की जरूरत है।' रिपोर्ट तैयार करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तरह के वीडियो तैयार करने में हिंदी और बोलचाल की उर्दू का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पता चलता है कि इनका निशाना भारत के लोग हैं। इनमें से कुछ वीडियो पाकिस्तान और पश्चिम एशिया में बनाए गए हैं और बाद में इनमें एडिट करके हिंदी के संवाद डाले गए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच दिन में 30 हजार से अधिक वीडियो का विश्लेषण किया गया है। इसके बाद पाया गया कि इनमें से अधिकांश वीडियो पेशेवर सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार किए जा रहे हैं। जिन खातों से इन्हें सबसे पहले शेयर किया जा रहा है, उन्हें वीडियो के वायरल होते ही डिलीट कर दिया जा रहा है।

इस बारे में पूछे जाने पर टिकटॉक के एक प्रवक्ता ने भ्रामक सूचनाएं साझा करने के प्रयासों की निंदा की। उसने कहा, 'हम लगातार निगरानी कर रहे हैं और अपने मंच से वीडियो, ऑडियो व तस्वीरों समेत उन सभी सामग्रियों को हटा रहे हैं जो हमारे दिशानिर्देशों और सरकार के परामर्शों के खिलाफ हैं।' ट्विटर के प्रवक्ता ने इस बारे में कहा कि कंपनी लोगों को बरगलाने वाली और नफरत फैलाने वाली सामग्रियों को हटाने के लिए मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कर रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इंटरनेट पर फर्जी खबरों का संज्ञान लेते हुए पहले ही सभी सोशल मीडिया कंपनियों को भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाली सामग्रियां हटाने के लिए कह चुका है।

www.readwhere.com

अंडर-17 महिला विश्व कप स्थगित

फीफा ने कोरोना संकट के कारण भारत में होने वाला टूर्नामेंट टाला

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारत में नवंबर में होने वाला फीफा अंडर-17 महिला फुटबॉल विश्व कप कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया। यह टूर्नामेंट पांच शहरों कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद और नवी मुंबई में दो से 21 नवंबर के बीच होना था। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेने वाली थीं जिसमें मेजबान होने के नाते भारत को स्वतः प्रवेश मिला था। यह अंडर-17 महिला विश्व कप में भाग लेने का भारत का पहला मौका था।

फीफा परिसंघों के कार्यसमूह ने यह फैसला लिया। फीफा परिषद के ब्यूरो ने कोरोना वायरस महामारी के परिणामों से निपटने के लिए इस कार्यसमूह का गठन किया है। कार्यसमूह ने फीफा परिषद से पनामा कोस्टा रिका में 2020 में होने वाला फीफा अंडर 20 विश्व कप भी स्थगित करने का अनुरोध किया। यह टूर्नामेंट अगस्त-सितंबर में होने वाला था। इसके साथ ही नवंबर में भारत में होने वाला अंडर-17 विश्व कप भी स्थगित करने का अनुरोध किया गया।

यह टूर्नामेंट पांच शहरों कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद और नवी मुंबई में दो से 21 नवंबर के बीच होना था। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेने वाली थीं जिसमें मेजबान होने के नाते भारत को स्वतः प्रवेश मिला था।

फीफा परिसंघों के कार्यसमूह ने यह फैसला लिया।

नई तारीखों की घोषणा की जाएगी।

> कोरोना वायरस के कारण जिस तरह बाकी खेल आयोजन स्थगित हुए हैं, यह तो होना ही था। हमें यह फैसला मानना ही होगा। उन्होंने कहा कि यूरोप और अफ्रीका तथा अन्य परिसंघों में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी नहीं हो सके हैं। इसलिए यह फैसला अपेक्षित था। **-कुशाल दास**, एआइएफएफ महासचिव

फीफा ने एक बयान में कहा कि नई तारीखों की घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पर काम करने के लिए एक उप कार्यसमूह के गठन का भी फैसला लिया गया जो फीफा के स्थगित टूर्नामेंटों के शेड्यूल में बदलाव पर गौर करेगा। कार्यसमूह में फीफा प्रशासन और महासचिव तथा सभी परिसंघों के शीर्ष कार्यकारी शामिल थे। टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए हुई पहली बैठक में कई सुझावों पर सर्वसम्मति से मंजूरी जताई गई।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने कहा कि यह फैसला अपेक्षित था। एआइएफएफ महासचिव कुशाल दास ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण जिस तरह बाकी खेल आयोजन स्थगित हुए हैं, यह तो होना ही था। हमें यह फैसला मानना ही होगा। उन्होंने कहा कि यूरोप और अफ्रीका तथा अन्य परिसंघों में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी नहीं हो सके हैं। इसलिए यह फैसला अपेक्षित था।

उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट अब अगले साल ही होने की संभावना है। भारत में अंडर-17 महिला विश्व कप का शेड्यूल फरवरी में जारी किया गया। नवी मुंबई में फाइनल होना था। स्थानीय आयोजन समिति ने कहा कि वह इस फैसले का समर्थन करती है हालांकि वह नवंबर में टूर्नामेंट की मेजबानी का इंतजार कर रही थी। इसने एक बयान में कहा कि यह सभी संबंधित लोगों की सेहत को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला है। इस समय स्वास्थ्य सर्वोपरि है। हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

ऑनलाइन प्रदर्शनी मैच खेलेंगे आनंद और हंपी

चेन्नइ, 4 अप्रैल (भाषा)।

पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और पांच अन्य प्रमुख भारतीय खिलाड़ी कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए धन जुटाने में अपना योगदान देंगे। ये सभी 11 अप्रैल को ऑनलाइन शतरंज प्रदर्शनी मुकाबले में भाग लेंगे। भारतीय खिलाड़ी चेस डॉट कॉम पोर्टल के माध्यम से दुनिया भर के खिलाड़ी से भिड़ेंगे।

भारतीय खिलाड़ी कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए धन जुटाने में अपना योगदान देंगे।

आनंद के अलावा भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी विदित एस गुजराती, पी हरिकृष्ण, भास्करन अधिबान (सभी ग्रैंडमास्टर्स) के साथ देश की शीर्ष दो महिला खिलाड़ी कोनेरू हंपी और द्रोणावल्ली हरिका 20-बोर्ड वाली इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इस आयोजन का सीधा प्रसारण चेसडॉटकॉम/टीवी पर होगा जहां किए गए सभी दान को 'पीएम केयर्स' कोष में दिया जाएगा।

कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों के कारण जर्मनी में फंसे आनंद ने ट्वीट किया, 'कोविड-19 राहत के लिए भारतीय शतरंज समुदाय की कोशिश का समर्थन करें।' इस आयोजन में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों के पास चेस डॉट ब्लिट्ज या एफआईडीइ मानक रेटिंग 2000 से कम अंक होने चाहिए। उनके पास पंजीकरण के समय दान करने का विकल्प होगा।

आनंद के खिलाफ खेल सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 150 डॉलर का दान करना होगा। हालांकि खिलाड़ी 25 डॉलर देकर पंजीकरण कराकर छह में से दो भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ खेल सकते हैं जिसमें एक आनंद भी हो सकते हैं। आनंद के खिलाफ खेलने के लिए सिर्फ पांच स्थान बचे हुए हैं। इसके अलावा सबसे अधिक दान करने वाले तीन लोगों को आनंद के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। हरिका ने कहा कि यह शानदार है कि हम घर से खेल सकते हैं और किसी अच्छे काम के लिए धन इकट्ठा कर सकते हैं।

लय और एकाग्रता बरकरार रखना चुनौतीपूर्ण : वर्मा

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

अनुभवी भारतीय निशानेबाज अभिषेक वर्मा ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक के एक साल टलने के बाद लय और एकाग्रता बरकरार रखना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि वह इसके लिए तैयार हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लागू देश बंदी के बाद खिलाड़ियों का अभ्यास सत्र प्रभावित हुआ है। चार साल में होने वाले इन खेलों के स्थगित होने से उनका ध्यान भटका है।

विश्व कप में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले इस निशानेबाज ने कहा कि लय हासिल करना और फिर उसे बरकरार रखना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। इससे हालांकि हमें तैयारी का समय मिलेगा लेकिन एक साल का समय काफी होता है।

तीस साल के वर्मा देश बंदी के कारण चंडीगढ़ स्थित अपने घर में हैं लेकिन उनका ध्यान गुरुग्राम के अतिथिगृह में है जहां एससीएटीटी सहित उनके अभ्यास का सारा साजो-सामान रखा हुआ है। वह दो-तीन दिनों के लिए अपने माता-पिता से मिलने चंडीगढ़ गए थे लेकिन देश बंदी के कारण वहीं रुकना पड़ा।

एससीटीटी सेंसर युक्त उन्नत उपकरण है। निशानेबाज इसका इस्तेमाल अंदर और बाहर दोनों अभ्यास में करते हैं। इससे उनकी प्रगति पर नजर रखने में मदद मिलती है। देश बंदी के कारण वर्मा को अपने अभ्यास के साथ समझौता करना पड़ रहा है। उन्हें घर में रहने की खुशी है लेकिन निशानेबाज लय बरकरार

> मुझे साल के 365 दिन अभ्यास करना पसंद है लेकिन अभी मैं कामचलाऊ अभ्यास ही कर पा रहा हूं। घर पर सिर्फ दो-तीन दिन रुकने की मेरी योजना थी लेकिन देश बंदी की घोषणा के बाद मैं यहां फंस गया। **-अभिषेक वर्मा**

विश्व कप में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले इस निशानेबाज ने कहा कि लय हासिल करना और फिर उसे बरकरार रखना काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

रखने के लिए पूरे साल अभ्यास जारी रखते हैं। वर्मा को अपने साजो-सामान के बिना समय बिताना 'अजीब' लग रहा है।

उन्होंने कहा कि मुझे साल के 365 दिन अभ्यास करना पसंद है लेकिन अभी मैं कामचलाऊ अभ्यास ही कर पा रहा हूं। घर पर सिर्फ दो-तीन दिन रुकने की मेरी योजना थी लेकिन देश बंदी की घोषणा के बाद मैं यहां फंस गया। मौजूदा स्थिति को देखते हुए फिलहाल कोई और रास्ता नहीं है। मैं केवल यही उम्मीद कर सकता हूं कि हालात सामान्य हो जाएं और मैं फिर से अभ्यास शुरू की कर सकूं।

वर्मा ने पिछले साल अप्रैल में बेजिंग विश्व कप में 10 मीटर एअर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक कोटा हासिल किया था। उन्होंने इसके बाद अगस्त-सितंबर में रियो विश्व कप में इसी स्पर्धा में दूसरी बार पीला तमगा हासिल किया।

अमेरिकी टेनिस संघ ने कहा, अभी नहीं खेलना ही बेहतर

न्यूयार्क, 4 अप्रैल (एपी)।

अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते अभी नहीं खेलना ही बेहतर है। अपनी वेबसाइट पर पोस्ट करते हुए यूएसटीए ने इस वक्त टेनिस नहीं खेलने को समाज के सर्वश्रेष्ठ हित में बताया। यूएसटीए अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम का आयोजन करती है।

संस्था ने बयान में कहा कि टेनिस और कोविड-19 बीमारी के बारे में कोई विशेष अध्ययन नहीं हुआ है। लेकिन संभावना है कि टेनिस गेंद, नेट पोस्ट, कोर्ट की सतह, बेंच और गेट के हैंडल को छूते हुए या इसे देते हुए कीटाणु लोगों में फैल जाएंगे। इसलिए यूएसटीए चाहता है कि खिलाड़ी कोर्ट में वापसी को लेकर संयमित रहें। अमेरिकी ओपन 31 अगस्त से न्यूयार्क में शुरू होना है। ऑल इंग्लैंड क्लब ने इस हफ्ते विंबलडन ग्रैंड स्लैम को रद्द करने की घोषणा की थी।

मदद बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस्कॉन के कोलकाता केंद्र की मदद करके करीब 20 हजार लोगों के भोजन का इंतजाम किया है। कोलकाता इस्कॉन रोज करीब दस हजार लोगों को भोजन दे रहा है।

हॉकी इंडिया ने 75 लाख रुपए और दिए

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

हॉकी इंडिया ने शनिवार को प्रधानमंत्री केयर्स कोष में 75 लाख रुपए और दान में दिए। इससे देश में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए उसका कुल योगदान एक करोड़ रुपए का हो गया। हॉकी इंडिया ने इससे पहले एक अप्रैल को 25 लाख रुपए दान में दिए थे।

हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड ने 75 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि देने का फैसला किया। अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने बयान में कहा कि इस संकट को देखते हुए यह समय की जरूरत है और भारत सरकार के साथ एकजुट होने का समय है जो कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सबकुछ कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया ने इससे पहले एक अप्रैल को 25 लाख रुपए दान में दिए थे।

शीर्ष गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने भी सात लाख रुपए पीएम केयर्स कोष में दिए।

उन्होंने कहा कि हमें इतने वर्षों में देशवासियों का काफी समर्थन मिला है जिन्होंने हमें विभिन्न चुनौतियों के दौर में प्रेरित करना जारी रखा। अब समय भारत वासियों को वापस देने का है जिसके लिए हम जितना कर सकते हैं, कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव राजिंदर सिंह भी मुश्ताक के विचारों से सहमत थे। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया हमेशा जरूरत के समय में मदद करने पर भरोसा रखता है और मुझे गर्व है कि कार्यकारी बोर्ड ने मिलकर एक करोड़ रुपए प्रधानमंत्री केयर्स कोष में देने का फैसला किया।

पूरे देश से खिलाड़ियों का योगदान जारी रहा जिसमें शीर्ष गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने सात लाख रुपए पीएम केयर्स कोष में दिए। लाहिड़ी ने ट्वीट किया कि इस मुश्किल के समय में मैं अपने प्रशंसकों से योगदान करने का आग्रह करूंगा। मैंने पीएम केयर्स कोष में सात लाख रुपए का दान दिया है और साथ ही जोमैटो फीडिंग इंडिया अभियान में भी 100 परिवारों की मदद कर रहा हूं।

भारत में अभी तक कोविड-19 से 3,000 के करीब लोग संक्रमित हैं जबकि 70 लोगों की मौत हो चुकी है।

तनख्वाह में कटौती की पेशकश की इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने

लंदन, 4 अप्रैल (भाषा)।

इंग्लैंड के पुरुष और महिला क्रिकेटरों ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिए अपने वेतन में कटौती और पांच लाख पाउंड दान देने की पेशकश की है। इससे पहले इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के वेतन में 20 फीसद की कटौती का प्रस्ताव रखा था। ईसीबी पेशेवर क्रिकेटरों के संघ के प्रतिनिधियों के जवाब का इंतजार कर रहा था। पांच लाख पाउंड दान पुरुष क्रिकेटरों के वेतन में 20 फीसद कटौती के बराबर है जबकि महिला क्रिकेटरों ने अप्रैल, मई और जून के वेतन में कटौती का प्रस्ताव रखा है।

'रोहित और वार्नर सर्वश्रेष्ठ टी20 सलामी बल्लेबाज'

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने शनिवार को भारत के रोहित शर्मा और साथी आस्ट्रेलियाई डेविड वार्नर को टी-20 में सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज के तौर पर चुना। मूडी मशहूर कोच और कमेंटेटर हैं। एक सवाल-जवाब सत्र में मूडी ने चेन्नई सुपर किंग्स को अपनी पसंदीदा आइपीएल टीम और महेंद्र सिंह धोनी को पसंदीदा कप्तान बताया।

जब उनसे टी-20 में सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज के बारे में पूछा गया तो 54 वर्षीय ने

अपने ट्विटर पेज पर लिखा, 'बहुत मुश्किल है, लेकिन मैं डेविड वार्नर और रोहित शर्मा का नाम लूंगा।' भारत में क्रिकेट की अपार प्रतिभा मौजूद है लेकिन मूडी को लगता है कि इनमें शुभमन गिल सबसे बेहतर हैं। गिल ने भारत के लिए दो वनडे खेले हैं और टैस्ट टीम में भी जगह बना चुके हैं लेकिन अभी एक मैच खेलना बाकी है।

मूडी कई बार आइपीएल टीमों में कोचिंग दे चुके हैं। उनका मानना है कि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन की क्रिकेट की समझ बहुत अच्छी है और उनके लिए पसंदीदा भारतीय क्षेत्ररक्षक रविंद्र जडेजा हैं। पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर के बारे में पूछने पर उन्होंने कप्तान विराट कोहली का नाम लिया।

भविष्य के टैस्ट कप्तान कहे जाने से कमिंस खुश

मेलबर्न, 4 अप्रैल (भाषा)।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस बात से खुश हैं कि मौजूदा कप्तान टिम पेन उन्हें भविष्य में टैस्ट कप्तानी का दावेदार मानते हैं। पैतीस बरस के पेन के रिटायर होने के बाद आस्ट्रेलिया के टैस्ट कप्तान को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। पूर्व कप्तान स्टीवन स्मिथ के कप्तानी करने पर लगाया गया प्रतिबंध भी समाप्त हो चुका है।

ओलंपिक का खाका तैयार करने के लिए साई की हॉकी इंडिया के साथ बैठक

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को हॉकी इंडिया के अधिकारियों और राष्ट्रीय टीम के कोचों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। इसमें तोक्यो ओलंपिक के मद्देनजर अगले 16 महीने का खाका तैयार किया गया। दुनियाभर में फैली कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

साई ने शनिवार को हॉकी इंडिया के अधिकारियों और राष्ट्रीय टीम के कोचों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की।

भारत भी इस वैश्विक महामारी के प्रकोप से अछूता नहीं है। साई ने ओलंपिक का खाका तैयार करने के लिए सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों के अध्यक्ष, महासचिव, हाई परफॉर्मेंस निदेशक, मुख्य कोच, मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ चर्चा करने की योजना बनाई है।

इसी के तहत साई के महानिदेशक संदीप प्रधान और अन्य अधिकारियों ने हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की, जिसमें इसकी मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलिना नॉर्मन, कार्यकारी निदेशक आर के श्रीवास्तव, हाई पाफॉर्मेंस निदेशक डेविड जॉन के अलावा पुरुष और महिला टीमों के मुख्य कोच, ग्राहम रीड और शोर्ड मारिन शामिल थे। इस बैठक में टीमों के प्रशिक्षण, घरेलू प्रतियोगिताओं की संरचना और विदेशी दौरों सहित खेल से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

साई के बयान के मुताबिक देश बंदी के मद्देनजर नई समस्याओं का समाधान और पहले की बनाई गई रणनीति के विकल्प पर विचार-विमर्श किया गया। पृथक रहने के दौरान शारीरिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा के अलावा देश बंदी के हटने के बाद खिलाड़ियों की यात्रा को लेकर भी चर्चा की गई। इस मौके पर महानिदेशक ने बंगलुरु साई केंद्र में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने को लेकर भी चर्चा की।

पुरुष टीम के मुख्य कोच रीड ओलंपिक के लिए तैयारियों को लेकर आत्मविश्वास से भरे दिखे। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी बैठक करके अगले 16 महीनों की योजना पर चर्चा की। हमने साई को बताया कि टीम और इससे जुड़े कर्मचारियों की देखभाल सही तरीके से की जा रही और वे पृथक रहने का पालन कर रहे है।

'घर में रहकर देश के लिए युद्ध लड़ रहे आप'

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा चाहते हैं कि देश बंदी के दौरान सभी देशवासी घर पर रहें। उनका मानना है कि कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई घर पर रहकर ही जीती जा सकती है। पुजारा उन शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के तरीकों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई वीडियो कॉल में हिस्सा लिया था।

भारत के मुख्य टैस्ट बल्लेबाज ने कहा कि इस समय प्रत्येक व्यक्ति एक सैनिक है। अगर आप घर में रहोगे तो आप अपने देश के लिए युद्ध लड़ रहे हो। इसके लिए एकजुट प्रयास की जरूरत है, वर्ना हम इसे जीत नहीं सकते। पिछले

इस समय प्रत्येक व्यक्ति एक सैनिक है। अगर आप घर में रहोगे तो आप अपने देश के लिए युद्ध लड़ रहे हो। इसके लिए एकजुट प्रयास की जरूरत है, वर्ना हम इसे जीत नहीं सकते।

> मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे घर में जिम है। छोटे शहर में रहते हुए मैं बाहर जिम में जाकर ट्रेनिंग नहीं कर सकता क्योंकि लोग मुझे घेर लेंगे। घर पर जिम की वजह से मैं अपने स्ट्रेंथ सत्र, साइकिलिंग और रनिंग कर सकता हूं। मैं योग भी करता हूं जिससे काफी मदद मिलती है। **- चेतेश्वर पुजारा**

महीने सौराष्ट्र को पहला रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में मदद करने वाले पुजारा ने सोचा नहीं होगा कि वह इस तरह घर पर समय व्यतीत कर रहे होंगे। वह इस ब्रेक का आनंद ले रहे हैं और उनका ज्यादातर समय अपनी दो साल की बेटी के साथ खेलने में जाता है। वह अपनी बेटी के साथ प्लास्टिक के बल्ले से खेलते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा मुझे अपनी बेटी के लिए करना होता है। अभी क्रिकेट इंतजार कर सकता है। लेकिन फिटनेस से कोई समझौता नहीं जिसके लिए वह घर पर बने जिम में एक्सरसाइज करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं हर चीज को सकारात्मक रूप से लेता हूं। कभी-कभार आपको खिलाड़ी के तौर पर एक ब्रेक लेने की जरूरत होती है और इससे बेहतर समय कुछ और नहीं। हमने हाल में रणजी ट्रॉफी जीती और तीन से चार हफ्ते ब्रेक लेने का इससे अच्छा समय नहीं हो सकता था।

पुजारा ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे घर में जिम है। छोटे शहर में रहते हुए मैं बाहर जिम में जाकर ट्रेनिंग नहीं कर सकता क्योंकि लोग मुझे घेर लेंगे। घर पर जिम की वजह से मैं अपने स्ट्रेंथ सत्र, साइकिलिंग और रनिंग कर सकता हूं। मैं योग भी करता हूं जिससे काफी मदद मिलती है। उन्हें ब्रिटेन में काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए जाना था लेकिन वहां भी 28 मई तक क्रिकेट स्थगित हो गया है और काउंटी चैंपियनशिप अब रद्द होने की संभावना भी लग रही है।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 139, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com